RNI.No. — GUJHIN/2012/45192

सूरत भूमि

हिन्दी दैनिक

संपादक : संजय आर. मिश्रा

श्री 1008 महामंडलेश्वर
श्री स्वामी रामानंद दासजी महाराज
श्री रामानंद दास अन्नक्षेत्र सेवा ट्रस्ट, तपोवन आश्रम

स्व. पं. पू.1008 श्री रामानन्द जी
तपोवन मंदिर, मोरा गांव, सूरत

वर्ष-11 अंक:322 ता. 17 जून 2023, शनिवार , कार्यालय:114, न्यु प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेंट, डिंडोली, डिंडोली, उधना सूरत (गुजरात) मो. 9327667842, 9825646069 पृष्ठ: 8 कीमत: 2:00 रुपये

ho@suratbhumi.com /Suratbhumi.com /Suratbhumi /Suratbhumi /Suratbhumi /Suratbhumi

एकनाथ शिंदे बोले- जय-वीरू की तरह हमारी दोस्ती, देवेंद्र फडणवीस ने भी लगाई मुहर

● एकनाथ शिंदे ने कहा, हमारी दोस्ती बहुत पुरानी है। मान लीजिए 15-20 साल पुरानी। ये फेविकोल का जोड़ है, टूटेगा नहीं। कोई कहता है हम भाई हैं, कोई कहता है हम जय-वीरू और धरम-वीर जैसे हैं।

मुंबई। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे और उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने कहा कि हमारी जोड़ी जय-वीरू की तरह है। यह फेविकोल की जोड़ की तरह अटूट है। आपको बता दें कि शिंदे टीम ने एक रिपोर्ट शेयर किया था, जिसमें फडणवीस की लोकप्रियता सीएम से कम थी। कहा जाता है कि इस रिपोर्ट के बाद दोनों खेमे में दूरी बढ़ गई थी। हालांकि, अगले ही दिन रिपोर्ट का संसोधित हिस्सा जारी किया गया। फडणवीस और शिंदे ने शासन आपल्या दारी (आपके द्वार पर सरकार) कार्यक्रम के तहत पालघर पहुंचे थे। इससे पहले बुधवार को मुख्यमंत्री के सार्वजनिक कार्यक्रम में फडणवीस शामिल नहीं हुए थे। इसके बाद से दोनों नेताओं के बीच मनमुटाव की बात सामने आने लगी थी। हालांकि, फडणवीस ने कहा कि डॉक्टरों ने हवाई यात्रा से बचने की सलाह दी थी, इसके कारण वह कार्यक्रम में शामिल नहीं हुए थे। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए फडणवीस ने कहा, जब हमारा हेलीकॉप्टर

पालघर में उतरा तो एक मीडियाकर्मी ने मुझसे साथ यात्रा करने के बारे में पूछा। मैंने कहा कि हम 25 साल से साथ हैं और पिछले एक साल में हमारा बंधन और भी मजबूत हुआ है। हम कल भी साथ थे, आज भी साथ हैं और कल भी साथ रहेंगे। आपको चिंता करने की जरूरत नहीं है। उन्होंने आगे कहा कि वे सत्ता या पद के लिए नहीं बल्कि राज्य के सामाजिक-आर्थिक स्थिति में परिवर्तन लाने और सभी की भलाई के लिए काम करने के लिए एक साथ आए हैं। फडणवीस ने कहा, इसीलिए मुझे लगता है कि हमारी सरकार को किसी विज्ञापन या किसी के द्वारा दिए गए बयान

अगले ही दिन रिपोर्ट का संसोधित हिस्सा जारी किया गया। फडणवीस और शिंदे ने शासन आपल्या दारी (आपके द्वार पर सरकार) कार्यक्रम के तहत पालघर पहुंचे थे। इससे पहले बुधवार को मुख्यमंत्री के सार्वजनिक कार्यक्रम में फडणवीस शामिल नहीं हुए थे।

से कोई नुकसान नहीं होने वाला है। हम तब तक साथ रहेंगे जब तक हम लोगों के जीवन को बेहतर बनाने के अपने एजेंडे को पूरा करते हैं।

अब शिंदे की बारी थी। उन्होंने कहा, हमारी दोस्ती बहुत पुरानी है। मान लीजिए 15-20 साल पुरानी। ये फेविकोल का जोड़ है, टूटेगा नहीं। कोई कहता है हम भाई हैं, कोई कहता है हम जय-वीरू और धरम-वीर जैसे हैं। मैं कहता हूं कि हमारी जोड़ी भगवा गठबंधन की उपज है। मुख्यमंत्री ने कहा कि हम दोनों स्वार्थी नहीं हैं।

उत्तराखंड से हिमाचल तक क्यों 'जल उठे' पहाड़, हिंदू-मुस्लिम वाला बवाल

शिमला। मैदानी इलाकों के मुकाबले अधिक शांत रहने वाले पहाड़ों पर भी इन दिनों सांप्रदायिकता की आग भड़क गई है। उत्तराखंड से हिमाचल तक में सांप्रदायिक तनाव फैल गया है। दोनों ही जगह दो आपराधिक घटना के बाद दो समुदायों के बीच नफरत फैल गई है। उत्तराखंड के उत्तरकाशी जिले में एक नाबालिग हिंदू लड़की के अपहरण की कोशिश के बाद तनाव उत्पन्न हो गया तो हिमाचल प्रदेश के चंबा में एक युवक की क्रूरता से हत्या के बाद बवाल हो गया है। उत्तरकाशी में करीब 22 दिन से चल रहे तनाव के बीच जहां कई मुस्लिम परिवारों को पलायन करना पड़ा है तो चंबा में गुरुवार को उग्र भीड़ ने आरोपियों के घर पर आगजनी की।

चंबा में क्यों तनाव?

चंबा के सलूणी निवासी 22 वर्षीय मनोहर 6 जून से घर से लापता था। परिजनों ने इसकी पुलिस में शिकायत दी थी। 9 जून को टुकड़ों में कटी उसकी लाश मिली। बोरी में बंद करके उसके शरीर के टुकड़े नाले में फेंक दिए गए थे। यह मामला प्रेम-प्रसंग और गैर समुदाय में शादी से जुड़ा है। बताया जा रहा है कि मनोहर का एक मुस्लिम लड़की से प्रेम प्रसंग चल रहा था। पुलिस ने तत्काल कार्रवाई करते हुए शव के टुकड़े बरामद किए और प्रेमिका समेत सभी आठ आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया था। कई दिनों से चल रहे तनाव के बीच गुरुवार को स्थिति बिगड़ गई। भीड़ ने आरोपियों के घरों को जला दिया। किहार थाना से संघणी के लिए निकली भीड़ ने इस घटना को अंजाम दिया। पुलिस के पहुंचने पर भीड़ तितर-बितर हो गई। तनावपूर्ण माहौल को देखते हुए पूरे क्षेत्र में धारा 144 लगा दी गई है।

उग्र हो गई भीड़

बुधवार को कुछ नेताओं ने स्थानीय लोगों संग बैठक की थी। इसके बाद गुरुवार को आक्रोशित

ग्रामीणों ने सलूणी, संघनी, लचोड़ी, किहार बाजार बंद कर पुलिस थाना परिसर में घुस गए। इस दौरान मौके पर मौजूद प्रशासनिक और पुलिस अधिकारी भीड़ को समझाने की कोशिश करते रहे मगर वे नहीं माने। ये लोग दूसरे समुदाय के हत्यारोपी को फांसी की सजा देने की मांग कर रहे थे। बहरहाल, स्थानीय प्रशासन और पुलिस ने हालात पर काबू पा लिया है, मगर इसका असर पूरे हिमाचल में देखने को मिल रहा है। भाजपा इसे मुद्दा बनाने में जुट गई है।

सुबह ही सुरक्षाबलों को बड़ी सफलता, ढेर कर दिए पाकिस्तान से आए 5 आतंकी; दो घंटे चला एनकाउंटर

कुपवाड़ा। जम्मू-कश्मीर के कुपवाड़ा में सुरक्षा बलों को आतंकवादियों के खिलाफ अभियान में बड़ी सफलता मिली है। शुक्रवार को सुबह ही शुरू हुए एनकाउंटर में सुरक्षा बलों ने 5 आतंकियों को मार गिराया है। कश्मीर के अडिशनल डीजीपी ने बताया कि ये सभी आतंकवादी पाकिस्तान से घुसपैठ कर आए थे और यहां किसी बड़े हमले की फिराक में थे। एनकाउंटर के बाद भी सर्च अभियान चल रहा है ताकि कोई और आतंकवादी यदि बचा हो तो उसे पकड़ा जा सके। इस साल कश्मीर में घुसपैठ का यह अब तक सबसे बड़ा प्रयास था, जिसे सुरक्षा बलों ने विफल कर दिया।

दिल्ली-एनसीआर में बदल जाएगा मौसम, 5 दिन मिलेगी भीषण गर्मी से राहत

नई दिल्ली। बूंदाबांदी और तेज रफ्तार हवाओं के चलते दिल्ली और आसपास के इलाकों में रहने वाले लोगों को शुक्रवार से अगले पांच दिन तक गर्मी से राहत मिलने के आसार हैं। मौसम विभाग का अनुमान है कि अगले कुछ दिनों के बीच अधिकतम तापमान सामान्य से नीचे रहेगा। इस बीच गुरुवार को भी अधिकतम और न्यूनतम तापमान सामान्य से नीचे दर्ज किया गया। शुक्रवार को बादलों की आवाजाही बनी रहेगी। जबकि, कई स्थानों पर हल्की बूंदाबांदी हो सकती है। दिल्ली के ज्यादातर हिस्सों में गुरुवार की सुबह से ही तेज धूप निकली रही। हालांकि, आसमान में हल्के बादलों की आवाजाही भी लगी रही। दिनभर हवा की रफ्तार 28 किलोमीटर प्रति घंटे से ज्यादा रही। दिल्ली की मानक वेधशाला सफदरजंग में दिन का अधिकतम तापमान 37.7 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जो कि सामान्य से एक डिग्री कम है। बुधवार को यहां पर अधिकतम तापमान 40.9 डिग्री सेल्सियस रहा था। मौसम विभाग का

अनुमान है कि शुक्रवार को बादलों की आवाजाही बनी रहेगी। जबकि, कुछ स्थानों पर हल्की बूंदाबांदी की हो सकती है। अगले चार-पांच दिन गर्मी से राहत मिलेगी। तापमान 40 से नीचे रहने की संभावना है।

हवा भी साफ-सुथरी : बूंदाबांदी और तेज हवा का असर वायु गुणवत्ता पर भी पड़ा है। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के मुताबिक, गुरुवार को दिल्ली का औसत वायु गुणवत्ता सूचकांक 154 के अंक पर यानी मध्यम श्रेणी में रहा। मुंडका में सूचकांक 200 के पार यानी हवा खराब श्रेणी में रही।

बिपरजॉय से गुजरात में तबाही; 2 की मौत, 22 घायल, अहमदाबाद में तेज बारिश

राजस्थान की तरफ बढ़ा, लेकिन कमजोर हुआ

नई दिल्ली। बिपरजॉय तूफान के जखौ तट से टकराने के बाद गुजरात में भारी नुकसान हुआ। इसका असर कच्छ-सौराष्ट्र 8 जिलों में रहा। यह अपने पीछे भारी तबाही छोड़ हो गया। जगह-जगह पेड़ और खंभे गिर गए। तूफान के कारण भावनगर में 2 लोगों की मौत हुई। 22 से ज्यादा लोग घायल हुए हैं। गुजरात में चक्रवात का असर अभी भी बना हुआ है। कच्छ में मांडवी, नलिया, नारायण सरोवर, जाखौ बंदर, मुंद्रा और गांधीधाम, अहमदाबाद समेत पूरे राज्य में तेज बारिश हो रही है। 90 से 125 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से हवाएं चल रही हैं। पूरे मांडवी में 18 घंटे से बिजली नहीं है। इससे लोग परेशान हैं। पिछले 24 घंटों में कच्छ में 2 से 7 इंच बारिश हुई है।

गुरुवार शाम साढ़े छह बजे जखौ तट से टकराया था तूफान

बिपरजॉय तूफान गुरुवार शाम साढ़े छह बजे कच्छ के जखौ तट से टकराया था। लैंडफॉल आधी रात तक चला। इस दौरान हवाओं की रफ्तार 115 से 125 किमी प्रति घंटे रही। इससे पहले कच्छ, द्वारका, पोरबंदर, जामनगर, राजकोट, जूनागढ़ और मोरबी समेत तटीय इलाकों में तेज हवाओं के साथ भारी बारिश हुई। अब यह उत्तर- दक्षिण राजस्थान की तरफ बढ़ रहा है।

अब आगे क्या... राजस्थान की तरफ बढ़ रहा-गुजरात से गुजरने के बाद यह राजस्थान में एक डिप्रेशन वाले मौसमी सिस्टम की तरह प्रवेश करेगा। इस दौरान कई इलाकों में 10 से 20 सेमी तक बारिश होने के आसार हैं। मौसम विभाग के मुताबिक, गुजरात के साथ दक्षिण-पश्चिम राजस्थान के कई इलाको में शुक्रवार को भारी बारिश होगी। ऐसा अनुमान है कि शुक्रवार दोपहर तक तूफान कमजोर पड़ जाएगा। हालांकि शनिवार को भी इसका असर राजस्थान में देखा जा सकता है। रविवार को पूर्वी राजस्थान, उससे सटे हरियाणा, मध्य प्रदेश और उत्तर प्रदेश के कुछ हिस्सों में बारिश हो सकती है।

बाड़मेर-जालोर में आज रेड अलर्ट, कई इलाकों में 20 मिमी बारिश-मौसम विभाग के मुताबिक, इस तूफान ने राजस्थान में एंट्री डिप्रेशन के रूप में प्रवेश किया है। सबसे ज्यादा समय तक पाकिस्तान-गुजरात की सीमा के पास बाड़मेर में रहेगा। यह शुक्रवार देर शाम तक बालोतरा, जोधपुर की सीमा तक आकर कमजोर पड़ सकता है।

दिल्ली में रिंग रोड से आने-जाने वालों के लिए गुड न्यूज, जुलाई में दूर होगी समस्या

नई दिल्ली। राजधानी दिल्ली में इस साल होने वाले जी-20 समिट के आयोजन को लेकर कई स्थानों पर सड़कों और पार्कों का सौंदर्यीकरण किया जा रहा है। मथुरा रोड से जुड़ा काम लगभग पूरा हो चुका है, लेकिन रिंग रोड पर काम की गति धीमी है, जिसको लेकर विभाग ने निर्माण एजेंसी को काम में तेजी लाने और 15 जुलाई से पहले काम पूरा करने का निर्देश दिया है। फिलहाल, सराय काले खां से आईपी एस्टेट थाने तक रिंग रोड के दोनों तरफ फुटपाथ का सौंदर्यीकरण किया जा रहा है। इसके लिए फुटपाथ की टाइल्स और पत्थरों को बदलने का काम चल रहा है। टूटी दीवारों की भी मरम्मत हो रही है। बताया जा रहा है कि यह काम अब तक पूरा हो जाना था, लेकिन एक हिस्से में भैरव मार्ग को रिंग रोड से जोड़ने के लिए अंडरपास बनाने का काम चल रहा है। इस कारण उस हिस्से में काम शुरू नहीं हो पाया। दूसरे कुछ हिस्सों में अतिक्रमण और अन्य कारणों से रुकावट पैदा हुई, जिसके चलते काम पिछड़ता चला गया। अब काम पूरा करने की समयसीमा निर्धारित कर दी गई। उधर, रिंग रोड पर प्रगति मैदान निकाली के कुछ हिस्से में हरियाली भी विकसित की जानी है। इसका काम भी जुलाई के पहले सप्ताह तक पूरा करने को कहा गया है। ध्यान रहे कि बीते वर्ष जून में प्रधानमंत्री ने प्रगति मैदान टनल और उसके साथ पांच अंडरपास को लोकार्पण किया था। उस वक्त कहा गया था कि भैरव मार्ग से रिंग रोड को जोड़ने वाले छठे अंडरपास को अगस्त 2022 तक खोल दिया जाएगा।

अंडरपास भी जल्द खोलने के निर्देश-बताया जा रहा है कि पीडब्ल्यूडी विभाग ने भैरव मार्ग को रिंग रोड से जोड़ने के लिए बनाए जा रहे अंडरपास को भी जुलाई मध्य तक तैयार कर खोलने का निर्देश दिया है। निर्माण एजेंसी से कहा है कि अंडरपास का काम बीते साल ही पूरा होना था, लेकिन अब इसमें और देरी नहीं की जा सकी है।

मणिपुर में केंद्रीय मंत्री के घर में भीड़ ने लगाई आग, पेट्रोल बम से हुआ हमला

इंफाल। मणिपुर में इन दिनों हिंसा के कई मामले सामने आ रहे हैं। भीड़ ने गुरुवार देर रात केंद्रीय विदेश राज्य मंत्री आरके रंजन सिंह के इंफाल के कोंगबा स्थित आवास में आग लगा दी। मणिपुर सरकार ने इसकी जानकारी दी है। विदेश राज्य मंत्री ने न्यूज एजेंसी एएनआई से बात करते हुए कहा, मैं इस समय आधिकारिक काम के लिए केरल में हूं। शुक्र है कि कल रात मेरे घर में कोई घायल नहीं हुआ। बदमाश पेट्रोल बम लेकर आए थे और मेरे घर के ग्राउंड फ्लोर और पहली मंजिल को नुकसान पहुंचाया गया है। उन्होंने हिंसा पर चिंता जताते हुए कहा कि मेरे गृह राज्य में जो हो रहा है उसे देखकर बहुत दुख होता

है। मैं अब भी शांति की अपील करता रहूंगा। इस तरह की हिंसा में लिप्त लोग बिल्कुल अमानवीय हैं। घटना कोंगा नंदीबाम लेकाई इलाके में रात करीब 10 बजे हुई। दमकल कर्मी और सुरक्षा बल मौके पर पहुंचे और आग पर काबू पाया। घर और कुछ खड़ी गाड़ियों को नुकसान पहुंचा। राहत की बात यह है कि इस घटना में कोई घायल नहीं हुआ।

पहले भी हो चुके हैं नेताओं के घर हमले -यह दूसरी बार है जब केंद्रीय मंत्री के घर पर हमला किया गया है। इससे पहले 23 मई को भी भीड़ ने उनके आवास पर धावा बोल दिया था। इलाके में मौजूद सुरक्षाकर्मियों ने हवा में गोलियां चलाकर बदमाशों को तितर-बितर करने में कामयाबी हासिल की थी। मणिपुर में तीन मई से मेइतेई और कुकी समुदायों के बीच जातीय संघर्ष में 115 लोगों की जान चली गई है। 300 से अधिक घायल हो गए हैं। बुधवार को मणिपुर में एन बीरेन सिंह सरकार में मंत्री के आधिकारिक आवास को भी अज्ञात बदमाशों ने जला दिया था। कांगपोकपी से भाजपा विधायक नेमचा किपगेन राज्य की उद्योग मंत्री हैं।

भारत के दुश्मनों की खैर नहीं, अमेरिका से मिलेंगे जवाहिरी और सुलेमानी को मार गिराने वाले ड्रोन

नई दिल्ली। पीएम नरेंद्र मोदी के अमेरिका दौरे से पहले ही दोनों देशों के बीच दोस्ती की नई कहानी लिखी जाने लगी है। इस बीच भारत ने एक डिफेंस करार अमेरिका से किया है, जिसके तहत उसे MQ-9B प्रीडेटर ड्रोन मिलेंगे। इन ड्रोन्स की खासियत यह है कि ये टारगेट को सेट करके मार देते हैं। इनका सर्विलांस सिस्टम दुनिया में सबसे बेहतर माना जाता है। इसके चलते दुश्मनों को खोजकर और उनके ठिकाने में इनके जरिए मारना आसान है। इन ड्रोन्स की ताकत को इससे भी समझा जा सकता है कि अमेरिका ने काबुल की एक गली में घुसकर अलकायदा के सरगना अयमान अल-जवाहिरी को इसी से मारा था। इसके अलावा ईरानी सेना के कमांडर रहे कासिम सुलेमानी को भी अमेरिका ने इसी ड्रोन के जरिए इराक में मारा था। इन ड्रोन्स के जरिए समुद्री क्षेत्र में निगरानी करना बेहद आसान होगा। ये ड्रोन्स 30 घंटे तक किसी भी मौसम में लगातार उड़ सकते हैं। अमेरिकी कंपनी जनरल एटॉमिक्स से भारत सरकार इन्हें खरीद रही है। कंपनी की वेबसाइट पर इन ड्रोन्स के बारे में बताया गया है कि ये सिविल एयर स्पेस, जॉइंट फोर्सेज के अभियान और समुद्री

क्षेत्र में भी एक समान रफ्तार से उड़ सकते हैं और दुश्मन पर वार कर सकते हैं।

युद्ध, आपदा और सर्विलांस सब में आएगा काम

दुश्मन पर हमले और नजर रखने के अलावा इनके जरिए किसी आपदा में मानवीय सहायता पहुंचाने, सर्च और रेस्क्यू ऑपरेशन चलाने में भी मदद मिल सकती है। यही नहीं समुद्र में पनडुब्बियों पर हमला करने में भी ये सक्षम हैं। भारत के अलावा क्वाड देशों में शामिल जापान और ऑस्ट्रेलिया के पास भी ये ड्रोन रहे हैं। एक्सपर्ट्स मानते हैं कि इन ड्रोन्स के जरिए नेवी को बड़ी ताकत मिलेगी। उसे समुद्री क्षेत्रों में दुश्मन की हर गतिविधि पर नजर रखने में मदद मिलेगी। इसके अलावा जरूरत के वक्त युद्ध अभियानों में भी इनका इस्तेमाल हो सकेगा।

सेनाओं को मिलेंगे कुल 30 ड्रोन, वायुसेना को 8

सूत्रों का कहना है कि भारत ने कुल 30 ड्रोन्स के लिए डील की है। इनमें से 14 ड्रोन नेवी को मिलने हैं, जबकि 8-8 थल सेना और वायुसेना को मिलने हैं। अमेरिकी सेना ने इन ड्रोन्स का इस्तेमाल करते हुए अफगानिस्तान में 230 किलो विस्फोटक से दुश्मन के 16 ठिकानों को ध्वस्त कर दिया था। इन ड्रोन्स के भी दो स्वरूप हैं, सी गार्डियन और स्काई गार्डियन।

तमिलनाडु के पूर्व डीजीपी को 3 साल की सजा

– महिला आईपीएस अफसर का यौन उत्पीड़न करने के दोषी डीजीपी

चेन्नई । तमिलनाडु के पूर्व पुलिस महानिदेशक राजेश दास को साथी महिला आईपीएस अधिकारी का यौन उत्पीड़न करने के मामले में शुक्रवार को तीन साल के कैद की सजा सुनाई गई। विल्लुपुरम की एक अदालत ने निलंबित आईपीएस अधिकारी को एक महिला अधिकारी का यौन उत्पीड़न करने का दोषी ठहराया और तीन साल के सश्रम कारावास की सजा सुनाई। महिला आईपीएस अधिकारी ने फरवरी 2021 में वरिष्ठ अधिकारी के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई थी, जिसमें आरोप लगाया गया था कि अधिकारी ने तत्कालीन मुख्यमंत्री एडप्पादी के पलानीसामी की सुरक्षा के लिए ड्यूटी पर यात्रा करते समय यौन उत्पीड़न किया था। फरवरी 2021 में तमिलनाडु राज्य में उस वक्त हड़कंप मच गया, जब अन्नाद्रमुक सरकार में तत्कालीन सीएम एडप्पादी के पलानीस्वामी की सुरक्षा के लिए ड्यूटी पर तैनात राजेश दास पर महिला आईपीएस ने यौन उत्पीड़न का आरोप लगाया। सरकार ने तुरंत एक्शन लिया और दास को नौकरी से निलंबित कर जांच के लिए छह सदस्यीय समिति का गठन किया। मामले में कोर्ट में सुनवाई के दौरान अभियोजन टीम के एक सदस्य ने कहा कि अभियोजन पक्ष ने पुलिस कर्मियों सहित 68 लोगों के बयान दर्ज किए थे। अधिकारी अपील कर सकता है और तत्काल जमानत मांग सकता है। यह मुद्दा 2021 में एक चुनावी मुद्दा बन गया था और विपक्ष के तत्कालीन नेता एमके स्टालिन ने सत्ता में आने पर उचित कानूनी प्रक्रिया और सजा का आश्वासन दिया था।

एक शख्स ने लगा दिया औरंगजेब का स्टेटस तो लातूर में मचा बवाल, आरोपी गिरफ्तार

लातूर। महाराष्ट्र में मुगल शासक औरंगजेब को लेकर विवाद शहर-दर-शहर फैल रहा है। औरंगजेब का स्टेटस लगाने पर कोल्हापुर और अहमदनगर में बीते सप्ताह बवाल हुआ था और अब ऐसा ही मसला लातूर में खड़ा हो गया है। लातूर के किल्लारी गांव के एक शख्स ने औरंगजेब को लेकर एक स्टेटस लगा दिया था। इसे लेकर विवाद खड़ा हो गया है और गुरुवार को हिंदू संगठनों ने विरोध में मार्च निकाला। कई जगहों पर दुकानों को भी बंद करा दिया, जिसके बाद प्रशासन को दखल देना पड़ा। पुलिस ने स्टेटस लगाने वाले शख्स को शिकायत के बाद अरेस्ट भी कर लिया है। औरंगजेब की तस्वीर को सोशल मीडिया पर लगाने को हिंदू संगठनों ने भावनाएं आहत करने वाला बताया है। फिलहाल पुलिस ने हिंदू संगठनों के लोगों से बात की है और मामले को शांत कराया है। हिंदू संगठनों का कहना है कि औरंगजेब की प्रशंसा को स्वीकार नहीं किया जाएगा। शिवाजी को आदर्श मानने वाले महाराष्ट्र में औरंगजेब की प्रशंसा करने वालों को बर्दाश्त नहीं करेंगे। दरअसल, क्रूर शासक के तौर पर पहचान रखने वाला औरंगजेब महाराष्ट्र में संवेदनशील मसला रहा है। महाराज शिवाजी से उसका मुकाबला हुआ था। शिवाजी को आदर्श मानने वाले मराठा समाज के लोग औरंगजेब की प्रशंसा पर नाराज होते रहे हैं। इस मामलें में देवेंद्र फडणवीस ने कोल्हापुर वाली घटना पर तीखा जवाब दिया था। डिप्टी सीएम ने कहा था कि आखिर महाराष्ट्र में अचानक से औरंगजेब की औलादें कैसे पैदा हो गई हैं। औरंगजेब के अलावा टीपू सुल्तान के स्टेटस पर भी विवाद हुआ था। फडणवीस ने कहा था कि महाराष्ट्र में औरंगजेब के बच्चों का अचानक ही जन्म हुआ है। इसकी वजह से समाज में वैमनस्य पैदा हो रहा है। तनाव हो रहा है। सवाल यह है कि अचानक से औरंगजेब की संताने कहां से पैदा हो गई हैं। सीएम एकनाथ शिंदे ने भी इस मामले में सख्त कार्रवाई का आदेश दिया था।

जुलाई में चंद्रयान-3 मिशन लांच करेगी इसरो

नई दिल्ली । भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) ने चंद्रमा के लिए चंद्रयान-3 मिशन की ताजा तस्वीरें जारी की हैं। इसरो लांच व्हिकल के साथ मिशन के इंटीग्रेशन पर काम कर रही है। चंद्रयान-3 मिशन जियोसिंक्रोनस लांच व्हीकल मार्क-3 पर लांच होगा, जो भारत का सबसे भारी रॉकेट है। चंद्रयान-3 में एक स्वदेशी लैंडर मॉड्यूल (एलएम), एक प्रपोल्शन मॉड्यूल (पीएम) और एक रोवर शामिल है, जिसका उद्देश्य अंतर्ग्रहीय मिशनों के लिए आवश्यक नई तकनीकों को विकसित और प्रदर्शित करना है। इसरो प्रमुख एस सोमनाथ ने कहा है कि अंतरीक्ष एजेंसी 12 से 19 जुलाई के बीच चंद्रयान-3 मिशन लांच करने की कोशिश करेगी, जब कक्षीय गतिशीलता चंद्रमा की यात्रा में न्यूनतम ईंधन और उच्च दक्षता सुनिश्चित करेगी। इसरो ने कहा कि लैंडर मॉड्यूल के पास एक निर्दिष्ट चंद्र स्थल पर सॉफ्ट लैंड करने और रोवर को तैनात करने की क्षमता होगी, जो अपनी गतिशीलता के दौरान चंद्रमा की सतह के इन-सीटू रासायनिक विश्लेषण को अंजाम देगा।

तूफान से एक दिन के नवाजात शिशु को महिला पुलिस ने बचाया

-विधायक ने सोशल मीडिया पर ट्वीट किया वीडियो

गांधीनगर । गुजरात में साइक्लोन बिपरजॉय के कारण मची भीषण तबाही के बीच सुरक्षा और बचाव के काम में लगी एजेंसियों के लोगों की जान पर खेलकर आम लोगों को सुरक्षित जगहों पर पहुंचाने की घटनाएं भी देखने को मिल रही हैं। गुजरात के बरदा डूंगर में केवल चार दिन पहले एक बच्चे को जन्म देने वाली मां को राज्य की पुलिस ने सुरक्षित जगह पर भेजा। इस दौरान महिला पुलिस कर्मी को उस नवजात शिशु को अपने हाथों में संभालकर ले जाते देखा गया। गुजरात के वन और पर्यावरण मंत्री मुलु अयर बेरा ने घटना के वीडियो को ट्वीट किया। वीडियो में महिला पुलिसकर्मी को एक नवजात शिशु को गोद में लिए देखा जा सकता है। जबकि बच्चे की मां और कई अन्य महिलाओं को उनके साथ सुरक्षित जगह पर जाते देखा जा सकता है। विधायक बेरा ने वीडियो के साथ ट्वीट किया कि 'भंवड़ का प्रशासन सेवा के जरिये सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए सतर्क है। जबकि गुजरात पुलिस महानिदेशक के ऑफिशियल ट्विटर हैंडल ने वीडियो को रीट्वीट कर कहा कि 'अगर आप ग्गुजरात पुलिस के साथ हैं, तब आप बिल्कुल सुरक्षित हाथों में हैं। गौरतलब है कि चक्रवात बिपरजॉय के कारण गुजरात में कम से कम दो की मौत हो गई और 22 लोग घायल हो गए। जबकि तूफान के कारण बिजली के कई खंभे और पेड़ उखड़ गए। गुजरात में तट से टकराने के बावजूद चक्रवात बिपरजॉय बहुत धीमी गति से चलने वाले बहुत बड़े तूफान में बदल गया है। करीब छह घंटे के बाद भी बिपरजॉय के असर से बारिश हो रही है। जबकि तूफान सामान्य रूप से जल्दी कमजोर हो जाते हैं।

मोदी सरनेम मामले में राहुल गांधी ने कोर्ट से मांगी 15 दिन की मोहलत

रांची । मोदी सरनेम वाले लोगों पर कांग्रेस नेता और पूर्व सांसद राहुल गांधी की टिप्पणी से जुड़े मानहानि केस में रांची की विशेष एमपी-एमएलए कोर्ट में सुनवाई हुई। एमपी-एमएलए कोर्ट ने राहुल गांधी को शुक्रवार को हाजिर होने का नोटिस जारी किया था, लेकिन उनके अधिवक्ता प्रदीप चंद्रा ने अदालत से सुनवाई के लिए पंद्रह दिनों का वक्त मांगा। उन्होंने अदालत को बताया कि राहुल गांधी के सशरीर हाजिर होने के आदेश को हाईकोर्ट में चुनौती दी गई है। इसके पहले बीते 23 मई को हुई सुनवाई के दौरान भी राहुल के अधिवक्ता के आग्रह पर अदालत ने तीन हफ्ते का वक्त दिया था। बता दें कि विशेष एमपी-एमएलए कोर्ट ने राहुल गांधी द्वारा दाखिल व्यक्तिगत उपस्थिति से छूट की अर्जी को पहली ही खारिज कर दिया है। यह केस रांची के रहने वाले प्रदीप मोदी ने दाखिल किया था। इसमें कहा गया है कि पिछले लोकसभा चुनाव के दौरान राहुल गांधी रांची में चुनावी सभा को संबोधित करने आए थे, तब उन्होंने मोदी सरनेम वाले लोगों पर टिप्पणी की थी। प्रदीप मोदी का कहना है कि इससे उनके अलावा पूरे समाज की भावनाएं आहत हुई हैं। यह मानहानि का मामला है।

ममता के संरक्षण में बंगाल में हो रहा है हिंसा का तांडव: भाजपा

ममता सरकार दमनकारी सरकार बन गई

नई दिल्ली (एजेंसी)। भाजपा ने पश्चिम बंगाल में पंचायत चुनाव को लेकर हुई हिंसा के लिए मुख्यमंत्री ममता बनर्जी को जिम्मेदार ठहराते हुए कहा है कि ममता के संरक्षण में प्रदेश में टीएमसी के द्वारा हिंसा का तांडव हो रहा है। जनता टीएमसी को उसी तरह सबक सिखाएगी जैसे कम्युनिस्ट पार्टियों को सिखाया था। राष्ट्रीय प्रवक्ता सुधांशु त्रिवेदी ने पंचायत चुनाव के दौरान पार्टी कार्यकर्ताओं पर जानलेवा हमले की 25 से 30 घटनाओं की सूची होने का दावा किया। उन्होंने कहा कि ममता सरकार और पुलिस, जिस तरह से बर्ताव कर रही है, तब भारत के लोकतांत्रिक और चुनावी इतिहास में एक बहुत ही काला अध्याय है।

राज्य चुनाव आयोग की भूमिका पर सवाल उठाकर उन्होंने कहा कि नामांकन के अंतिम दिन बंगाल के 341 ब्लॉक में टीएमसी के 40 हजार से ज्यादा नेताओं ने नामांकन किया। इसके अलावा लेफ्ट दलों, कांग्रेस और भाजपा के कार्यकर्ताओं ने भी नामांकन किया। यानी एक व्यक्ति के नामांकन जांच पर औसतन 2 मिनट का समय आया। जबकि, 2 मिनट में नामांकन पत्र की जांच करना संभव ही नहीं है। इस गति से हुए नामांकन दर्शाते हैं कि ममता सरकार ने किस तरह से व्यवस्था को अपने हाथ में लिया हुआ है।

भाजपा नेता त्रिवेदी ने ममता को उनके संघर्ष के दौर की याद दिलाकर कहा कि उन्होंने स्वयं कम्युनिस्ट सरकार की हिंसा के खिलाफ संघर्ष किया था और उस समय भाजपा ने उनका साथ दिया था। आज ममता सरकार दमनकारी सरकार बन गई है। लेकिन, लोकतंत्र में जनता मालिक है। जनता ने कम्युनिस्ट सरकार को भी सबक सिखाया था और जनता टीएमसी को भी सबक सिखाएगी।

त्रिवेदी ने राष्ट्रीय स्तर पर ममता के साथ खड़े होने वाले और मोदी सरकार पर लोकतंत्र को खत्म करने का आरोप लगाने वाले विपक्षी दलों पर भी निशाना साधा। उन्होंने सवाल पूछा कि, लोकतंत्र का, हिंसा से घायल जो स्वरूप आज पश्चिम बंगाल में दिख रहा है, जो ममता मां, माटी, मानुस की बात करती थीं, आज उनके दौर में बंगाल में भारत मां के विरुद्ध शक्तियां खड़ी हो रही हैं, माटी खून से सनी है और मनुष्यता पूरी तरह से व्यथित और कलंकित नजर आ रही है। क्या इस हालात को देखकर भी, इन विपक्षी दलों को लोकतंत्र को लेकर कोई समस्या नजर नहीं आ रही है। उन्होंने पंचायत चुनावों के दौरान हो रही हिंसा की निंदा करते हुए मुख्यमंत्री ममता बनर्जी और राज्य चुनाव आयोग, दोनों से नैतिकता के साथ अपने-अपने संवैधानिक दायित्वों को पूरा करने की बात भी कही। उन्होंने कहा कि घृणा, हिंसा और जानलेवा हमले के बावजूद भाजपा के 50 हजार से अधिक कार्यकर्ताओं ने पंचायत चुनाव में अपना नामांकन किया है।

पार्टी के पास सांसदों के कामकाज की जानकारी है, इसलिए वे अपने रवैये को बदलें : जेपी नड्डा

नई दिल्ली । अपने समर्पित कार्यकर्ताओं और नेताओं के बल पर कुछ सालों में देश भर में बड़े-बड़े अभियान चलाने वाली भाजपा को अब एक अजीब सी स्थिति का सामना करना पड़ रहा है। 2024 का लोकसभा चुनाव नजदीक है। इस चुनाव के मद्देनजर पार्टी के पक्ष में माहौल बनाने के लिए भाजपा 30 मई से 30 जून के बीच देशभर में विशेष जनसंपर्क अभियान चला रही है। पार्टी अध्यक्ष नड्डा ने स्वयं पिछले महीने पार्टी सांसदों के साथ बैठक कर उन्हें सीधे जनता से मोदी सरकार के कामकाज का फीडबैक लेकर पार्टी आलाकमान तक पहुंचाने का निर्देश दिया था, लेकिन बताया जा रहा है कि भाजपा के कई सांसद न तो पार्टी के अभियान को गंभीरता से ले रहे हैं और न ही पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष नड्डा के निर्देश को।

सांसदों के रवैये से नाराज भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा ने गुरुवार शाम को एक बार फिर पार्टी सांसदों के साथ वर्चुअली बैठक की। इसमें उन्होंने पार्टी कार्यक्रम में दिलचस्पी नहीं लेने वाले सांसदों को फटकार लगाते हुए यहां तक कह दिया कि पार्टी की नजरें ऐसे सांसदों पर बनी हुई है। इशारा बिल्कुल साफ था कि सक्रिय रहकर पार्टी कार्यक्रमों में शामिल होइए, अपने कामकाज की रिपोर्ट दीजिए या फिर 2024 में बदलाव के लिए तैयार रहिए।

सूत्रों के अनुसार सांसदों के साथ बैठक में विशेष जनसंपर्क अभियान में सांसदों की भागीदारी की समीक्षा के दौरान नड्डा के सामने यह तथ्य उभरकर सामने आया कि कई सांसद न तो पार्टी द्वारा तय कार्यक्रमों में शामिल हो रहे हैं, न ही उनके निर्देशानुसार अपने स्वयं द्वारा चलाए जा रहे कार्यक्रमों की जानकारी पार्टी को दे रहे हैं। सांसदों के इस रवैये पर कड़ी नाराजगी जताते हुए भाजपा अध्यक्ष ने कहा कि पार्टी के पास सभी सांसदों के कामकाज की जानकारी है, इसलिए वे अपने रवैये को बदलते हुए पार्टी कार्यक्रमों में सक्रिय रूप से शामिल हो। नड्डा ने यह भी कहा कि मोदी सरकार के 9 साल पूरे होने पर देशभर में चलने वाला अभियान 29 जून तक चलना है, इसलिए बचे हुए दिनों में सांसद पार्टी द्वारा निर्धारित कार्यक्रमों में सक्रिय रूप से शामिल हो और अपने द्वारा चलाए जा रहे अभियान की जानकारी भी पार्टी के साथ साझा करें।

ब्रिटेनमें बोलीं दिल्ली की शिक्षा मंत्री, भारत में 35 करोड़ लोग भूखे रह रहे, भाजपा का पवटवार

नई दिल्ली (एजेंसी)। आप नेता और दिल्ली की मंत्री आतिशी ने यूनाइटेड किंगडम में 'एजुकेशनः बिल्डिंग इंडियाज फ्यूचर एट 100' शीर्षक से कैब्रिज यूनियन के भारत सम्मेलन को संबोधित करते हुए एक ऐसी बात कही है जिससे बवाल बढ़ गया है। अपने बयान में उन्होंने कहा कि 2020 से 2022 के बीच भारत में अरबपतियों की संख्या बढ़ी है। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि भारत में भूखे लोगों की संख्या 2020 में 19 करोड़ से बढ़कर 2022 में 35 करोड़ हो गई है। अब इसी पर भाजपा आक्रामक हो गई है।।

आतिशी ने क्या कहा

आतिशी ने कहा कि हमें बताया गया है कि भारत में बढ़ते अरबपतियों की संख्या सबसे अधिक है। उन्होंने कहा कि 2020 से 2022 के बीच अरबपतियों की संख्या 102 से बढ़कर 166 हो गई। लेकिन एक और आंकड़ा है जो 2020 से 2022 तक बढ़ा और वह है देश में भूखे लोगों की संख्या जिनके पास भोजन नहीं है। दिल्ली में आप के शिक्षा मंत्री ने मानव विकास सूचकांक में भारत की रैंकिंग के बारे में भी बात की और इसकी तुलना पड़ोसी देशों भूटान, श्रीलंका और बांग्लादेश से की। उन्होंने कहा कि मानव विकास सूचकांक सकल घरेलू उत्पाद की तुलना में एक बेहतर संकेतक था और कहा कि भारत सूची में 132 स्थान पर था और भारत के पड़ोसी मानव विकास सूचकांक में भारत से आगे थे।

भाजपा का पलटवार

केंद्रीय मंत्री हरदीप पुरी ने कहा कि दो युवा नेता हैं। उनमें से एक (राहुल गांधी) अमेरिका जाता है और वहां पहुंचकर वह भारत में अल्पसंख्यकों की स्थिति को याद करने लगता है। 1983 में जब वह 13 साल के थे, तब असम में नेली नरसंहार में कुल 2000 लोग मारे गए थे। जब वह 14 वर्ष के थे, तब सिखों पर अत्याचार हुए। उन्होंने कहा कि एक अन्य नेता (आतिशी) इंग्लैंड जाता है और कहता है कि भारत में 35 करोड़ लोग भूखे मर रहे हैं। पीएम मोदी 80 करोड़ लोगों को मुफ्त राशन मुहैया करा रहे हैं। हमें उन पर ध्यान देना बंद कर देना चाहिए। भाजपा की ओर से एक ट्वीट कर कहा कि विपक्षी दल भाजपा का विरोध करते करते राजनीति के लिए इस स्तर तक गिर चुके हैं कि वह अब देश का विरोध करने लगे हैं। आगे बढ़ता भारत भी इन्हें रास नहीं आ रहा। राहुल गांधी से लेकर आतिशी मार्लेना तक देश विरोधियों की लिस्ट लंबी होती जा रही है!

जीतन राम मांझी पर नीतिश का हमला, बीजेपी के लिए जासूसी कर रहे

-बैठक में हुई हर बात बीजेपी नेताओं को बताते थे

पटना (एजेंसी)। हिन्दुस्तानी आवाम मोर्चा के संस्थापक और पूर्व सीएम जीतन राम मांझी के बेटे संतोष सुमन के राज्य मंत्रिमंडल से बाहर होने के बाद पहली बार मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने कहा कि अच्छा हुआ वह अलग हो गए। वह बीजेपी वालों के साथ मिलने जा रहे थे। नीतिश ने कहा, वह मीटिग में रहते और बीजेपी को खबर देते थे।

बता दें कि इसके पहले मांझी ने बेटे सुमन के कैबिनेट से इस्तीफा देने के बाद अपनी चुप्पी तोड़कर कहा था कि आठ साल से अधिक समय पहले उन्हें इस्तीफा देने के लिए मजबूर किए जाने का भी जिक्र किया। आठ साल से अधिक समय पहले मांझी के मुख्यमंत्री पद से हटने के बाद ही जनता दल यूनाइटेड (जदयू) के प्रमुख नीतीश कुमार सत्ता में लौटे थे।

नीतीश कुमार ने कहा कि हम लोगों डिसाइड किया था कि बीजेपी से हम अलग हो जाएंगे आप लोग को पता है ना कि जब हमारे लोगों को बीजेपी के नेता सपोर्ट नहीं करते थे। 2014 में हमने रिजाइन कर दिया था। आपको याद है ना और हमने अपनी जगह जीतन जी को मुख्यमंत्री बना दिया था।

उन्होंने कहा कि जीतन मांझी बीजेपी के लोगों से मिल रहे थे। उसके बाद हमारे यहां भी आकर कह रहे थे कि यह हुआ वह हुआ। यह सब बात हम जानते ही थे। हमने साफ कह दिया था कि हमने आपको बनाया है या आप अपनी पार्टी को मर्ज कीजिए और नहीं होना है, तब अलग हो जाए।

नीतीश कुमार ने कहा कि मीटिंग होती है, तब यह लोग अगर उस मीटिंग में होते है, तब जो अंदर होता है उसकी खबर बीजेपी को होती। इसीलिए हमने कहा कि या आप मर्ज करिए या अलग हो जाइए।

कबाड़ उठाने वाले के नाम पर ढाई सौ करोड़ की कर चोरी

कानपुर (एजेंसी)। यूं तब टैक्स चोरी और नकली बिल बनाकर जीएसटी में धांधली करना कोई नई बात नहीं है, लेकिन कानपुर डिवीजन की इनकम टैक्स टीम ने एक गिरोह का पर्दाफाश किया है, जो गरीब तबके के लोगों का सहारा लेकर जीएसटी और इनकम टैक्स की बड़ी चोरी कर रहा था। सूत्रों के मुताबिक इस पूरे गिरोह का मास्टरमाइंड कानपुर में भूसा टोली इलाके में ही काम करता है। अभियुक्त कबाड़ मंडी में मौजूद स्क्रैप, बैटरी डीलर एवं अन्य व्यापारियों को फर्जी बिल सप्लाई करता था। इन फर्जी बिलों में वह जिन लोगों से सामान की खरीद दिखाता था वह और कोई नहीं बल्कि रिक्शेवाले और कबाड़ उठाने वाले जैसे गरीब लोग थे। जिसके बाद फर्जी आईटीसी क्लेम और जीएसटी में रिबेट भी लेते थे। इस पूरे काम के लिए अभियुक्त ने कई सौ कबाड़ वालों और रिक्शे वालों के नाम पर कई फर्म खोली। बैंक में फर्जी पाते देकर खाता खुलवाया और उनसे उनकी चेक बुक पर साइन ले लिए। बैंक की डिटेल्स और एटीएम कार्ड अपने पास रख लिया। जिसके बदले में उन सभी गरीब लोगों को महीने 10000 रुपये देने का वादा किया। इन्हीं के बैंक खातों में पेमेंट की जाती थी और फिर चेक के जरिए वहीं पेमेंट वापस निकाली जाती थी। ऐसा करके अभियुक्त ने ढाई सौ करोड़ से ज्यादा की ट्रांजैक्शन कर डालें और एजेंसी को 80 करोड़ के ऊपर का चूना लगा डाला। इनमें से कई लोग हैं, जिन्हें 10,000 रुपये दिए जाने का वादा किया गया था, लेकिन कुछ समय बाद उन्हें वह भी मिलना बंद हो गया।

श्रीरामचरितमानस को मस्जिद में बैठकर लिखा गया, इतिहास उठाकर देख लीजिए: विधायक रीतलाल यादव

– बिहार के शिक्षा मंत्री के बाद अब आरजेडी के बाहुबली विधायक के बिगड़े बोल

पटना (एजेंसी)। बिहार में श्रीरामचरितमानस को लेकर फिर से विवाद शुरू हो गया है। शिक्षा मंत्री चंद्रशेखर के बाद अब आरजेडी के बाहुबली विधायक रीतलाल यादव ने श्रीरामचरितमानस को लेकर विवादित बयान दिया है। उन्होंने कहा कि श्रीरामचरितमानस को मस्जिद में बैठकर लिखा गया था, इतिहास उठाकर देख लीजिए। इस पर बीजेपी ने आपत्ति जताई है। इससे पहले नीतीश सरकार में आरजेडी कोटे से मंत्री चंद्रशेखर ने श्रीरामचरितमानस को नफरत फैलाने वाला ग्रंथ करार दिया था, जिस पर जमकर सियासी बखेड़ा हुआ था।

पटना के दानापुर से आरजेडी विधायक रीतलाल यादव ने हाल ही में मीडिया से बातचीत में कहा कि बीजेपी के लोग एक-दूसरे को लड़ाने में लगे हुए हैं। उन्होंने कहा कि ऐसा कब तक चलेगा। अभी लोग राम मंदिर की चर्चा करते हैं। एक समय था जब श्रीरामचरितमानस को मस्जिद में लिखा गया था। इतिहास उठाकर देखिए, उस वक्त हमारा हिंदुत्व खतरे में नहीं पड़ा? एक मुस्लिम की लड़की जब भागवत कथा के लिए पुरस्कार जीतती है, तो लोग कुछ नहीं बोलते। जब हमारा देश गुलाम था, उस वक्त मुसलमान को देश से भगा देना चाहिए था। बीजेपी को अपनी पार्टी से मुस्लिम लोगों को भी निकाल देना चाहिए।

उल्लेखनीय है कि रीतलाल यादव का नाम बिहार के बाहुबली नेताओं में आता है। उनके खिलाफ हत्या, रंगदारी समेत कई गंभीर आपराधिक मामले दर्ज हैं। रीतलाल यादव के इस बयान के बाद बिहार के सियासी गलियारे में घमासान मच गया है। बीजेपी ने इस पर आपत्ति जताई है। बीजेपी नेता अरविंद सिंह ने बयान जारी कर कहा कि श्रीरामचरितमानस को तुलसीदासजी ने कहां बैठकर लिखा, यह सब लोग जानते हैं। जो लोग कह रहे हैं कि मस्जिद में बैठकर लिखा गया है। लालू यादव के चरवाहा विद्यालय वाले ही मस्जिद में बैठकर लिखने की बात कर सकते हैं।

राजस्थान में भाजपा चुनावी मोड की जगह गुटबाजी से दौर से गुजर रही

-प्रदेश में जारी गुटबाजी से आलाकमान नाराज

जयपुर (एजेंसी)। राजस्थान भाजपा गुटबाजी के कारण संकट के बुरे दौर से गुजर रही है। अधिकांश भाजपा कार्यकर्ताओं का मानना है कि पार्टी अभी भी चुनावी मोड में नहीं आ सकी है। जबकि चुनाव में 3-4 महीने ही शेष हैं। प्रदेश के ज्यादातर नेता अपनी-अपनी ढपली और अपना-अपना राग की तर्ज पर आंदोलन, प्रदर्शन एवं प्रेसवार्ता करने में जुटे हैं। कार्यक्रमों में से अधिकांश लोग दूरियां बना रहे हैं। हालांकि बतौर राजनीतिक पार्टी कांग्रेस की स्थिति भी कमोबेश ऐसी ही है। लेकिन, मुख्यमंत्री अशोक गहलोत निजी तौर पर चुनावी तैयारियों के लिहाज से काफी आगे निकल चके हैं। उनका परा फोकस अपनी ब्रांडिंग पर है। वे यह संदेश देने में भी कामयाब रहे हैं कि पूर्व सीएम सचिन पायलट भी उनके आगे बहुत ज्यादा कुछ नहीं कर पा रहे हैं और भविष्य की रणनीति को लेकर भ्रमित हैं। उनके समर्थक और कार्यकर्ता भी असमंजस में हैं।

इधर, राजस्थान भाजपा में गुटबाजी खत्म करने के लिए दिल्ली तक मंथन चल रहा है। कयास लग रहे हैं कि पार्टी आलाकमान के ना चाहते हुए भी भाजपा के पास पूर्व सीएम वसुंधराराजे को इलेक्शन कैंपेन कमेटी चेयरमैन के नाते आगे करने के अलावा फिलहाल कोई विकल्प नहीं दिख रहा है। राजे समर्थकों का दावा है कि राजस्थान में मुख्यमंत्री के लिए उछलकूद करने वाले ज्यादातर नेता बतौर मंत्री अथवा संगठन पदाधिकारी वसुंधराराजे के नेतृत्व में काम कर चुके हैं। इसकारण उनसे बेहतर कोई विकल्प नहीं हो सकता। लेकिन, पार्टी हाईकमान को जो भी निर्णय लेना है। वह जल्दी लिया जाना चाहिए। क्योंकि अब धरातल पर काम करने का वक्त बहुत कम बचा है। इसकारण माना जा रहा है कि अगले एक महीने में भाजपा के राजस्थान प्रभारी, इलेक्शन कैंपेन कमेटी की एक साथ घोषणा करने के साथ ही संगठन महामंत्री भी बदले जा सकते हैं। हालांकि चर्चाएं मौजूदा प्रदेशाध्यक्ष सी.पी. जोशी को भी बदलने की हैं। कहा जा रहा है कि जिस उद्देश्य के साथ इन्हें अध्यक्ष बनाया गया था। उस पर जोशी खरे नहीं उतरे हैं। लेकिन, भाजपा के ही कुछ अन्य लोगों का तर्क है कि ठीक चुनाव के मौके पर प्रदेशाध्यक्ष बदलना संभव नहीं है।

भाजपा संगठन से जुड़े लोगों का तर्क है कि चित्तौड़गढ़ सांसद सीपी जोशी को प्रदेश अध्यक्ष इसकारण बनाया था कि वे सभी को साथ लेकर चले और पार्टी में गुटबाजी खत्म हो जाएगी। लेकिन, पिछले दो-तीन महीनों में वे ऐसा कोई प्रभावी कदम नहीं उठा सके। ना ही कोई प्रभाव छोड़ सके। बल्कि कई लोग उन पर हावी होते या मनमानी करते हुए दिखाई दे रहे हैं।

ऐसी ही स्थिति पूर्व मंत्री और नेता प्रतिपक्ष राजेंद्र राठौड़ की दिख रही है। वे अब खुद मुख्यमंत्री की दौड़ में शामिल हो गए हैं। उन्हें लग रहा है कि अगर इस बार मुख्यमंत्री नहीं बने तब आगे फिर शायद ही सीएम बनने का मौका मिले। इसलिए वे पार्टी नेताओं की एकजुटता में कम ही रुचि ले रहे हैं। राज्यसभा सांसद डॉ. किरोड़ी लाल मीणा, पूर्व केंद्रीय मंत्री सिंह राज्यवर्धन राठौड़ समेत कई नेता अलग सुर में चुनावी राग अलाप रहे हैं।

पाकिस्तान के लिए पहली ब्रिटिश महिला उच्चायुक्त नियुक्त हुई जेन मेरियट

इस्लामाबाद । ब्रिटिश सरकार ने पाकिस्तान के लिए पहली महिला उच्चायुक्त के तौर पर जेन मेरियट की नियुक्ति की घोषणा की है। वह जुलाई के मध्य में अपना कार्यभार ग्रहण करेंगी। मेरियट इसके पहले भी कई अहम भूमिका निभा चुकी हैं। उनका कहना है कि वह पाकिस्तान इसके पहले दो बार जा चुकी हैं, और अब ब्रिटिश उच्चायुक्त के तौर पर नियुक्ति को लेकर काफी उत्साहित हैं। इससे उन्हें सांस्कृतिक रूप से समृद्ध और विविधता लिए हुए देश को और बेहतर तरीके से समझने का मौका मिलेगा। पाकिस्तान में नियुक्ति से पहले मेरियट 2019 से 2023 तक केन्या में उच्चायुक्त के पद पर रहीं। अपने कार्यकाल में उन्होंने नई यूके-केन्या रणनीतिक साझेदारी पर काम किया, दोनों देशों की समृद्धि, सतत विकास, सुरक्षा और स्थिरता को मजबूत किया। इतना ही नहीं लोगों को जोड़कर जलवायु परिवर्तन से निपटने का भी प्रयास किया। इनके नेतृत्व में केन्या और इससे जुड़े क्षेत्रों में आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई के लिए यूके की प्रतिबद्धता दिखाते हुए पहली बार केन्याई मरीन कमांडो यूनिट बनाने के लिए यूके-केन्या सहयोग पर जोर दिया। मेरियट ने इसके साथ ही नई स्वच्छ उर्जा, हरित टिकाऊ ऊर्जा परियोजनाओं पर भी काम किया। उन्होंने 1000 हेक्टेयर जंगलों को पुनर्जीवित करने का भी समर्थन किया। उनके नेतृत्व में यूके ने केन्या में डिजिटल एक्सेस प्रोग्राम की स्थापना की। जिसके तहत उपयोगकर्ताओं को डिजिटल जानकारियों और ऑनलाइन कंटेट के बारे में प्रशिक्षित किया जा सके। कैबिनेट कार्यालय और गृह कार्यालय में भूमिका निभाने के बाद, 2001 में यूके के विदेश राष्ट्रमंडल और विकास कार्यालय में रह चुकी मेरियट अब नव-नियुक्त उच्चायुक्त के तौर पर कई अनुभवों के साथ आई हैं।

अमेरिकी व्यक्ति ने दो महिला पर्यटकों को खड़ी ढलान से नीचे दे दिया धक्का, एक की मौत

बर्लिन । दक्षिणी जर्मनी के नेउशवांस्टीन कैसल के निकट दो महिला पर्यटकों पर कथित तौर पर हमला करने के बाद एक अमेरिकी नागरिक को गिरफ्तार कर लिया गया। अधिकारियों ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि हमले में एक पर्यटक की मौत हो गई। पुलिस ने बताया कि आस्ट्रिया की सीमा के निकट लोकप्रिय पर्यटन स्थल पर बुधवार दोपहर यह घटना हुई। उसने एक बयान में बताया कि नजदीक स्थित केम्पटेन में अभियोजकों ने कहा कि घटना से कुछ देर पहले ही 30 वर्षीय संदिग्ध 21 और 22 वर्ष की इन महिला पर्यटकों से मिला था। मीडिया रिपोर्ट के यह हमला मेरीनब्रुक के पास हुआ, जो कैसल के पास एक खाई के ऊपर बना पुल है, जहां से नेउशवांस्टीन का मनोरम दृश्य दिखता है। पुलिस ने बताया कि व्यक्ति ने 21 वर्षीय महिला पर हमला कर दिया। इसके बाद 22 वर्षीय महिला उसकी सहायता के लिए आगे बढ़ी, और व्यक्ति ने उसे खड़ी ढलान से नीचे धक्का दे दिया। अभियोजकों ने कहा कि यह यौन उत्पीड़न का प्रयास रहा होगा। पुलिस ने मीडिया को बताया कि व्यक्ति ने 21 वर्षीय महिला को भी खड़ी ढलान से नीचे कथित तौर पर धकेल दिया। उसे हेलीकॉप्टर से एक अस्पताल ले जाया गया, जहां रात में उसकी मृत्यु हो गई। पुलिस ने बताया कि व्यक्ति शुरूआत में भाग गया था, लेकिन उसे गिरफ्तार कर लिया गया। उसने बताया कि वह भी एक पर्यटक है।

बिपरजॉय के दस्तक देने से पूर्व पाक में 82 हजार लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया

कराची। पाकिस्तान के तटीय क्षेत्रों में चक्रवात बिपारजॉय के बृहस्पतिवार को दस्तक देने से पहले देश के दक्षिणी सिंध प्रांत में 82 हजार से ज्यादा लोगों को उनके घरों से सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया गया है। चक्रवात के प्रभाव से कई शहरों में भारी बारिश और बाढ़ की संभावना है और इससे निपटने के लिए तैयारियां की जा रही हैं। 'बिपारजॉय' का अर्थ बांग्ला में आपदा या विपदा होता है। वर्तमान में बहुत गंभीर चक्रवाती तूफान में तब्दील हो चुका बिपारजॉय पाकिस्तान के करीब पहुंच रहा है, जिसकी वजह से अधिकारी जानमाल के संभावित नुकसान को कम करने के लिए एहतियाती कदम उठा रहे हैं। बेहद गंभीर चक्रवाती तूफान के सिंध के थट्टा जिले में केटी बंदरगाह और भारत में कच्छ जिले के बीच पहुंचने की संभावना है। मीडिया के अनुसार पाकिस्तान के मौसम विभाग द्वारा बृहस्पतिवार की शाम जारी ताजा अपडेट जारी किया गया है, जिसमें कहा गया हे कि चक्रवात और पूर्व-उत्तर-पूर्व की ओर बढ़ गया है और अब यह कराची से करीब 245 किलोमीटर दक्षिण में थट्टा से 200 किलोमीटर दक्षिण में और केटी बंदरगाह से 150 किलोमीटर दक्षिण में है। जलवायु परिवर्तन और पर्यावरणीय समन्वय मंत्री शेरी रहमान ने मीडिया को बताया कि चक्रवात 'बिपारजॉय' की 'गति कम' हो गई है और यह रात से पहले नहीं टकराएगा। मंत्री शेरी रहमान ने कहा कि कराची पर तत्काल कोई खतरा नहीं है, लेकिन देश के आर्थिक केंद्र को नुकसान पहुंचाने वाली हवाओं और बारिश से निपटने के लिए आपातकालीन उपाय किए जा रहे हैं। पर्याप्त भोजन, पानी और चिकित्सा सहायता उपलब्ध कराई जा रही है। मंत्री ने चेतावनी दी कि चक्रवात कराची के तटीय इलाकों और सिंध के अन्य हिस्सों में बिजली पारेषण प्रणाली को प्रभावित कर सकता है। नागरिक उड्डयन प्राधिकरण (सीएए) ने कहा कि कराची का जिन्ना अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा चालू है लेकिन खराब मौसम की स्थिति में हवाई अड्डे पर निर्धारित मानक संचालन प्रक्रिया (एसओपी) के अनुसार सुरक्षा उपाय किए जाते हैं। एक अधिकारी ने कहा कि नियमित रूप से पायलटों को हवा की गति और मौसम के बारे में लगातार जानकारी दी जाती है। मीडिया के अनुसार असामान्य परिस्थितियों में पायलट इलाके और मौसम की स्थिति पर विचार करके उड़ान या विमान को उतारने के लिए निकटतम उपयुक्त गंतव्य का चयन करते हैं। इससे पहले आखिरी बार 2010 में चक्रवात फेट का पाकिस्तान के तटीय क्षेत्रों में कहर टूटा था। इसकी वजह से सिंध और मकरान तटीय क्षेत्रों में 15 लोगों की जान गई थी और हजारों लोग बेघर हो गए थे।

सड़क हादसे में 15 की मौत, 10 घायल

ओटावा। कनाडा के मैनिटोबा प्रांत में एक सेमी-ट्रेलर ट्रक और एक बस की टक्कर में कम से कम 15 लोगों की मौत हो गई और 10 अन्य लोग घायल हो गए। रॉयल कैनेडियन माउंटेड पुलिस (आरसीएमपी) ने यह जानकारी दी है। आरसीएमपी ने ट्वीट कर कहा कि गुरुवार को पूर्वाह्न11.40 एक सेमी-ट्रेलर ट्रक और बस के बीच टक्कर हो गई। इस घटना में 15 लोगों की मौत हुई है और 10 लोगों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। प्रमुख अपराध सेवाएं जांच कर रही है और अधिकारी मौके पर हैं। पुलिस ने बताया कि यह घटना विनिपेग के पश्चिम में कारबेरी शहर के पास हुई। हादसे के समय दाउफिन शहर से वरिष्ठ नागरिकों को ले जा रही बस एक राजमार्ग पर लेन पार करते समय ट्रक से टकरा गई।

नाइजीरियाई महिला चार दिनों तक लगातार बनाती रही खाना, बनाया गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड

लागोस। एक नाइजीरियाई महिला शेफ ने लगातार चार दिनों तक खाना बनाकर गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड में अपना नाम दर्ज करवा लिया है। जानकारी के अनुसार नाइजीरियाई शेफ हिल्डा बाची ने लगातार 93 घंटे और 11 मिनट तक बिना रुके खाना पकाने का दावा किया है। इस मैराथन कुकिंग के बाद सबसे लंबे समय तक एकल खाना पकाने के सत्र के लिए गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड में नाम दर्ज कराने की पुष्टि संगठन की ओर से मंगलवार को कर दी गई है। यह कार्यक्रम नाइजीरिया के लागोस राज्य के लेक्की (अमोरे गार्डन) में आयोजित किया था। गौरतलब है कि इससे पहले ये रिकॉर्ड भारतीय शेफ लता टंडन के नाम था जिन्होंने 2019 में लंदन में आयोजित कार्यक्रम में लगातार 87 घंटे और 46 मिनट तक खाना बनाकर रिकॉर्ड बनाया था। अब इस रिकॉर्ड को नाइजीरियाई शेफ हिल्डा बाची ने अपने नाम कर लिया है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक 26 साल की हिल्डा बाची ने खाना पकाने का रिकॉर्ड बनाने के लिए लगातार 4 दिनों तक अपने पैरों पर खड़े रहने के लिए पिछले माह जिम में ट्रेनिंग ली थी। उन्होंने कहा था कि उनका 11-15 मई का प्रयास नाइजीरियाई व्यंजनों को मानचित्र पर लाने में मदद करने के लिए था। बाची ने पत्रकारों से कहा, 'मैं चाहती हूं कि नाइजीरियाई व्यंजनों को दुनिया भर में प्रचारित किया जाए। आप जानते हैं, मैं इसे एक अमेरिकी घर में एगुसी सूप बनाने की सामान्य बात की तरह बनाना चाहती हूं। मैं चाहती हूं कि आप किसी भी सुपरमार्केट में जाएं और नाइजीरियाई सामग्री ढूंढें। जब नाइजीरियाई लोग उच्च मुद्रास्फीति, ईंधन की कमी और अन्य आर्थिक संघर्षों से जूझ रहे हैं, ऐसे में बाची के रिकॉर्ड प्रयास ने अपने गृह देश का ध्यान खींचा है। जबकि वह लागोस की कई हाईप्रोफाइल हस्तियों के लिए खाना पका रही थीं। हिल्डा बाची ने हाई प्रोफाइल मेहमानों में राज्य के गवर्नर, देश के तत्कालीन उपराष्ट्रपति और नाइजीरियाई अफ्रोबीट्स संगीत स्टार तिवा सैवेज सहित कई शख्सियतों का जिक्र किया।

उत्तरी चीन से एक 2डी राकेट छोड़ा गया , ये राकेट 41 सेटेलाइट लेकर निकला है।

ट्रंप ने समर्थकों के लिए खाना आर्डर किया, लेकिन बिना बिल चुकाए चले गए

वॉशिंगटन । पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप गोपनीय दस्तावेजों की जमाखोरी के आरोपों का सामना कर रहे हैं। बीते दिनों फ्लोरिडा के मियामी में ट्रंप अदालत में पेश हुए। ट्रंप अदालत में पेश होने के बाद लिटिल हवाना में क्यूबा के एक रेस्तरां में रुके। ट्रंप की मौजूदगी से ऐसा लग रहा था कि वहां मौजूद भीड़ काफी खुश है। ट्रंप ने खुशी से सभी के लिए भोजन की बात की। लेकिन सोशल मीडिया पर दावा हो रहा हैं कि ट्रंप ने किसी का भी बिल नहीं भरा। ट्रंप और उनके समर्थकों को ट्रोल किया जा रहा है। ट्विटर यूजर्स कह रहे हैं कि ट्रंप के समर्थकों को खाली हाथ जाना पड़ा। उन्होंने खाना खिलाया लेकिन बिल दिए बिना ही चले गए। लोगों ने पुरानी बात याद दिलाते हुए कहा, 'यह बिल्कुल वैसा है जब उन्होंने अपनी किसी रैली में लोगों को ठंड में बाहर छोड़ दिया था और लोगों को घर ले जाने के लिए कोई बस तक नहीं की थी। सोशल मीडिया पर हो रहे इस दावे की पड़ताल की है। रेस्तरां के एक शख्स से इस बारे में पूछताछ की, जिसने बताया कि क्यूबा के रेस्तरां में ट्रंप की यात्रा 10 मिनट से अधिक नहीं चली, किसी के पास आर्डर देने या बिल पेश करने का कोई समय नहीं था और न ही किसी ने खाना आर्डर किया। वहीं एक अन्य रिपोर्ट में बताया कि ट्रंप ने रेस्तरां में किसी भी भोजन का सेवन नहीं किया। बल्कि उन्होंने मैकडॉनल्ड्स में भोजन करने का विकल्प चुना।

यूएस : फेडएक्स, मास्टरकार्ड समेत अमेरिका की टॉप-20 कंपनियों के प्रमुखों से मिलेंगे पीएम मोदी

-कैनेडी सेंटर फॉर द परफॉर्मिंग आर्ट्स में आयोजित किया जाएगा समारोह

वॉशिंगटन। (एजेंसी)। भारतीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी संयुक्त राज्य अमेरिका की अपनी आधिकारिक यात्रा के दौरान फेडएक्स, मास्टरकार्ड और एडोबी सहित शीर्ष अमेरिकी कंपनियों के सीईओ से मुलाकात करेंगे। सूत्र ने कहा कि सीईओ का स्वागत समारोह 23 जून को वाशिंगटन के जॉन एफ कैनेडी सेंटर फॉर द परफॉर्मिंग आर्ट्स में आयोजित किया जाएगा, जिसमें 1,200 से अधिक प्रतिभागी शामिल होंगे। इस समारोह में अमेरिका और भारतीय कंपनियों जैसे टेक महिंद्रा और मास्टेक के बिजनेस लीडर शामिल होंगे।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी न्यू यॉर्क में संयुक्त राष्ट्र मुख्यालय में अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के कार्यक्रम में हिस्सा लेंगे। इसमें कई भारतवंशी भी शामिल होंगे। फिर वह वॉशिंगटन छ्ष्ट पहुंचेंगे। सैकड़ों भारतीय-अमेरिकी मोदी के स्वागत के लिए वाइट हाउस के सामने लाफायेट स्क्वायर पार्क में जुटेंगे। इस दौरान कई सांस्कृतिक कार्यक्रम होंगे। वाइट हाउस के साउथ लॉन में प्रधानमंत्री मोदी का शानदार स्वागत समारोह होगा। इस दौरान 7 हजार भारतवंशी जुटेंगे।

एक सूत्र ने कहा कि मोदी के सार्वजनिक टिप्पणी में चीन से खतरे को सीधे संबोधित करने की संभावना नहीं है, लेकिन उनके निजी चर्चा के दौरान इस मुद्दे को उठाने की उम्मीद है। दूसरे सूत्र ने कहा कि अपनी रक्षा जरूरतों के लिए रूस पर भारत की निर्भरता कम करना और अपनी खुद की विनिर्माण क्षमताओं को बढ़ाना दोनों देशों के बीच चर्चा के शीर्ष विषयों में से एक होगा। सूत्रों ने रॉयटर्स को बताया कि बाइडेन प्रशासन नई दिल्ली पर अपने स्वयं के लालफीताशाही को खत्म करने और अमेरिका निर्मित दर्जनों सशस्त्र ड्रोनों के लिए एक सौदे को आगे बढ़ाने पर जोर दे रहा है।

अलगाववादी नेताओं की संपत्ति जब्त...आंसू बहा रहा पाकिस्तान

-कश्मीर में एनआईए की कार्रवाई से बौखला गया

इस्लामाबाद (एजेंसी)। कश्मीर में आतंकी गतिविधियों में शामिल अलगाववादी नेताओं और उनके समर्थकों के खिलाफ भारत की राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) के अभियान से पाकिस्तान की शाहबाज सरकार बौखला गई है। पाकिस्तान ने कश्मीर में अलगाववादी नेताओं और आतंकियों का समर्थन करने वाले लोगों की संपत्ति जब्त करने पर जमकर आंसू बहाए हैं। पाकिस्तानी खुफिया एजेंसी आईएसआई और लश्कर जैसे आतंकी संगठन इन्हीं लोगों के द्वारा आतंकियों तक पैसा पहुंचाते हैं। उन्हें छिपने के लिए ठिकाना मुहैया कराते हैं। एनआईए इसतरह के लोगों की पहचान कर उनकी संपत्ति जब्त कर रही है।

पाकिस्तानी विदेश मंत्रालय की प्रवक्ता मुमताज जहरा बलोच ने कहा, भारत की एनआईए और राज्य की जांच एजेंसी बहुत आक्रामक तरीके से कश्मीरियों की अचल संपत्ति को जब्त कर रही है। उन्होंने भारतीय कदम पर आंसू बहाकर कहा कि यह चिंता की बात है कि राज्य की जांच एजेंसी ने साल 2021 से इसतरह की 124 संपत्ति को जब्त किया है। बलोच ने कहा कि हम भारत के इस कदम की निंदा करते हैं। उन्होंने दावा किया कि भारत ने ऑल पार्टीज हुर्रियत कॉन्फ्रेंस के प्रवक्ता अयाज अकबर की श्रीनगर में संपत्ति को जब्त किया है।

अयाज पर अलगाववादी गतिविधियों में शामिल होने का आरोप है और साल 2017 से जेल में बंद है। पाकिस्तान ने आरोप लगाया कि गैर कश्मीरी लोगों को जमीन और संपत्ति खरीदने के लिए प्रोत्साहित किया जा रहा है। दरअसल, एनआईए अकबर की दो प्रॉपर्टी को जब्त कर लिया है। इस एनआईए की विशेष अदालत के आदेश पर जब्त किया गया है। इसके पहले कश्मीरी बिजनसमैन जहूर अहमद शाह की 17 संपत्तियों को जब्त किया गया था। आतंकी फंडिंग केस में शामिल अकबर को अभी तिहाड़ जेल में रखा गया है। वह अवैध तरीकों से भारत और विदेश में पैसा इकट्ठा करता था और इसका इस्तेमाल वह जम्मू-कश्मीर में आतंकी गतिविधियों को फैलाने और उन्हें प्रोत्साहित करने के लिए करता था। एनआईए ने खुलासा किया कि वह जम्मू-कश्मीर को भारत से अलग करने की कोशिशों में लगा हुआ था। अब एनआईए ने पाकिस्तान के इस प्यादे पर वार किया है, तब वह बौखला गया है। इसी वजह से वह भारत पर आरोप लगा रही है और कार्रवाई को रोकने के लिए कह रही है।

भारतीय छात्रा रेड्डी की हत्या मामले में आरोपी पुलिस की हिरासत में

लंदन । ब्रिटिश पुलिस ने 23 वर्षीय शख्स पर 27 साल की भारतीय छात्रा तेजस्विनी कोंथम रेड्डी की हत्या करने और उनकी सेहली की हत्या की कोशिश करने का आरोप लगाया है। वेम्बली इलाके में कोंथम के घर पर उनपर हमला किया गया। मेट्रोपॉलिटन पुलिस ने कहा कि केवेन एंटोनियो लौरेंको डी मोराइस को अक्सब्रिज मजिस्ट्रेट अदालत में पेश करने के लिए पुलिस ने हिरासत लिया है। पहले उसकी पहचान ब्राजील के नागरिक के तौर पर हुई थी। इस मामले में मौके से दो अन्य लोगों-एक महिला और एक पुरुष को हिरासत में लिया गया था, लेकिन बाद में उन्हें छोड़ दिया गया।

पुलिस ने बताया कि रेड्डी के परिवार को इसबारे में जानकारी दे दी गई है। पुलिस ने बताया कि नील क्रिसेंट के मोराइस पर रेड्डी की हत्या करने और उनकी 28 वर्षीय सेहली के कत्ल की कोशिश का आरोप लगाया गया है। पुलिस ने पहले बताया था कि घटना वेम्बली के नील क्रिसेंट में एक आवासीय स्थल पर की गई थी। पुलिस के मुताबिक, दो महिलाओं को चाकू मारा गया था और आपात सेवा के कर्मियों की तमाम कोशिश के बाद भी रेड्डी को बचाया नहीं जा सका। पुलिस ने कहा कि 28 वर्षीय महिला अस्पताल में भर्ती है, लेकिन उसकी स्थिति गंभीर नहीं है।

अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट की पहली मुस्लिम महिला जज बनीं नुसरत चौधरी, अमेरिकी सीनेट ने की पुष्टि

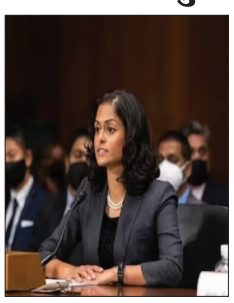

वाशिंगटन (एजेंसी)। अमेरिकी सीनेट ने न्यूयॉर्क के पूर्वी जिले के लिए अमेरिकी जिला न्यायालय में नागरिक अधिकार वकील नुसरत चौधरी की पुष्टि कर दी है। वह संयुक्त राज्य में पहली बांग्लादेशी-अमेरिकी और महिला मुस्लिम संघीय न्यायाधीश बन गईं।इलिनोइस के अमेरिकन सिविल लिबर्टीज यूनियन (एसीएलयू) के कानूनी निदेशक चौधरी की पुष्टि 50-49 मतों से हुई। वह पहली बांग्लादेशी-अमेरिकी संघीय न्यायाधीश भी होंगी।

चौधरी ने पहले अपने अधिकांश पेशेवर करियर को राष्ट्रीय एसीएलयू के साथ बिताया, जहाँ उन्होंने नस्लीय न्याय और राष्ट्रीय सुरक्षा के मुद्दों पर काम किया। वह 2018 से 2020 तक संगठन के नस्लीय न्याय कार्यक्रम की उप निदेशक थीं। अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन ने उन्हें जनवरी 2022 में संघीय पीठ में नामांकित किया। शीर्ष सीनेट डेमोक्रेट चक शूमर ने एक बयान में कहा कि चौधरी के 'प्रतिभाशाली और समर्पित नागरिक अधिकार याचिकाकर्ता के रूप में अनुभव ने उन्हें संघीय पीठ में ईमानदारी और व्यावसायिकता के साथ सेवा करने लिए अवसर प्रदान किया। वह तथ्यों का पालन करेंगी और निष्पक्षता और गहरे सम्मान के साथ कानून के शासन के लिए न्याय करेंगी।

विदेशी शक्तियां चाहती हैं कि पाकिस्तान श्रीलंका की तरह डिफॉल्ट हो जाए: डार

इस्लामाबाद (एजेंसी)। पाकिस्तानी वित्त मंत्री इशाक डार ने अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) पर बड़ा आरोप लगा दिया है। वित्त मंत्री डार ने दावा कर दिया कि विदेशी शक्तियां चाहती थी कि पाकिस्तान को ऋण ना मिले। उन ताकतों का मकसद इस्लामाबाद को श्रीलंका की तरह डिफॉल्ट करना था। इसके बाद वहां बातचीत करना चाह रही थीं। रिपोर्ट के अनुसार, सीनेट की स्थायी वित्त समिति के समक्ष गवाही देकर उन्होंने फिर जोर देकर कहा कि पाकिस्तान बेलआउट पैकेज के साथ या उसके बिना अपने दायित्वों को पूरा करेगा। उन्होंने कहा कि आईएमएफ द्वारा नौवीं समीक्षा के पीछे अनावश्यक देरी के लिए कोई कारण नहीं बताया गया है, जो नवंबर 2022 से लंबित है। आईएमएफ मदद करे या नहीं, पाकिस्तान डिफॉल्ट नहीं होगा।

डार ने स्पष्ट किया है कि पाकिस्तान एक संप्रभु देश है और आईएमएफ की हर मांग को स्वीकार नहीं कर सकता। एक संप्रभु देश के तौर पर इस्लामाबाद को कुछ कर रियायतें देने का अधिकार होना चाहिए। आईएमएफ चाहता है कि हम किसी भी क्षेत्र में कर रियायतें ना दें। पाकिस्तान के डिफॉल्ट होने की अफवाहों के बीच मंत्री ने दावा कर दिया कि भू-राजनीति (जियो पॉलिटिक्स) का उद्देश्य पाकिस्तान को डिफॉल्ट करने के लिए मजबूर करना था। विदेशी शत्रुतापूर्ण तत्व पाकिस्तान को एक और श्रीलंका में बदलना चाहते हैं और फिर आईएमएफ, इस्लामाबाद के साथ बातचीत करेगा।

डार ने स्पष्ट किया है कि पाकिस्तान बिल्कुल भी दूसरा श्रीलंका नही बनेगा। उन्होंने कहा कि चीन समझता है कि पाकिस्तान के साथ राजनीति की जा रही है। इसलिए, उन्होंने डिपॉजिट रोल-ओवर किया और वाणिज्यिक ऋणों को फिर से फाइनांस किया। इससे पहले, वहां आगे बढ़ने में भी हिचकिचा रहे थे।

उन्होंने दावा किया कि, आईएमएफ हो या नहीं, मुश्किलें हैं, लेकिन हम संभाल लेंगे। आईएमएफ कार्यक्रम के पुनरुद्धार में देरी कर रहा है और समय बर्बाद कर रहा है। आईएमएफ की 9वीं समीक्षा में देरी के कोई वैध कारण नहीं हैं और फंड स्टाफ का दृष्टिकोण गैर-पेशेवर है।

इटली में मुसलमानों के नवाज पढ़ने पर रोक लगाने की तैयारी

-गैरेज और औद्योगिक गोदामों में मुस्लिम प्रार्थना पर रोक

रोम (एजेंसी)। प्रधानमंत्री जियोर्जिया मेलोनी के नेतृत्व वाली इतालवी सरकार में दक्षिणपंथी गठबंधन पार्टी ने मस्जिदों के बाहर मुस्लिम प्रार्थना स्थलों पर प्रतिबंध लगाने के लिए एक मसौदा कानून बनाया है। इटली में सत्तारूढ़ ब्रदर्स ऑफ इटली पार्टी विधेयक लेकर आई है, इस विधेयक में गैरेज और औद्योगिक गोदामों और सुविधाओं को मस्जिदों के रूप में उपयोग करने और मस्जिदों के बाहर प्रार्थना पर प्रतिबंध लगाने का प्रावधान है। रिपोर्टों के अनुसार, मेलोनी के नेतृत्व वाली राष्ट्रवादी सरकार ने देश के शहरी नियोजन कानून में संशोधन किया है। मसौदा कानून का उद्देश्य औद्योगिक गैरेजों और गोदामों को धार्मिक प्रार्थना स्थलों या मस्जिदों में बदलने पर रोक लगाना है। ब्रदर्स ऑफ इटली पार्टी द्वारा प्रस्तावित बिल, जिस पर वर्तमान में संसद की पर्यावरण समिति में बहस चल रही है, इसका उद्देश्य मस्जिदों के रूप में गैरेज और औद्योगिक गोदामों के उपयोग पर रोक लगाना है। रिपोर्ट में बताया कि जिन सांस्कृतिक और धार्मिक संगठनों ने इतालवी राज्य के साथ समझौते पर हस्ताक्षर नहीं किए हैं, उन्हें पूजा स्थल के रूप में संपत्ति का उपयोग करने की अनुमति नहीं होगी। देश के मुस्लिम समुदाय ने राज्य के साथ इस तरह के किसी भी समझौते पर हस्ताक्षर नहीं किए हैं। बिल का संसद की पर्यावरण समिति में विपक्षी दलों के सांसदों ने विरोध किया था, जिन्होंने कहा था कि अगर यह पारित हो गया, तब यह धर्म की स्वतंत्रता को प्रतिबंधित कर देगा। इस बिल के जरिए यह दावा किया जा रहा है, कि बिल इटली के किसी भी संभावित इस्लामीकरण को रोक देगा। रोम में मैगलियाना मस्जिद के इमाम या प्रार्थना नेता सामी सलेम ने बताया कि यह एक ऐसा बिल है जो स्पष्ट रूप से मुसलमानों के साथ भेदभाव करता है और इटली के संविधान का सम्मान नहीं करता है जो इटली में रहने वाले सभी नागरिकों की रक्षा करता है। उत्तरी प्रांत फ्लोरेंस में मुस्लिम समुदाय के एक अन्य इमाम इज्जेद्दीन एल्जरि ने मसौदा कानून की वैधता के बारे में अपनी चिंता व्यक्त की।

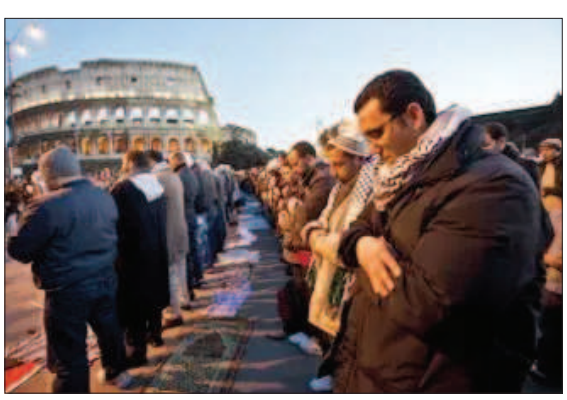

संपादकीय

फादर्स डे - संत राजिन्दर सिंह जी महाराज

'फ़ादर्स डे' एक ऐसा दिन है जबकि हम अपने-अपने पिता के प्रति विशेष सम्मान व आभार प्रकट करते हैं। यह एक ऐसा दिन भी है जबकि हम परमात्मा को याद करते हैं, जोकि हम सबके पिता-परमेश्वर हैं।

इस दिन हम अपने शारीरिक पिता से मिले प्रेम को और उनसे मिले उपहारों को दिल से याद करते हैं, तथा उनका धन्यवाद करते हैं। यह एक ऐसा समय भी है जबकि हम प्रभु से मिली देनों व बरकतों को याद करते हैं, तथा उनका शुक्राना अदा करते हैं। प्रभु ही हमारे सच्चे पिता हैं, और हर तरह से हमारा ख्याल रखते हैं। हरेक माता-पिता अपनी संतान में वो सद्गुण एवं नैतिक मूल्य देखना चाहते हैं जो स्वयं उनके अंदर होते हैं। हरेक माता-पिता चाहते हैं कि उनका बेटा या बेटी बड़े होकर अच्छे इंसान बनें/ प्रभु हमसे अलग नहीं हैं। यह हमारा मन है जो हमें प्रभु से दूर कर देता है। परमात्मा का अंश, आत्मा, प्रत्येक इंसान के अंदर पाई जाती है। परमात्मा ने आत्मा को अपने ही नमूने पर बनाया है। समस्त मानव जाति परमात्मा के स्वरूप के आधार पर ही बनाई गई है। प्रभु चाहते हैं कि हम सभी उस महान् स्वरूप के अनुसार ही अपना जीवन जिएँ, सद्गुणों एवं नैतिक मूल्यों को अपने अंदर धारण करें। प्रभु चाहते हैं कि हम केवल उनसे ही नहीं, बल्कि उनकी बनाई हुई सृष्टि में मौजूद सभी इंसानों व जीवों से प्रेम करें। इसी उद्देश्य से सृष्टि का निर्माण किया गया था। कहा जाता है कि प्रभु ने समस्त मानव जाति को एक-दूसरे से प्रेम व करुणा का व्यवहार करने के लिए ही बनाया है, नहीं तो अगर प्रभु को केवल अपनी भक्ति ही करानी होती, तो उसके लिए तो फ़रिश्ते ही काफ़ी थे। परंतु प्रभु ने फिर भी इंसानों को बनाया, ताकि व न केवल प्रभु से प्रेम करें, बल्कि आपस में एक-दूसरे से भी प्रेम करें।

जो इंसान अपने साथी इंसानों की मदद करता है, वो प्रभु को अच्छा लगता है। अपनी इच्छाओं व सुखों का त्याग करके भी दूसरों की सहायता करना, यह विशिष्ट गुण परमात्मा को बहुत अच्छा लगता है; और जिसके अंदर भी यह सद्गुण मौजूद होता है, वो इंसान भी परमात्मा को बहुत भाता है। इस धरती पर अरबों आत्माएँ जी रही हैं। उनमें से बहुत से लोग स्वार्थ एवं लापरवाही से भरपूर जीवन जी रहे हैं। बहुत से लोग तो आपे से बाहर जाकर भी अधिकार, शोहरत, सत्ता, मान-प्रतिष्ठा चाहते हैं। इसका अर्थ यह है कि वे लोग प्रभु की विपरीत दिशा में कदम उठा रहे हैं। जबकि प्रभु तो वास्तव में यही चाहते हैं कि हम न केवल उनसे बल्कि सभी इंसानों से एक समान ही प्रेम करें। जो लोग ऐसा करते हैं, केवल वे ही सच्चे मायनों में प्रभु की संतान हैं। 'फ़ादर्स डे' के दिन हम अपने-अपने पिता को सम्मान देने की सोचते हैं। लेकिन इसके साथ ही हमें प्रभु को भी सम्मान व धन्यवाद देना चाहिए, जोकि हम सबके सच्चे व सर्वोपरि पिता हैं। इसका सबसे अच्छा तरीका यह है कि हम उनके द्वारा मिली देनों एवं बरकतों को याद करें तथा उनका शुक्रिया अदा करें। दूसरे, हमें जिस महान् उद्देश्य के लिए यह मानव जन्म मिला है, उसे हम पूरा करें और अपने आध्यात्मिक लक्ष्य को प्राप्त करें। आइए, आज के दिन हम लोग अपने शारीरिक पिता को धन्यवाद देने के साथ-साथ पिता-परमेश्वर, जिनसे हमें अपने जीवन के सभी उपहार प्राप्त हुए हैं, का भी दिल से शुक्राना अदा करें।

आज का राशीफल

मेष पारिवारिक दायित्व की पूर्ति होगी। मादक वस्तुओं का प्रयोग न करें। शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। कुछ ऐसा होगा जिसका आपको लाभ मिलेगा।

वृषभ व्यावसायिक प्रयास फलीभूत होंगे। रचनात्मक प्रयास लाभप्रद होंगे। घर के मुखिया या संबंधित अधिकारी का सहयोग मिलेगा। फिजूल खर्च पर नियंत्रण रखें। रुपए पैसे के लेन-देन में सावधानी रखें।

मिथुन दाम्पत्य जीवन में तनाव आ सकते हैं। कुछ व्यावसायिक समस्याएं आ सकती हैं। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। राजनैतिक महात्वाकांक्षा की पूर्ति होगी। निजी संबंधों के मामले में अतृप्त महसूस करेंगे।

कर्क बेरोजगार व्यक्तियों को रोजगार मिलेगा। स्थानान्तरण व परिवर्तन की दिशा में सफलता मिलेगी। रुका हुआ कार्य सम्पन्न होगा। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। वाहन प्रयोग में सावधानी रखें।

सिंह जीवन साथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। व्यावसायिक योजना सफल होगी। अनावश्यक व्यय का सामना करना पड़ेगा।

कन्या सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। रुपए पैसे के लेन-देन में सावधानी रखें। आर्थिक संकट का सामना करना पड़ेगा। व्यावसायिक योजनाओं में कठिनता का अनुभव कर सकते हैं। विरोधी परास्त होंगे।

तुला पारिवारिक जनों का सहयोग मिलेगा। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। जारी प्रयास सफल होंगे। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी। ससुराल पक्ष से लाभ होगा। व्यर्थ की भागदौड़ रहेगी।

वृश्चिक शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। वाणी पर नियंत्रण रखें, इससे विवाद की स्थिति को टाला जा सकता है। वाहन प्रयोग में सावधानी रखें।

धनु आर्थिक योजना सफल होगी। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता के योग हैं। भाई या पड़ोसी का सहयोग मिलेगा। धार्मिक प्रवृत्ति में वृद्धि होगी। मनोरंजन के अवसर प्राप्त होंगे।

मकर जीवन साथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। भाग्य वश कुछ ऐसा होगा जिसका आपको लाभ मिलेगा। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। व्यर्थ की भागदौड़ रहेगी।

कुम्भ दाम्पत्य जीवन में व्यर्थ के तनाव आ सकते हैं। किसी रिश्तेदार के कारण स्वास्थ्य प्रभावित हो सकता है। क्रोध में वृद्धि होगी। रिश्तों में सुधार हो सकता है। प्रेम प्रसंग प्रगाढ़ होंगे।

मीन पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। आर्थिक पक्ष मजबूत होगा। यात्रा में अपने सामान के प्रति सचेत रहें, चोरी या खोने की आशंका है। उदर विकार या त्वचा के रोग से पीड़ित रहेंगे। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा।

वक्त की नब्ज देख वफादारी-बगावती तेवर

शंभूनाथ शुक्ल

दरअसल, अपने क्षेत्र में उनकी लोकप्रियता की वजह उनका अपने सहयोगियों के लिए कुछ भी कर डालना रही है। यही वजह है कि किसी सरकार में इतनी हिम्मत नहीं हुई कि उन पर कोई कार्रवाई हो सके। केंद्र और उत्तर प्रदेश में तमाम सरकारें आयीं और गईं लेकिन बृजभूषण यथावत रहे। शायद यही कारण है कि उन पर कभी कोई कार्रवाई नहीं हुई। लेकिन यह पहली बार हुआ है, कि बृजभूषण स्वयं को असहाय महसूस कर रहे हैं। इसलिए नहीं कि वे पहलवानों के धरने से डर गए। क्योंकि भले धरना देने वाले पहलवान अंतर्राष्ट्रीय स्तर के हैं या ओलम्पिक खेलों से पदक ला चुके हैं, बृजभूषण शरण सिंह हर बात का तुर्की-ब-तुर्की जवाब देते रहे। उन्होंने इस पूरे कांड को हरियाणा बनाम उत्तर प्रदेश बना दिया।

भारतीय कुश्ती महासंघ के पूर्व अध्यक्ष और भाजपा सांसद बृजभूषण शरण सिंह अब दोतरफ़ा खेल खेलने में लगे हैं। वे सत्तारूढ़ भाजपा को धमकी भी दे रहे हैं और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी तथा गृह मंत्री अमित शाह की तारीफ़ों के पुल भी बांध रहे हैं। उन्होंने रविवार को गोंडा में एक जनसभा कर अपनी ताक़त दिखाते हुए कहा कि अगला लोकसभा का चुनाव वे लड़ेंगे। यद्यपि उनका इतिहास भी बताता है कि बृजभूषण शरण सिंह पाला बदलने में माहिर हैं और अपने क्षेत्र में बेहद लोकप्रिय भी हैं। भाजपा से पहली बार वे गोंडा से 1991 में लोकसभा चुनाव कांग्रेस के आनंद सिंह को हरा कर जीते थे। प्रदेश में कल्याण सिंह सरकार थी और अयोध्या में विवादित ढांचा जब गिराया गया तब बृजभूषण शरण सिंह कारसेवकों की अगुआई कर रहे थे। उन्होंने खुल्लमखुल्ला यह स्वीकार भी किया कि ढांचा गिराने में उनकी भूमिका रही। वर्ष 2008 में पार्टी (भाजपा) व्हिप के बावजूद केंद्र की मनमोहन सरकार बचाने के लिए उन्होंने पाला बदल लिया, वे समाजवादी पार्टी में आ गए और 2009 का लोकसभा चुनाव समाजवादी पार्टी की टिकट पर जीते। कहा जाता है कि उन पर आरोप था, कि डॉन दाऊद ख़ान से उनके करीबी संबंध थे और इसकी जांच चल रही थी इसलिए अपने बचाव के लिए उन्होंने मनमोहन सरकार का साथ दिया। उनकी पूरी छवि एक बाहुबली नेता की रही है। भाजपा विधायक घनश्याम शुक्ल हत्याकांड में उन पर सीधे-सीधे अंगुली उठी थी। किंतु वे साफ़ बच निकले। पर इसी वर्ष जनवरी से अंतर्राष्ट्रीय महिला पहलवानों ने जिस तरह से उनके ख़िलाफ़ मोर्चा खोल दिया, उससे वे अवश्य घबराये हुए हैं। उन पर महिला पहलवानों से यौन दुर्व्यवहार के भी आरोप हैं। हालांकि बृजभूषण शरण सिंह अपने क्षेत्र में पहलवान के रूप में भी जाने जाते हैं और छात्र जीवन में वे अपने कॉलेज साकेत महाविद्यालय के कुश्ती संघ के भी अध्यक्ष थे। जब भी कोई कुश्ती प्रतियोगिता होती है, बृजभूषण वहां पहुंचते ज़रूर हैं। लेकिन अब अंतर्राष्ट्रीय स्तर की पहलवानों द्वारा अनवरत धरना दिए जाने से वे परेशान हैं। सुप्रीम कोर्ट के निर्देश पर उनके विरुद्ध दिल्ली पुलिस ने रिपोर्ट लिखी थी। वैसे बेहतर तो यह होता कि महिला पहलवानों ने जब उन पर यौन दुराचार का आरोप लगाया था, तब ही वे इस्तीफ़ा देकर अलग हो जाते और कहते, कि कर लो जांच। लेकिन जब सरकार ने कुश्ती संघ को ही भंग किया, तब उन्हें खुद हटना पड़ा। अब वे शायराना अंदाज़ में बोल रहे हैं, कि 'ये मिला मुझे मोहब्बत का सिला, बेवफ़ा कह कर मेरा नाम लिया जाता है!' यही नहीं जब वे रामचरित मानस की यह चौपाई बोलते हैं कि 'हुइ है सोइ जो राम रचि राखा, को करि तर्क बढ़ावहिं साखा', तब यह भी लगता है कि इस बाहुबली सांसद को भावी ख़तरा दिख रहा है। उनका आत्मविश्वास अब डोलने लगा है। रविवार को गोंडा की पब्लिक रैली में जब उन्होंने कहा, कि 'इसको रुसवाई कहें या शोहरत अपनी, दबे होंठों से नाम लिया जाता है।' तब लगा कि बृजभूषण शरण सिंह के ऊपर दबाव इस क़दर बढ़ गया है कि वे अपने ऊपर लगे आरोपों को भी अपनी गरिमा समझ रहे हैं। पिछले 12 वर्ष से बृजभूषण शरण सिंह भारतीय कुश्ती महासंघ के अध्यक्ष रहे हैं। साक्षी मलिक, विनेश फोगाट और बजरंग पूनिया जैसे नामी पहलवानों की मांग के बावजूद बृजभूषण से इस्तीफ़ा नहीं लिया गया। यही नहीं, एफआईआर दर्ज होने के बाद भी उन्हें गिरफ़्तार नहीं किया गया था। बृजभूषण शरण सिंह के ख़िलाफ़ एक नाबालिग समेत सात महिला पहलवानों ने दो दर्जन एफआईआर कराई थीं। बृजभूषण शरण सिंह को कुश्ती महासंघ से तब हटाया गया जब यूपी निकाय चुनाव संपन्न हो गए और उनका नतीजा भी आ गया। कुश्ती महासंघ की कार्यकारिणी भंग कर 45 दिनों के भीतर भारतीय कुश्ती महासंघ अपनी नई कार्यकारिणी का गठन करेगा और तब ही नया अध्यक्ष चुना जाएगा। इन सबसे अब बृजभूषण शरण सिंह थोड़ा घबराये और इसीलिए रविवार को उन्होंने रैली की। रैली में आयी भीड़ से यह तो लग ही गया कि अभी उनकी लोकप्रियता बरकरार है। बृजभूषण शरण सिंह की उत्तर प्रदेश के गोंडा, बलरामपुर, अयोध्या और बहराइच में यह लोकप्रियता ही उन्हें इतनी ताक़त देती है जिसके बूते वे इतने आरोपों से घिरे होने के बावजूद अपराजेय हैं। खुद भाजपा के सर्वाधिक ताकतवर और लोकप्रिय नेता रहे अटल बिहारी वाजपेयी के सामने घनश्याम शुक्ला (तब वे पूर्व विधायक थे) की हत्या का संदर्भ आने पर बृजभूषण साफ़ मुकर गये। दरअसल, अपने क्षेत्र में उनकी लोकप्रियता की वजह उनका अपने सहयोगियों के लिए कुछ भी कर डालना रही है। यही वजह है कि किसी सरकार में इतनी हिम्मत नहीं हुई कि उन पर कोई कार्रवाई हो सके। केंद्र और उत्तर प्रदेश में तमाम सरकारें आयीं और गईं लेकिन बृजभूषण यथावत रहे। शायद यही कारण है कि उन पर कभी कोई कार्रवाई नहीं हुई। लेकिन यह पहली बार हुआ है, कि बृजभूषण स्वयं को असहाय महसूस कर रहे हैं। इसलिए नहीं कि वे पहलवानों के धरने से डर गए। क्योंकि भले धरना देने वाले पहलवान अंतर्राष्ट्रीय स्तर के हैं या ओलम्पिक खेलों से पदक ला चुके हैं, बृजभूषण शरण सिंह हर बात का तुर्की-ब-तुर्की जवाब देते रहे। उन्होंने इस पूरे कांड को हरियाणा बनाम उत्तर प्रदेश बना दिया। जबकि दोनों जगह प्रदेश सरकारें भाजपा की हैं। उन्हें दरअसल भय सताया जब सुप्रीम कोर्ट ने दख़ल दिया और केंद्र सरकार ने उन्हें हटाने के लिए संपूर्ण कुश्ती महासंघ की कार्यकारिणी ही भंग कर दी। पिछले 12 साल से वे जिस पद पर डटे थे, वह अचानक से उनसे छिन गया। इसलिए उन्हें भय नरेंद्र मोदी और अमित शाह का है। उनको यह अहसास हो गया है, कि ये दोनों नेता अपने इरादों के पक्के हैं, और अगर आरोप पुख़्ता पाए गये तो छोड़ेंगे नहीं। बृजभूषण शरण सिंह ने रविवार की अपनी पब्लिक रैली में मोदी और शाह की जमकर तारीफ़ की थी। अपनी लोकप्रियता का दांव तो चला, किंतु उन्हें मालूम है, कि गोट दबी है। पहलवानों द्वारा लगाए गये आरोपों की जांच शुरू हुई तो आंच दूर तक जाएगी। दूसरे यौन दुराचार के मामले ऐसे होते हैं, जिनसे किसी भी नेता की पब्लिक इमेज ध्वस्त हो जाती है। फिर वह किसी जिताऊ पार्टी की टिकट पर भले चुनाव जीत जाए, बिना पार्टी के जीतना असंभव होता है। यह भारतीय मतदाता का मिज़ाज है। इसलिए नेता कोशिश करता है, कि यौन दुराचार जैसा कोई क्षुद्र आरोप उस पर न लगे। हत्या, लूट जैसे आरोपों की जब जांच होगी तब फ़ैसला आएगा लेकिन यौन दुराचार या छेड़छाड़ जैसे मामलों में पब्लिक सेंसेटिव हो जाती है। ऐसे नेताओं को तो सरकार चाहे भी तो नहीं बचा सकती। मोदी सरकार के पहले कार्यकाल में सुप्रसिद्ध पत्रकार एमजे अकबर, जो उस समय विदेश राज्यमंत्री थे, 'मी टू' के मामले में फंसे थे तब उन्हें त्यागपत्र देना पड़ा था। जबकि वे मोदी सरकार के काबिल मंत्रियों में से थे। और 'मी टू' का केस भी वर्षों पुराना था। यह भी यौन दुराचरण का ही मामला था। आरोप की पुष्टि हुई या नहीं लेकिन मंत्री जी को कुर्सी गंवानी पड़ी। इसी सब से घबरा कर बृजभूषण शरण सिंह ने रविवार को गोंडा में जनसभा की, बहाना था मोदी सरकार के नौ वर्ष पूरे होने की खुशी में जलसा हुआ। परंतु जिस तरह से बृजभूषण ने भाषण दिया उससे यह तो लग ही गया कि वे वफ़ादारी और बग़ावत दोनों के तेवर दिखा रहे हैं। वे इस तरह से घिरे हैं, कि एक तरफ़ तो वे सरकार पर दबाव बनाना चाहते हैं और दूसरी तरफ़ चापलूसी में कमी नहीं। पर वे भूल जाते हैं, कि पहलवान पूरी ताक़त से मोर्चा खोले हैं। उनके साथ हरियाणा और वेस्ट उत्तर प्रदेश के किसान भी आते जा रहे हैं। सरकार यह क़तई नहीं चाहेगी कि दिल्ली के आसपास की जनता का क्रोध वह एक सांसद को बचाने के लिए पनपने दे।

लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं।

शहरी जीवन बचाएंगे गांव के रोजगार

सुबीर रॉय

जिस कदर शहरों में आबादी बढ़ती जा रही है और परिणामस्वरूप मौजूदा शहरों की रिहायशी क्षमता फटने के कगार पर है, उसके समाधान हेतु सरकार लगभग आधा दर्जन नए शहर बनाने पर विचार कर रही है। इस प्रक्रिया की शुरुआत तब हुई जब 15वें वित्तीय कमीशन ने 8 नए शहर बनाने के लिए 8000 करोड़ रुपये अलग रखे और राज्यों की ओर से 26 प्रस्ताव मिले। चूंकि प्रस्तावों का आकलन जारी है, सरकार के लिए यह जरूरी हो जाता है कि आगे शहरीकरण कैसा हो इसको लेकर विचार सुसपष्ट हो। इस पर एक बृहद दृष्टिकोण, क्या करना है और क्या नहीं करना है, इस समझ की जरूरत है। मुख्य ध्येय यह होना चाहिए कि जो राह चुनी जाए वह सबसे किफायती हो एवं लगाए धन से अधिकतम फायदा हो। इस प्राप्ति के लिए, नयी खोज से न्यूनतम मूल्य वाले समाधान देने होंगे। उद्देश्य केवल नए शहर बनाना नहीं अपितु बेहतर और बड़ी शहरी क्षमता बनाना होना चाहिए। रोचक रहेगा, यदि अलग हटकर सोचे गए उपायों के ध्यान का केंद्र एक और भीड़-भाड़ वाला शहर न पैदा करके छोटे एवं अपेक्षाकृत कम भीड़ वाले शहरी क्षेत्र बनाने पर हो। उद्देश्य एवं प्रयास यह हो कि नए वैकल्पिक शहर लोगों को अपनी ओर खींचें और उन्हें इन छोटे शहरों में रहना अधिक फायदेमंद लगे, जहां रोजमर्रा के अन्य खर्च कम हों। इससे बड़े शहरों पर आबादी का मौजूदा दबाव घटेगा। उदाहरणार्थ, बेंगलुरु में भीड़-भाड़ घटाने के लिए मैसूर में क्षमता बढ़ाई जाए। बड़े शहरों में आबादी घनत्व घटाने का एक अन्य किफायती हल यह हो सकता है कि बजाय यह देखना कि समस्या कहां सबसे विकट है (शहर का केंद्र), शहर की परिधि से लगते क्षेत्रों पर ध्यान केंद्रित किया जाए। क्रियान्वयन योजना बनाते वक्त ध्येय अतिरिक्त शहरी क्षेत्र क्षमता बनाने का हो। नगर के केंद्र में उपायों पर लागत से कहीं कम में परिधि इलाके की नागरिक सुविधा क्षमता में विकास हो जाएगा। बेंगलुरु के एमजी मार्ग पर भीड़-भड़क्का कम करने के लिए व्हाइट फील्ड इलाके को विकसित किया जाए ताकि लोगों को खरीदारी के लिए एमजी मार्ग आने की जरूरत न रहे। जिस तरह से वक्त के साथ हमारे शहरों का विस्तार हुआ है, परिधि के नगर निकाय एक तरह से मुख्य शहर का हिस्सा हैं। लेकिन वहां उपलब्ध सुविधाएं घटिया हैं, जिसकी वजह से बाशिंदों को बेहतर काम, शिक्षा और स्वास्थ्य सुविधा के लिए मुख्य नगर आना पड़ता है। कहने को यह इलाके शहरी विस्तार का हिस्सा हैं किंतु नागरिक सुविधाएं कमतर हैं, क्योंकि इन नगरीय निकायों को बजटीय राशि कम मिलती है। इसलिए यह मांग बढ़ रही है कि वहां की प्राथमिक सुविधाएं जैसे कि पेयजल एवं सीवरेज सिस्टम में सुधार हो, कम से कम उस स्तर की, जो मुख्य शहर का नगर निगम मुहैया करवाता है। इन मांगों की पूर्ति के लिए, परिधि नगर निकायों को मुख्य नगर निगम से मिला दिया जाए और नाम में 'बृहन' जैसा शब्द जोड़ सकते हैं। लेकिन जब नगर निगम इन नए इलाकों में सुविधाओं के लिए योजना बनाने बैठते हैं तो पाते हैं कि एक तो तंग गलियां, तिस पर पेय-जल की पाइपें नदारद और बरसाती पानी निकास-व्यवस्था शोचनीय है, जिससे मानसून में बाढ़ जैसी स्थिति और मच्छरों के प्रकोप से मलेरिया इत्यादि बीमारियां बनती हैं। इसका हल शहरों के साथ मौजूदा ग्रामीण इलाकों में नए उप-नगर बसाने में है, जो आगे चलकर मुख्य नगर का हिस्सा बन जाएंगे। लेकिन यह रूपांतर भूमि उपयोग पर नियोजित कार्य योजना के मुताबिक होना चाहिए। जो कुछ बेंगलुरु में हुआ, उससे बचने की जरूरत है, वहां शहर के दक्षिण-पूरबी सिरे पर एक आईटी कॉरिडोर बनाने का प्रस्ताव आया। लेकिन अमल से पहले प्रशासन ने पाया कि वहां तो पहले से गैर-नियोजित निर्माण हुआ पड़ा है। भविष्य के परिधि-नगरों की योजना बनाते वक्त सोच बृहद रखनी जरूरी है। उद्देश्य मिश्रित उपयोग जगह बनाने पर हो, जहां पर लोग रहें और रोजगार भी वहीं हो और उन्हें मुख्य शहर न जाना पड़े, जिससे सड़कों पर दबाव बनता है, जैसा कि मुंबई में है, जहां उप-नगरीय नागरिक कामकाज की खातिर घंटों का सफर करके मुख्य शहर आते हैं। मुंबई का बांद्रा-कुर्ला परिसर, कोलकाता का राजहाट और बेंगलुरु का व्हाइट फील्ड इलाका वह क्षेत्र हैं, जहां नए व्यावसायिक परिसर का निर्माण मुख्य शहर में सुधार उपायों पर आने वाली लागत के अंश में हो सकता है। हमारे शहरों मे आबादी विस्फोटक रूप से बढ़ रही है, क्योंकि ग्रामीण अंचल के लोग बेहतर कमाई के लिए आकर बसते हैं। किंतु उन्हें अवैध मलिन बस्तियों में रहकर रोजगार तलाशना पड़ता है। सबसे बढ़िया और किफायती दीर्घकालीन हल नए शहर बनाना नहीं अपितु ग्रामीण इलाकों में रोजगार सृजन है ताकि लोगों को जरा-सी बेहतर कमाई के लिए शहरों का रुख न करना पड़े। प्रवासियों की यह संख्या कितनी विकराल है, इसका पता कोविड महामारी के दौरान हुए अचानक लॉकडाउन में करोड़ों लोग गांवों की ओर निकलने पर लगा। लोगों के जत्थे के जत्थे सैकड़ों किलोमीटर चलकर अपने-अपने गांव पहुंचे ताकि कम-से-कम भूख से तो नहीं मरेंगे, क्योंकि शहरों में तमाम उद्योग-धंधे बंद हो चुके थे और रहने का ठिकाना नहीं था। नए शहर बनाने की सोचने की बजाय उनकी मलिन बस्तियों का उद्धार करने का कम खर्चीला तरीका ढूंढ़ना चाहिए, जैसा कि मुम्बई की धारावी झुग्गी बस्ती का धीमा पुनर्वास कार्य दर्शाता है, भूमि-विकास कार्य के लिए भूखंड व्यवसायियों को सौंपना कोई बहुत अच्छा विचार नहीं है। इसकी बजाय, सभी मलिन बस्तियों के लिए, ध्यान का केंद्र पेयजल आपूर्ति और स्वच्छता व्यवस्था बनाने और तंग गलियों में खड़ंजा बिछाकर पक्का करने पर होना चाहिए। एक मर्तबा यह हो जाए, तो वहां के बाशिंदे, जो एक तरह से अपने-अपने भूखंड के मालिक हैं, तो अपने खर्च पर घरों को सुधारकर पक्का कर लेंगे। इसको सही दिशा देने के लिए, प्रशासन को कुछेक सैकड़ा वर्ग-फीट का एक-कक्षीय घर (जिसमें रसोई और शौचालय भी हो) का मॉडल तैयार करके प्रेरित करना होगा। ऐसे घरों में 8 लोगों का परिवार पहले की अपेक्षा ज्यादा बेहतर ढंग से रह पाएगा और उनका रोजगार भी बना रहेगा। अतएव, पूर्व अनुभव सुबूत हैं कि नए शहर बसाने का विचार कोई बेहतर हल नहीं है। इसकी बजाय नूतन उपायों से बहुत कम लागत पर विशाल नई शहरी क्षमताएं बनाई जा सकती हैं। अंतिम ध्येय वैसा शहर बनाना हो जिसकी परिकल्पना पूर्व राष्ट्रपति एपीजे अब्दुल कलाम ने दी थी, जब दो दशक पहले, उन्होंने ग्रामीण अंचल शहरी सुविधा योजना सुझाई थी, जिसको 'पूरा' नाम दिया था।

लेखक आर्थिक मामलों के जानकार हैं।

गिरफ्तार होते ही रिहा हो जाएंगे बृजभूषण सिंह?

(लेखक- सनत जैन/)

दिल्ली पुलिस ने भारतीय कुश्ती महासंघ के पूर्व अध्यक्ष सांसद बृजभूषण सिंह के खिलाफ न्यायालय में चार्जशीट पेश कर दी है। पहली चार्जशीट में पुलिस ने नाबालिग पहलवान की शिकायत पर जो पाकसो एक्ट का मामला दर्ज हुआ था। उसको रद्द करने की अनुशंसा दिल्ली पुलिस ने न्यायालय से की है। दिल्ली पुलिस ने चार्जशीट में स्पष्ट किया है, कि बृजभूषण सिंह के खिलाफ कोई पुख्ता सबूत इस मामले में नहीं मिला। दूसरी चार्जशीट में जिन 6 महिला पहलवानों के यौन उत्पीड़न से संबंधित एफआईआर थी। उसकी चार्जशीट पेश की गई है।दिल्ली पुलिस ने आरोपी के खिलाफ भारतीय दंड संहिता की धारा 354,354ए,109 और 506 के तहत आरोप पत्र न्यायालय में दाखिल किया है।इन धाराओं में पुलिस थाने या मजिस्ट्रेट के यहां से जमानत दिए जाने का प्रावधान है। भारतीय दंड संहिता की धारा 354 ए यौन उत्पीड़न के स्थान पर किसी महिला की लज्जा भंग करने का मामला माना जाता है। जिससे स्पष्ट है कि पुलिस ने यौन अपराधों के मामले में एक तरह से बृजभूषण सिंह को क्लीन चिट दे दी है। पुलिस किस तरह दबाव में काम करती है यह भी स्पष्ट हो गया।

महिला पहलवान पूर्व अध्यक्ष

ब्रजभूषण सिंह चौहान की गिरफ्तारी की मांग पर अड़े हुए थे। करीब 45 दिनों तक बृज भूषण सिंह पर पुलिस द्वारा कोई कार्यवाही नहीं की गई। जबकि पॉक्सो एक्ट में पहले गिरफ्तारी और फिर जांच किए जाने का प्रावधान है। जिस नाबालिग महिला पहलवान की शिकायत पर पाकसो एक्ट लगाया गया था। दिल्ली पुलिस ने ही धारा 164 में उसके दो बयान दर्ज कराए,जो दिल्ली पुलिस की आश्चर्यचकित करने वाली कार्रवाई है। महिला पहलवान लगातार आरोप लगाती रहीं, कि बृजभूषण सिंह द्वारा लगातार उनके ऊपर दबाव बनाया जा रहा है। उन्हें धमकियां दी जा रही हैं।यहां तक कि आरोपी मीडिया में आकर महिला पहलवानों को धमकाता रहा।इसके बाद भी दिल्ली पुलिस उसके बचाव में लगी रही। आरोपी को बचाने के लिए पुलिस ने अपनी चार्जशीट में जो 550 पन्नों की क्लोजर रिपोर्ट दाखिल की है।उसमें पुलिस ने आरोपी का बचाव किया है। भारतीय इतिहास में यह नया मामला है, जिसमें दिल्ली पुलिस आरोपी को बचाने के लिए सबूत एकत्रित कर रही थी। बरहाल इस मामले में जिस तरह से दिल्ली पुलिस ने जांच को अंजाम दिया है। सुप्रीम कोर्ट ने इस मामले में हस्तक्षेप किया।आरोपी खुलेआम महिला पहलवानों को मीडिया के सामने आकर धमकाता रहा। महिला पहलवान जंतर मंतर में कई दिनों तक धरना और आंदोलन करते रहे। किसानों सहित देश के सभी वर्गों का इस आंदोलन को समर्थन मिला। उसके बाद भी जंतर मंतर से महिला पहलवानों को बलपूर्वक घसीटते हुए, गिरफ्तार कर उनका धरना वहां से हटाया गया। देर रात गृहमंत्री ने उन्हें अपने घर पर बुलाकर बातचीत की। उसके बाद दिल्ली पुलिस ने नाबालिग महिला पहलवान को कोर्ट में ले जाकर 164 के बयान दूसरी बार दर्ज कराए। इस सारी कार्रवाई से स्पष्ट है कि सरकार ब्रजभूषण सिंह को बचाने में जरूर सफल हो गई है। लेकिन इस मामले की देश भर में बड़ी प्रतिक्रिया देखने को मिल रही है। भारत में यह आम धारणा बनी कि समर्थ अमीरों के लिए अलग कानून और मध्यम वर्ग तथा गरीबों पर अलग-अलग तरह से कानून लागू किए जाते हैं।यह स्पष्ट हो गया है। इसी तरह महिलाओं को लेकर सरकार का जो नजरिया है। वह भी देश भर की महिलाओं ने जान लिया है। कर्नाटक विधानसभा के चुनाव में इसका असर भी देखने को मिला है।जहां महिलाओं ने भाजपा को वोट नहीं दिए। जिन महिला पहलवानों ने शिकायत की थी। वह अंतरराष्ट्रीय मेडल जीत चुकी थी। देश एवं दुनिया में उनकी एक पहचान थी।उनकी पहुंच प्रधानमंत्री तक थी। इसके बाद भी उन्हें अपने ही देश में न्याय नहीं मिल पाया। एफआइआर कराने के लिए उन्हें सुप्रीम कोर्ट तक जाना पड़ा। दिल्ली पुलिस और सरकार के सामने इन सक्षम महिला पहलवान खिलाड़ियों की, जब कोई हैसियत नहीं रही। ऐसी स्थिति में आम महिलाओं के साथ क्या होता होगा। इसे सारे देश ने जान लिया है। परिणाम समय आने के बाद ही मिलता है। यह जो पूरा घटनाक्रम हुआ है। उसके परिणामों के लिए इंतजार करना पड़ेगा।

रसायानिक खेती का बेहतर विकल्प

'बेंवर खेती'

यह जानकर आपको आश्चर्य होगा कि हमलोग प्रतिदिन 0.5 मिली ग्राम जहर खाते हैं। लेकिन यह सच है। इंटरनेश्नल फाउंडेशन आफ आर्गेनिक एग्रीकल्चर मूवमेंट नामक अंतरराष्ट्रीय संस्था ने आलू के 100 नमूनों में से 12 और टमाटर के 100 नमूनों में से 48 में जहर पाया था। इसी तरह उत्तरप्रदेश के वैज्ञानिकों ने एक शोध में पाया कि हमारे शरीर में साल भर में करीब 174 मिली ग्राम जहर पहुंचता है और यह जहर अगर शरीर में एक साथ पहुंच जाए तो व्यक्ति की मृत्यु सुनिश्चित है। जानते हैं शरीर के अंदर यह जहर दूध, फल, सब्जी और अनाज खाने से धीमे गति से पहुंचता है और यह सब आज के रसायनिक खेती में उपयोग होने वाले उर्वरक के कारण हो रहा है।

देखा जाए तो हम लोग ज्यों-ज्यों विकास की ओर अग्रसर हो रहे हैं, हम अपनी संस्कृति और परंपराओं को पीछे छोड़ते जा रहे हैं। हमने वर्ष 1966-67 में हरित क्रांति का आगाज तो किया, लेकिन अंधाधुंध रसायनों और कीटनाशकों का उपयोग करके। जिसका परिणाम आज फलों व सब्जियों में जहर के रूप में सामने आ रहा है। मौजूदा समय में जरूरत है तो इस रसायनिक खेती के बेहतर विकल्प तलाशने की और वह जैविक खेती के रूप में सामने आ रहा है। अर्थात फिर से प्राकृतिक तरीके से खाद तैयार कर खेती करना। लेकिन हम आदिवासियों की 'बेंवर खेती' को क्यों भूल रहे हैं, जिसमें खेती करने के लिए न तो किसी प्रकार की खाद व दवाई की आवश्यकता पड़ती है और न ही सिंचाई करने के लिए पानी और हल से जोत की जरूरत। उसके बावजूद इसमें बम्पर पैदावार होती है। विशेषकर यह पहाड़ी इलाकों के लिए बेहतर विकल्प बनकर उभर सकता है।

रसायनिक खेती के जहां ज्यादा नुकसान हैं, वहीं बेंवर खेती के कई फायदे हैं। बिना हल चलाए खेती करने से पहाड़ अथवा ढ़लान की मिट्टी के कटाव को रोका जाता है। इसके खेत तैयार करने के लिए न तो पेड़ों को काटा जाता है और न ही जमीन जोती जाती है। इसकी सिंचाई व इसमें खाद डालने के लिए किसानों को सोचना भी नहीं पड़ता है। यह पूरी तरह बारिश पर निर्भर है। इसलिए इस तरह की खेती पहड़ी इलाकों में ज्यादा सुरक्षित है, जहां बारिश समय पर होती है। बेंवर ख़ेती की मिश्रित प्रणाली के कारण फसल में कीड़ा लगने का खतरा भी नहीं रहता है। इसमें बाढ़ व आकाल झेलने की क्षमता भी होती है और यह कम लागत व अधिक उत्पादन की तर्ज पर काम करता है। फिलहाल बैगा आदिवासी इसमें डोंगर, कुटकी, शांवा, सलहार, मंडिया, खास, झुंझरू, बिदरा, डेंगरा, ज्वार, कांग, उड़द, ककड़ी, मक्का, भेजरा सहित सौ से ज्यादा अनाज उगाते हैं। इसके अलावा औषधि की भी खेती करते हैं।

बेंवर खेती के लिए जमीन तैयार करने में भी मशक्कत नहीं करनी पड़ती। मौजूदा खेती की तरह इसमें किसानों को न तो बिजली, पानी के लिए रोना पड़ता है और न ही उर्वरक लेने के लिए मारामारी करनी पड़ती है। इसमें सबसे पहले खेती की जमीन पर छोटे-छोटे पेड़ों व झाड़ियों को काटकर बिछाया जाता है, फिर झाड़ियां सूखने के बाद उसमें आग लगा दी जाती है। आग जलने के बाद राख की वहां एक परत बन जाती है, जिसमें बरसात शुरू होने से एक सप्ताह पहले विभिन्न किस्मों के बीज मिलाकर उसे खेत में छिड़क दिया जाता है। बारिश के बाद उसमें फसल लहलहाने लगता है।

आज भी इस तरह की खेती आदिवासी इलाकों में होती है। यह जैविक खेती का ही एक रूप है। डिंडौरी जिले के समनापुर विकासखंड के कई गांवों में बैगा आदिवासी इस तरह की खेती करके अनाज का उत्पादन करते हैं और अपनी आजीविका चलाते हैं। 'बेंवर खेती' पूरी तरह से जैविक, पारिस्थितिक, प्रकृति के अनुकुल और मिश्रित खेती है। इसकी खासियत यह है कि इस खेती में एक साथ 16 प्रकार के बीजों का इस्तेमाल किया जाता है, उनमें कुछ बीज अधिक पानी में अच्छी फसल देता है, तो कुछ बीज कम पानी होने या सूखा पड़ने पर भी अच्छा उत्पादन करता है। इससे खेत में हमेशा कोई-न-कोई फसल लहलहाते रहता है। इससे किसानों के परिवार को भूखे मरने की नौबत भी नहीं आती और न ही किसान को आत्महत्या करने की स्थिति उत्पन्न होती है। फिलहाल इस तरह की खेती पर रोक लगी हुई है। सन् 1864 में अंग्रेजों के वन कानून ने इस पर रोक लगा दी है। उसके बाद भी डिंडौरी जिले के बैगाचक और बैगाचक से लगे छत्तीसगढ़ के कवर्धा जिले में कुछ बैगा जनजाति 'बेंवर खेती' को अपनाए हुए है। सरकार को चाहिए की इसे बढ़ावा दे और इससे शहरी किसानों को भी जोड़े।

लेकिन हम आदिवासियों की 'बेंवर खेती' को क्यों भूल रहे हैं, जिसमें खेती करने के लिए न तो किसी प्रकार की खाद व दवाई की आवश्यकता पड़ती है और न ही सिंचाई करने के लिए पानी और हल से जोत की जरूरत। उसके बावजूद इसमें बम्पर पैदावार होती है। विशेषकर यह पहाड़ी इलाकों के लिए बेहतर विकल्प बनकर उभर सकता है।

रसायनिक खेती के जहां ज्यादा नुकसान हैं, वहीं बेंवर खेती के कई फायदे हैं। बिना हल चलाए खेती करने से पहाड़ अथवा ढ़लान की मिट्टी के कटाव को रोका जाता है। इसके खेत तैयार करने के लिए न तो पेड़ों को काटा जाता है और न ही जमीन जोती जाती है। इसकी सिंचाई व इसमें खाद डालने के लिए किसानों को सोचना भी नहीं पड़ता है। यह पूरी तरह बारिश पर निर्भर है। इसलिए इस तरह की खेती पहड़ी इलाकों में ज्यादा सुरक्षित है, जहां बारिश समय पर होती है। बेंवर ख़ेती की मिश्रित प्रणाली के कारण फसल में कीड़ा लगने का खतरा भी नहीं रहता है। इसमें बाढ़ व आकाल झेलने की क्षमता भी होती है और यह कम लागत व अधिक उत्पादन की तर्ज पर काम करता है। फिलहाल बैगा आदिवासी इसमें डोंगर, कुटकी, शांवा, सलहार, मंडिया, खास, झुंझरू, बिदरा, डेंगरा, ज्वार, कांग, उड़द, ककड़ी, मक्का, भेजरा सहित सौ से ज्यादा अनाज उगाते हैं। इसके अलावा औषधि की भी खेती करते हैं।

बेंवर खेती के लिए जमीन तैयार करने में भी मशक्कत नहीं करनी पड़ती। मौजूदा खेती की तरह इसमें किसानों को न तो बिजली, पानी के लिए रोना पड़ता है और न ही उर्वरक लेने के लिए मारामारी करनी पड़ती है। इसमें सबसे पहले खेती की जमीन पर छोटे-छोटे पेड़ों व झाड़ियों को काटकर बिछाया जाता है, फिर झाड़ियां सूखने के बाद उसमें आग लगा दी जाती है। आग जलने के बाद राख की वहां एक परत बन जाती है, जिसमें बरसात शुरू होने से एक सप्ताह पहले विभिन्न किस्मों के बीज मिलाकर उसे खेत में छिड़क दिया जाता है। बारिश के बाद उसमें फसल लहलहाने लगता है।

आज भी इस तरह की खेती आदिवासी इलाकों में होती है। यह जैविक खेती का ही एक रूप है। डिंडौरी जिले के समनापुर विकासखंड के कई गांवों में बैगा आदिवासी इस तरह की खेती करके अनाज का उत्पादन करते हैं और अपनी आजीविका चलाते हैं। 'बेंवर खेती' पूरी तरह से जैविक, पारिस्थितिक, प्रकृति के अनुकुल और मिश्रित खेती है। इसकी खासियत यह है कि इस खेती में एक साथ 16 प्रकार के बीजों का इस्तेमाल किया जाता है, उनमें कुछ बीज अधिक पानी में अच्छी फसल देता है, तो कुछ बीज कम पानी होने या सूखा पड़ने पर भी अच्छा उत्पादन करता है। इससे खेत में हमेशा कोई-न-कोई फसल लहलहाते रहता है। इससे किसानों के परिवार को भूखे मरने की नौबत भी नहीं आती और न ही किसान को आत्महत्या करने की स्थिति उत्पन्न होती है। फिलहाल इस तरह की खेती पर रोक लगी हुई है। सन् 1864 में अंग्रेजों के वन कानून ने इस पर रोक लगा दी है। उसके बाद भी डिंडौरी जिले के बैगाचक और बैगाचक से लगे छत्तीसगढ़ के कवर्धा जिले में कुछ बैगा जनजाति 'बेंवर खेती' को अपनाए हुए है। सरकार को चाहिए की इसे बढ़ावा दे और इससे शहरी किसानों को भी जोड़े।

सब्जियों की खेती के लिए तैयार करें पौधशाला

सब्जियों की खेती के लिए पौधशाला या नर्सरी में पौध तैयार करना एक कला है। इसे अच्छी तरह से तैयार करने के लिए तकनीकी जानकारी का होना आवश्यक है। सब्जियों की नर्सरी को मौसम और बेमौसम की दशा में सफलतापूर्व तैयार करने के लिए वैज्ञानिक तकनीकी अपनाकर किसान अच्छी खेती कर सकते हैं।

सब्जियों की खेती दो प्रकार से की जाती है। पहली में सब्जियों के बीजों को सीधा खेत में बिजाई कर दी जाती है जैसे - मटर, भिंडी, लोबिया, गाजर, मूली, शलगम व कद्दूवर्गीय फसलें, पत्ते वाली सब्जियां व फ्रेंच बीन आदि। दूसरे प्रकार में पहले बीजों को पौधशाला में बिजाई करके पौध तैयार की जाती है उसके बाद पौध की खेत में रोपई की जाती है जैसे - फूलगोभी, पत्तागोभी, ब्रोकली, टमाटर, बैगन, मिर्च, शिमला मिर्च, प्याज व गांठगोभी आदि।

उत्तर भारत में फूलगोभी व मिर्च की अगेती व मध्यकाल फसल की पौध तैयार करने के समय अधिक गर्मी के साथ-साथ वर्षा भी होती रहती है जिससे नर्सरी में आर्द्रगलन रोग लग जाने के कारण काफी पौध मर जाती है।

पौधशाला तैयार करने का स्थान-

पौधशाला या नर्सरी हमेशा ऊंचे स्थान पर तैयार करें जिसमें पानी ना भर सके तथा उसका उचित जल निकास हो सके। नर्सरी के नजदीक छायादार वृक्ष नहीं होने चाहिए। नर्सरी की भूमि बलुई दोमट व पीएच मान छह से सात के बीच होना चाहिए। नर्सरी को जहां तक हो उसी खेत के किनारे तैयार करना चाहिए जहां उनकी रोपाई करनी है।

सब्जियों की स्वस्थ पौध तैयार करने के लिए आवश्यक बातें -

बीज की बिजाई करने से पहले बीज जनित व्याधियों से बचाने के लिए बीज का उपचार करना चाहिए। इसके लिए दो ग्राम कैप्टान, भाहरम या बापस्टिन प्रति किलोग्राम बीज में करना चाहिए।

सब्जियों की पौध तैयार करने के लिए तीन गुणा एक मीटर लम्बाई व चौड़ाई की क्यारियां बनानी चाहिए। बीच में एक फुट रास्ता खर पतवार निकालने व निराई-गुड़ाई के लिए छोडऩा चाहिए।

तीन मीटर लम्बी क्यारी के लिए दस किलोग्राम गोबर की सड़ीगली खाद व पौषकतत्व सौ ग्राम यूरिया, 150 ग्राम डीएपी व 120 ग्राम स्यूरेट आफ पोचश प्रति क्यारी की दर से मिलाकर क्यारी तैयार करनी चाहिए।

नर्सरी में पौध को रोगों से बचाने के लिए क्यारियों की मिट्टी का उपचार अवश्य करवा लें। पौध खेत में लगाने के लिए पंद्रह दिन पहले नर्सरी की सिंचाई में कमी कर दें। पौध उखाडऩे के 24 घंटे पहले खेत में खुला पानी लगा दें ताकी पौधों की जड़ों को नुकसान ना पहुंचे। पौध की रोपाई हमेशा शाम के समय करें। पौध लगाने के बाद हल्की सिंचाई करें।

अगर किसान भाई उपरोक्त बातों का ध्यान रखते हैं एक तो पौध सारी की सारी कामयाब होगी, मरने की संभावना इसमें काफी कम रहती है। इसके साथ ही साथ खेत में पौध का जमाव भी अच्छा होगा। इस प्रकार फसल अच्छी होगी और किसान भाई निर्धारित खर्च में अच्छा मुनाफा कमाने में सफल होंगे।

चीनी अर्थव्यवस्था के विकास की रफ्तार हो रही कम

मुंबई । चीनी अर्थव्यवस्था के विकास की रफ्तार कम होती नजर आ रही है। दुनिया की दूसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था कोविड के बाद से लड़खड़ा रही है और इसमें सुधार की दर धीमी है। हाल ही में जारी किए गए मई के आंकड़ों ने इस धारणा को और मजबूती दी, जिसके बाद चार प्रमुख पश्चिमी बैंकों ने चीन के लिए अपने 2023 सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) के विकास के पूर्वानुमान में कटौती की है। यूबीएस, स्टैंडर्ड चार्टर्ड, बैंक ऑफ अमेरिका और जेपी मॉर्गन अब उम्मीद करते हैं कि चीन की जीडीपी वृद्धि इस साल 5.2 फीसदी से 5.7 फीसदी के बीच होगी, जो पहले 5.7 फीसदी से 6.3 फीसदी के बीच थी। चीन में कारखाना गतिविधियों में मई में गिरावट आई है। इससे यह संकेत मिलता है कि वायरस नियंत्रण उपायों के समाप्त होने के बाद चीन का आर्थिक पुनरुद्धार सुस्त पड़ा है। 2022 के अपने लक्ष्य से बुरी तरह चूकने के बाद चीनी सरकार ने इस वर्ष के लिए लगभग 5 फीसदी का मामूली सकल घरेलू उत्पाद विकास लक्ष्य निर्धारित किया है। यूबीएस के अर्थशास्त्रियों ने अपने सकल घरेलू उत्पाद के पूर्वानुमान को 5.7 फीसदी से घटाकर 5.2 फीसदी कर दिया और एक नोट में कहा कि उन्हें और अधिक नीतिगत समर्थन मिलने की उम्मीद है।

भारत के कर्ज का बोझ कम होगा: रेटिंग एजेंसी

मुंबई । रेटिंग एजेंसी मूडीज का अनुमान है कि भारत के कर्ज के बोझ में कमी आएगी। हालांकि, भारत की राजकोषीय मजबूती के लिए कर्ज का सस्ता होना जरूरी है। रिपोर्ट के मुताबिक भारत के सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) में तीव्र वृद्धि देश के कर्ज बोझ में गिरावट के अनुमानों का एक प्रमुख बिंदु है। वर्तमान मूल्य पर जीडीपी वृद्धि दर 11 फीसदी रहने का अनुमान है। भारत में सामान्य सरकारी कर्ज अपेक्षाकृत ऊंचे स्तर पर है। 2022-23 के लिए यह जीडीपी का लगभग 81.8 फीसदी रहा है, जबकि बीएए-रेटिंग के लिए इसका औसत लगभग 56 फीसदी है। रेटिंग एजेंसी ने भारत को स्थिर परिदृश्य के साथ बीएए3 की क्रेडिट रेटिंग दी हुई है। बीएए3 निवेश योग्य सबसे निचली रेटिंग है। मूडीज के प्रतिनिधि रेटिंग में सुधार पर शुक्रवार को सरकार के अधिकारियों से भी मिलने वाले हैं। इस मुलाकात को रेटिंग में सुधार की पहल के तौर पर देखा जा रहा है।

आरबीआई ने दो एनबीएफसी के खिलाफ की कड़ी कार्रवाई

मुंबई । भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) की ओर से दो नॉन-बैंकिंग फाइनेंस कंपनी (एनबीएफसी) के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की गई है। आरबीआई की ओर से बताया गया कि पुणे स्थित कुडोस फाइनेंस एंड इंवेस्टमेंट्स प्राइवेट लिमिटेड और मुंबई स्थित क्रेडिट गेट प्राइवेट लिमिटेड का पंजीकरण रद्द कर दिया गया है। दोनों एनबीएफसी ऋण देने में विनियामक चूक में शामिल थीं। रिजर्व बैंक की ओर से जारी बयान में कहा गया है कि सर्टिफिकेट ऑफ रजिस्ट्रेशन रद्द होने के बाद दोनों एनबीएफसी गैर-बैंकिंग वित्तीय संस्थानों (एनबीएफआई)का कारोबार नहीं कर सकती हैं। केंद्रीय बैंक ने कहा` कि एनबीएफसी का रजिस्ट्रेशन सर्टिफिकेट रद्द कर दिया गया है। थर्ड पार्टी एप के माध्यम से डिजिटल ऋण संचालन के कार्य में आउटसोर्सिंग एवं निष्पक्ष व्यवहार गतिविधियों पर आरबीआई के दिशा-निर्देशों के उल्लंघन के कारण पंजीकरण रद्द किया गया है। आरबीआई के मुताबिक ऊपर बताई गई दोनों एनबीएफसी भी ज्यादा ब्याज वसूलने के मौजूदा नियमों का पालन नहीं कर रही थीं। साथ ही कर्ज वसूली को लेकर ग्राहकों को बेवजह परेशान किया गया। फरवरी की शुरुआत में आरबीआई ने क्रेजीबी सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड पर 42.48 लाख रुपए का जुर्माना लगाया था। क्रेजीबी के रिकवरी एजेंट द्वारा लोन वसूली के समय ग्राहकों को परेशान करने का मामला सामने आया था।

प्रमुख 100 कंपनियों को अफवाहों पर देना होगा स्पष्टीकरण: सेबी

नई दिल्ली ।(एजेंसी)

बाजार नियामक सेबी ने बाजार पूंजीकरण के हिसाब से शीर्ष 100 सूचीबद्ध कंपनियों को एक अक्टूबर से बाजार में उनके बारे में फैली किसी भी अफवाह की पुष्टि करने, खारिज करने या स्पष्टीकरण देने का निर्देश दिया है। भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) ने खुलासा जरूरतों को सुव्यवस्थित करने के लिए ये नियम अधिसूचित कर दिए हैं। इसके बाद शीर्ष 250 कंपनियों के लिए यह नियम एक अप्रैल, 2024 से प्रभावी होगा। अधिसूचना के अनुसार इन कंपनियों को मुख्य धारा की मीडिया के माध्यम से निवेश करने वाले लोगों में फैल रही किसी सूचना या कथित घटना के संबंध में सूचना मिलने के 24 घंटे के अंदर उसकी पुष्टि, खारिज या स्पष्टीकरण देना होगा। सूचीबद्ध संस्थाओं में कॉरपोरेट प्रबंधन को मजबूत करने के लिए सेबी ने विशेष अधिकारों का लाभ उठा रहे कुछ शेयरधारकों का मुद्दा सुलझाने के लिए एक रूपरेखा भी तैयार की है। इसके मुताबिक किसी सूचीबद्ध इकाई के शेयरधारकों को दिया गया कोई विशेष अधिकार हर पांच साल में इस तरह के विशेष अधिकार

के अनुदान की तारीख से शुरू होने वाले एक विशेष संकल्प के माध्यम से आमसभा में शेयरधारकों के अनुमोदन के अधीन होगा।

घरेलू हवाई यात्रियों की संख्या में 15 फीसदी की बढ़ोतरी

मुंबई । भारत में घरेलू उड़ानों में मई महीने में 132.67 लाख लोगों ने यात्रा की, जो पिछले वर्ष समान महीने की तुलना में 15 प्रतिशत अधिक है। नागर विमानन महानिदेशालय (डीजीसीए) ने कहा कि देश में घरेलू हवाई यात्रियों की संख्या एक साल पहले मई, 2022 में 114.67 लाख रही थी। किफायती एयरलाइन इंडिगो की बाजार हिस्सेदारी मई, 2022 के 57.5 प्रतिशत से बढ़कर पिछले महीने 61.4 प्रतिशत हो गई। इंडिगो की उड़ानों से मई, 2023 में 81.10 लाख यात्रियों ने यात्रा की। पिछले महीने विमानन कंपनी गोफर्स्ट के लिए दिवाला कार्यवाही भी शुरू हुई थी। गोफर्स्ट की उड़ान सेवाएं तीन मई से बंद हैं। टाटा समूह की तीनों एयरलाइन एयर इंडिया, एयरएशिया इंडिया और विस्तार की बाजार हिस्सेदारी भी सालाना आधार पर क्रमशः 9.4 प्रतिशत, 7.9 प्रतिशत और नौ प्रतिशत हो गई है। आंकड़ों के अनुसार जहां एयर इंडिया से मई में कुल 12.44 लाख लोगों ने यात्रा की, वहीं विस्तार से 11.95 लाख लोगों ने यात्रा की। एयर एशिया से 10.41 लाख लोगों ने यात्रा की। टाटा समूह की तीनों विमानन कंपनियों से मई में कुल 34.8 लाख लोगों ने यात्रा की जो कुल घरेलू हवाई यात्रियों का 26.3 प्रतिशत है।

कई क्षेत्रों में 20 प्रतिशत से अधिक दर से बढ़ रहा औसत पूंजी निवेश

चेन्नई । मुख्य आर्थिक सलाहकार (सीईए) वी अनंत नागेश्वरन ने कहा कि कई क्षेत्रों में औसत पूंजी निवेश 20 प्रतिशत से अधिक दर से बढ़ रहा है और कई संकेतक भारतीय अर्थव्यवस्था के रफ्तार में होने की तरफ इशारा कर रहे हैं। इसके साथ ही उन्होंने उम्मीद जताई कि चालू वित्त वर्ष में राजकोषीय घाटे को कम करके 5.9 प्रतिशत और वित्त वर्ष 2025-26 में 4.5 प्रतिशत पर लाने का वित्त मंत्रालय का लक्ष्य हासिल कर लिया जाएगा। नागेश्वरन ने उद्योग मंडल फिक्की की तरफ से आयोजित एक परिचर्चा में कहा कि पिछले वर्ष कई क्षेत्रों में औसत पूंजी निवेश में 20 प्रतिशत से अधिक वृद्धि हुई। उन्होंने कहा कि वित्त वर्ष 2022-23 में होटल और आतिथ्य क्षेत्र में तो पूंजीगत व्यय एक साल पहले की तुलना में 80 प्रतिशत से भी अधिक रहा। कोविड-पूर्व दौर में आतिथ्य क्षेत्र में जहां कुल रोजगार चार करोड़ था और महामारी के दौरान यह घटकर 2.9 करोड़ रह गया था, वह अब बढ़कर 4.5 करोड़ हो चुका है। आतिथ्य क्षेत्र में कोविड से पहले की तुलना में अब 50 लाख ज्यादा लोगों को रोजगार मिला है। मुख्य आर्थिक सलाहकार ने कहा कि निर्माण क्षेत्र काफी तेजी से बढ़ रहा है और विदेशी पर्यटकों का आगमन अब महामारी-पूर्व के रुझानों तक पहुंच रहा है। जहां उद्योग की वृद्धि दर तेल की ऊंची कीमतों के कारण अस्थायी रूप से धीमी पड़ती दिख रही है वहीं सेवा क्षेत्र की वृद्धि काफी मजबूत है और कृषि क्षेत्र में भी वृद्धि तीन-चार प्रतिशत के बीच बनी हुई है। उन्होंने भारत को एक खुली अर्थव्यवस्था बताते हुए कहा कि भारत इस वर्ष वैश्विक सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) में योगदान के मामले में तीसरा सबसे बड़ा देश बनने वाला है। इसमें भारत की डिजिटल स्वीकार्यता महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी।

शेयर बाजार तेजी के साथ बंद

सेंसेक्स 63,000 से ऊपर निकला

मुम्बई ।(एजेंसी)

शेयर बाजार सप्ताह के अंतिम कारोबारी दिन शुक्रवार को भारी उछाल के साथ बंद हुआ। बाजार में ये तेजी बैंकिंग, एफएमसीजी स्टॉक्स में हुई जमकर लिवाली (खरीदारी) से आई है। आज कारोबार के दौरान तीस शेयरों वालाबीएसई सेंसेक्स एक बार फिर 63,000 अंक के ऊपर निकल गया और 467 अंकों की तेजी के साथ ही 63,385 अंकों पर बंद हुआ जबकि पचास शेयरों वाला नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी भी 138 अंक ऊपर आकर 18,826 अंकों पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान बैंक निफ्टी करीब 500 अंक तकरीबन 495 अंक बढ़कर 53,938 अंकों पर पहुंच गया। बैंकिंग के अलावा ऑटो, फार्मा, एफएमसीजी, मेटल्स, मीडिया, एनर्जी, इंफ्रा, कंज्यूमर ड्यूरेबल्स, हेल्थकेयर और ऑयल एंड गैस क्षेत्र के शेयरों में भी उछाल रहा जबकि आईटी, रियल एस्टेट के शेयरों में गिरावट रही। मिड कैप इंडेक्स दिन में अपने उच्च स्तर पर पहुंच गया। यह 237 अंकों के उछाल के साथ 35,144 अंकों पर बंद हुआ। स्मॉल कैप इंडेक्स भी शानदार तेजी के साथ बंद हुआ है। सेंसेक्स के 30 शेयरों में से 26 लाभ के साथ और 4 नीचे आये जबकि निफ्टी के 50 शेयरों में 39 शेयर तेजी के साथ और 11 शेयर गिरावट पर बंद हुए। बाजार में अच्छी तेजी के कारण बीएसई पर लिस्टेड कंपनियों का मार्केट कैप रिकॉर्ड हाई पर बंद हुआ है। बीएसई का मार्केट कैप बाजार बंद होने पर 292.73 लाख करोड़ रुपए पर पहुंच गया। वहीं गत दिवस बीएसई पर लिस्टेड कंपनियों का मार्केट कैप घटकर 290.91 लाख करोड़ रुपए था। आज के कारोबारी सत्र में निवेशकों की संपत्ति में 1.82 लाख करोड़ रुपए की बढ़त आई है। कारोबार के दौरान सेंसेक्स के शेयरों में से 26 शेयर लाभ के साथ ही हरे निशान पर बंद हुए। बजाज फिनसर्व के शेयर सबसे अधिक 2.21 फीसदी तक बढ़े, इसके अलावा टाइटन, कोटक बैंक, एचडीएफसी बैंक और इंडसइंड बैंक के शेयरों सबसे अधिक लाभ वाले पांच शेयरों में रहे। सबसे ज्यादा लाभ बजाज फिनसर्व के शेयरों को हुआ। इसके शेयर करीब चढ़े। वहीं दूसरी ओर सेंसेक्स के शेयरों में से केवल 4 शेयर ही नुकसान के साथ ही लाल निशान पर बंद हुए। विप्रो के शेयर सबसे ज्यादा

1.94 फीसदी गिरे, इसके अलावा टीसीएस, पावर ग्रिड और टेक महिंद्रा के शेयरों को सबसे ज्यादा नुकसान हुआ। इससे पहले आज सुबह दुनिया भर के बाजारों से` मिले अच्छे संकेतों की वजह से बाजार की मजबूती के साथ शुरुआत हुई। बीएसई सेंसेक्स करीब 200 अंकों की मजबूती के साथ 63,100 पर कारोबार कर रहा था। वहीं निफ्टी भी 50 अंक चढ़कर 18,750 के पास पहुंच गया है। बाजार की चौतरफा खरीदारी में मेटल, फार्मा, रियल्टी स्टॉक्स सबसे आगे हैं। निफ्टी में डॉ रेड्डीज, हिंडाल्को और डिवीज लैब के शेयर टॉप गेनर्स हैं। वहीं गत दिवस गुरुवार को बीएसई सेंसेक्स गिरावट पर बंद हुआ था।

जीएसटी काउंसिल की बैठक 11 जुलाई को दिल्ली में

नई दिल्ली ।(एजेंसी)

जीएसटी काउंसिल ने कहा है कि वह 11 जुलाई को केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण की अध्यक्षता में एक बैठक आयोजित करेगी। काउंसिल की यह 50वीं बैठक दिल्ली के विज्ञान भवन में होगी। काउंसिल ने ट्वीट कर यह जानकारी दी है। सूत्रों के अनुसार इस बैठक का मुख्य अजेंडा अपीलीय ट्रिब्यूनल की स्थापना में तेजी लाना और इस बारे में राज्यों के बीच सहमति बनाना होगा। हालांकि, रोजमर्रा की चीजों के टैक्स रेट में बदलाव को लेकर स्थिति साफ नहीं है। दिल्ली से आने वाले सामान पर जीएसटी चोरी हो रही है। इस चोरी को छुपाने के लिए कई करोड़ की हर महीने अवैध वसूली की जा रही है। सामान की ढुलाई बिल नहीं बल्कि बिल्टी पर हो रही है। रोजाना सैकडों ट्रक करोड़ों रुपए की टैक्स चोरी कर रहे हैं। टैक्स चोरी की कार्रवाई करने वाले सभी विभाग इस खेल में शामिल हैं। ट्रांसपोर्टर की तरफ से हर महीने 100 करोड़ रुपए सुविधा शुल्क दिया जा रहा है। अवैध वसूली के इस खेल में एक अधिकारी पहले से ही जेल में बंद है। दिल्ली से रोजाना दवाइयां, गुटका, पान मसाला और परचून के सामान की ढुलाई की जाती है। ट्रक रात के 10 बजे सामान लेकर फरीदाबाद और पलवल की तरफ चलते हैं। इनमें भरे सामान का व्यापारी बिल नहीं कटवाते हैं। सामान को बड़े-बड़े कार्टन में पैक करते हैं। इनकी ट्रांसपोर्टर बिल्टी

काटकर ट्रक ड्राइवरों को थमा देते हैं।

इससे बिल पर लगने वाली जीएसटी की चोरी की जाती है। अनुमान है कि हर महीने 100 करोड़ रुपए से अधिक का सुविधा शुल्क दिया जाता है। चार महीने पूर्व एंटी करप्शन ब्यूरो ने आईआरएस धीरज गर्ग ट्रांसपोर्टरों से अवैध वसूली के आरोप में गिरफ्तार किया था। बताया गया कि अवैध वसूली का खेल करीब एक हजार करोड़ रुपए के आसपास था।

एलन मस्क ने टोयोटो को अमेरिकन चार्जिंग स्टैंडर्ड में शामिल होने का दिया ऑफर

वाशिंगटन । विश्व के सबसे अमीर शख्स और टेस्ला के सीईओ एलन मस्क ने जापानी कार निर्माता टोयोटा को अमेरिकन चार्जिंग स्टैंडर्ड (एनएसीएस) में शामिल होने का ऑफर दिया है। हालांकि अभी टोयोटा की तरफ से इस ऑफर को कोई जवाब नहीं दिया गया है। फोर्ड की फ्री रिपोर्ट और जनरल मोटर्स की फ्री रिपोर्ट, डेट्रॉइट के बिग थ्री के दो मुख्य सदस्यों का मानना है कि टेस्ला के असाधारण मार्केट कैपिटल के बावजूद ऑटोमोबाइल इंड्रस्टी में वे अपने नेतृत्व को बनाए रख सकते हैं। दोनों दिग्गज कार निर्माताओं ने 20 साल के बाद आखिरकार स्वीकार किया है कि जब ऑटोमोबाइल इंड्रस्टी की बात आती है तो टेस्ला अब बेंचमार्क है। यह मान्यता दो अभूतपूर्व समझौतों के रूप में सामने आई। दोनों दिग्गज कार निर्माता के ग्राहक टेस्ला सुपरचार्जर नेटवर्क का उपयोग करके अपने इलेक्ट्रिक वाहनों की बैटरी को रिचार्ज करने में सक्षम होंगे। इस समझौतों की शुरुआत 2024 से होगी। टेस्ला सुपरचार्जर नेटवर्क के पूरे अमेरिका में लगभग 17,000 स्टेशन हैं, जो अमेरिका में चार्जिंग स्टेशनों का सबसे बड़ा नेटवर्क बनाता है। हालांकि जीए और फोर्ड ग्राहकों के पास केवल 12,000 सुपरचार्जर्स तक ही पहुंच होगी।

रामदेव ने पतंजलि का नया प्रीमियम प्रोडक्ट लांच किया

कंपनी का लक्ष्य पांच वर्षों में 50 हजार करोड़ रुपये का कारोबार

मुंबई ।(एजेंसी)

योग गुरु बाबा रामदेव ने पतंजलि का नया प्रीमियम प्रोडक्ट लांच किया। उन्होंने बताया कि उनका लक्ष्य है कि कंपनी आने वाले पांच वर्षों में 50 हजार करोड़ रुपये का कारोबार करे। कंपनी की ओर से बताया गया कि विश्व की प्रमुख कंपनियों के साथ गठजोड़ के साथ इन विश्व स्तरीय उत्पादों की लॉन्चिंग कंपनी को अगले स्तर पर ले जाएगी। भारत के सबसे भरोसेमंद ब्रांड पतंजलि और न्यूट्रेला की उच्च क्षमता की प्राप्ति को समृद्ध करेगी। बाबा ने कहा कि आज भारत की तरफ पूरी दुनिया देख रही है। भारत के लोहे को पूरी दुनिया मान रही है। उन्होंने कहा कि पहले भारत को हीन नजर से देखा जाता था। लेकिन आज हम सब मिलकर भारत को विश्व गुरु बनाने की राह पर आगे बढ़ रहे हैं। आज भारत में निर्मित सामान पूरी दुनिया में बिक रहा है और हम तमाम विदेशी कंपनियों को पीछे छोड़ते जा रहे हैं। बाबा ने कहा कि भारत में पहले विदेशी कंपनियों का कब्जा था। एक बिस्किट से लेकर घी, तेल, आटा और चावल सहित पूरी रसोई विदेशी कंपनियों के सामान से भरी रहती थीं, लेकिन पतंजलि के उत्पादों ने आज पूरी स्थिति ही बदल दी है। आज घर-घर में पतंजलि का सामान देखने को मिल रहा है। यह भारत को आत्मनिर्भर बना रहा है और पूरी दुनिया को भारतीय संस्कृति के बारे में बता रहा है। वहीं योग दिवस पर योग गुरु रामदेव ने कहा कि आत्मनिर्भरता के लिए योग जरूरी है। इसके अलावा उन्होंने कहा कि जब हमने कहा था कि हम यूनिलीवर को पीछे छोड़ देने वाले हैं, तब हमारा किसी ने विश्वास नहीं किया। हम बहुत जल्द यूनिलीवर को पीछे छोड़ने वाले हैं। क्योंकि अभी यही कंपनी हमारी कंपनी से आगे है, बाकी विदेशी कंपनियो से हमने शीर्षासन

करा दिया है। पतंजलि एक बड़ी कंपनी बनने की ओर अग्रसर है। स्वामी रामदेव के मार्गदर्शन में पतंजलि फूड्स लिमिटेड अपने प्रीमियमाइजेशन ड्राइव के अंतर्गत उपभोक्ताओं के लिए न्यूट्रास्यूटिकल्स, हेल्थ बिस्कुट, न्यूट्रेला के बाजरे से बने उत्पाद और प्रीमियम सूखे मेवों में नए उत्पादों की लॉन्चिंग की गई।

मेहुल चोकसी के बैंक, डीमैट और म्यूचुअल फंड खातों की होगी कुर्की

मुंबई ।(एजेंसी)

भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) ने भगोड़े कारोबारी मेहुल चोकसी से बकाया 5.35 करोड़ रुपए की वसूली करने के लिए उसके बैंक खातों और शेयरों एवं म्यूचुअल फंड खातों को कुर्क करने के आदेश दिया है। सेबी का यह आदेश चोकसी पर लगे जुर्माने को अदा नहीं करने पर आया है। सेबी ने गीतांजलि जेम्स लिमिटेड के शेयर के कारोबार से संबंधित धोखाधड़ी के एक मामले में अक्टूबर, 2022 में चोकसी पर जुर्माना लगाया था। सेबी ने भेजे इस नोटिस में कहा कि 5.35 करोड़ रुपए के बकाया में पांच करोड़ रुपए का शुरुआती जुर्माना, 35 लाख रुपए ब्याज और 1,000 रुपए की वसूली लागत है। चोकसी गीतांजलि जेम्स का चेयरमैन और प्रबंध निदेशक होने के साथ-साथ प्रवर्तक समूह का हिस्सा भी था। वह एक अन्य भगोड़े कारोबारी नीरव मोदी का मामा है। दोनों पर सार्वजनिक क्षेत्र की पंजाब नेशनल बैंक (पीएनबी) में 14,000 करोड़ रुपए से ज्यादा की धोखाधड़ी करने का आरोप है। चोकसी और नीरव मोदी 2018 की शुरुआत में पीएनबी घोटाला सामने आने के बाद भारत से फरार हो गए थे। जहां चोकसी के एंटीगुआ एवं बरबुडा में होने की बात कही जा रही है वहीं नीरव मोदी ब्रिटेन की जेल में बंद है और उसने भारत की प्रत्यर्पण याचिका को चुनौती दी है। बता दें कि मेहुल चोकसी एक इंटरनेशनल हीरा कारोबारी है। उसका हीरा कारोबार इटली, चीन, जापान, हांगकांग, थाईलैंड, अमेरिकी जैसे देशों में फैला है। मेहुल चोकसी गीतांजलि ग्रुप का मालिक है। मेहुल ने अपने गीतांजे लि जेम्स ब्रांड से 70 से अधिक ब्रांड डेवलप किए। भारत के अलावा दुनिया के कई देशों में इस ब्रांड के स्टोर थे।

भारत और चीन ने मई में रूस का 80 प्रतिशत तेल खरीदा: आईईए

नई दिल्ली ।(एजेंसी)

दुनिया के प्रमुख तेल उपयोगकर्ताओं भारत और चीन ने मई में रूस का 80 प्रतिशत तेल खरीदा। अंतरराष्ट्रीय ऊर्जा एजेंसी (आईईए) ने एक रिपोर्ट में कहा कि मॉस्को ने यह जानकारी दी। गौरतलब है कि रूस दोनों देशों को भारी छूट के साथ कच्चा तेल दे रहा है। पेरिस स्थित ऊर्जा एजेंसी ने अपनी ताजा तेल बाजार रिपोर्ट में कहा` कि भारी छूट वाले रूसी कच्चे तेल को मुख्य रूप से एशिया में नए खरीदार मिले हैं। भारत जहां पहले रूस से न के बराबर खरीदारी करता था, वहीं अब वह प्रतिदिन लगभग 20 लाख बैरल तेल खरीद रहा है। दूसरी ओर चीन ने खरीदारी बढ़ाकर पांच लाख बैरल प्रतिदिन से 22 लाख बैरल प्रतिदिन कर दी है। मई में रूस के समुद्री कच्चे तेल का निर्यात औसतन 38.7 लाख बैरल प्रतिदिन रहा, जो फरवरी 2022 में रूस के यूक्रेन पर आक्रमण के बाद सबसे अधिक है। आईईए ने कहा` कि मई 2023 में भारत और चीन की रूसी कच्चे तेल के निर्यात में लगभग 80 प्रतिशत हिस्सेदारी थी। भारत और चीन के कुल आयात में रूसी तेल की हिस्सेदारी क्रमशः 45 प्रतिशत और 20 प्रतिशत रही। रूसी कच्चे तेल का प्रमुख बाजार यूरोप था, जहां उसे प्रतिबंधों का सामना करना पड़ रहा है। ऐसे में रूस का 90 प्रतिशत से अधिक कच्चा तेल अब एशियाई देश खरीद रहे हैं।

अमेरिकी अदालत ने ट्वीटर को ऑफिस खाली करने का दिया आदेश

वाशिंगटन ।(एजेंसी)

अमेरिका की एक अदालत ने एलन मस्क द्वारा संचालित ट्विटर को किराया नहीं देने पर ऑफिर बिल्डिंग छोड़ने का निर्देश दिया है। एक रिपोर्ट के मुताबिक ट्वीटर ऑफिस के मकान मालिक को फरवरी 2020 में 968,000 डॉलर का लेटर ऑफ क्रेडिट प्रदान किया था। मार्च में पैसा खत्म हो गया और माइक्रो-ब्लॉगिंग प्लेटफॉर्म ने तब से किराए का भुगतान नहीं किया है, जो लगभग 27, 000 डॉलर प्रति माह है। मई महीने में मकान मालिक ट्वीटर के खिलाफ अदालत में गया और न्यायाधीश ने एक आदेश जारी किया कि शेरिफ को अगले 49 दिनों के भीतर ट्वीटर को हटाना होगा। बड़े पैमाने पर छंटनी से पहले, ट्वीटर ऑफिस में कम से कम 300 कर्मचारी काम करते थे। सैन फ्रांसिस्को में अपने ऑफिस स्पेस के लिए 136,250 डॉलर किराए का भुगतान करने में विफल रहने के बाद जनवरी में ट्वीटर पर केस दर्ज किया गया था। मकान मालिक ने पिछले साल 16 दिसंबर को कंपनी को सूचित किया था कि अगर किराए का भुगतान नहीं किया गया तो वह पांच दिनों में हार्टफोर्ड बिल्डिंग की 30वीं मंजिल के लिए लीज पर डिफॉल्ट हो जाएगी। फरवरी में ट्वीटर ने भारत में अपने ती से दो

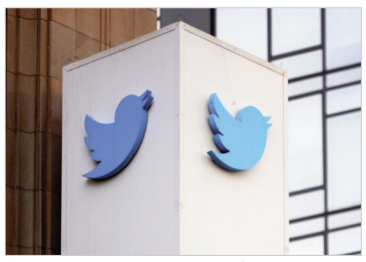

ऑफिस को बंद कर दिए और कर्मचारियों को घर से काम करने को कहा गया।

कंपनी ने अपना सिंगापुर ऑफिस भी बंद कर दिया है।

टीएनपीएल में अश्विन ने दूसरी ही गेंद पर विकेट लिया

चेन्नई । अनुभवी स्पिनर आर अश्विन ने तमिलनाडु प्रीमियर लीग (टीएनपीएल) में शानदार प्रदर्शन करते हुए दूसरी ही गेंद पर विकेट ले लिया। अश्विन यहां डिंडीगुल ड्रैगन्स की ओर से खेल रहे हैं। अश्विन ने पहली पारी के चौथे ओवर में ही बल्लेबाज पर दबाव बनाने कैरम गेंद फेंकी थी। इस प्रकार अश्विन ने टीम प्रबंधन को करारा जवाब दिया है। गौरतलब है कि अश्विन को ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ विश्व टेस्ट चैंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) फाइनल में अंतिम ग्यारह में जगह नहीं मिली थी। अश्विन इसके बाद भी आईसीसी टेस्ट गेंदबाजी रैंकिंग में शीर्ष स्थान पर हैं। अश्विन को डब्ल्यूटीसी फाइनल से बाहर करने पर भारतीय क्रिकेट के दिग्गज सचिन तेंदुलकर ने भी नाराजगी जतायी थी। तेंदुलकर ने अपने आधिकारिक ट्विटर अकाउंट पर लिखा, टीम इंडिया के लिए कुछ अच्छे क्षण थे पर मैं अश्विन को अंतिम एकादश में बाहर करने के फैसले को समझ नहीं पाया क्योंकि वह वर्तमान में नंबर एक टेस्ट गेंदबाज हैं। तेंदुलकर ने आगे कहा कि अश्विन ने हमेशा कही बाएं हाथ के बल्लेबाजों के सामने अच्छा प्रदर्शन किया है और ऑस्ट्रेलियाई टीम में शीर्ष 8 बल्लेबाजों में से 5 बाएं हाथ के बल्लेबाज थे। ऐसे में उन्हें अवसर मिलता तो वह बेहतर प्रदर्शन करते क्योंकि कुशल स्पिनर के लिए ट्रैक अहम नहीं होता। वह अपनी गेंदबाजी में विविधता से भी विकेट निकाल लेते।

डब्ल्यूटीसी का कार्यक्रम जारी, इस बार लॉर्ड्स में होगा फाइनल

लंदन ।

भारतीय टीम दूसरी बार आईसीसी विश्व टेस्ट चैंपियनशिप-2023 का खिताबी मुकाबला नहीं जीत पायी है। पहली बार उसे न्यूजीलैंड और दूसरी बार ऑस्ट्रेलिया के हाथों हार का सामना करना पड़ा है। ये दोनो ही फाइनल इंग्लैंड में हुए जहां भारतीय बल्लेबाज और गेंदबाजी संघर्ष करते दिखे। भारतीय टीम के लिए निराशाजनक बात ये है कि 2023-25 आईसीसी विश्व टेस्ट चैंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) का कार्यक्रम भी जारी हो गया है और इसका फाइनल भी इंग्लैंड के लॉर्ड्स में ही होगा भारतीय टीम 9 टीमों के इस टूर्नामेंट में 3 सीरीज घर और 3 सीरीज घर के बाहर खेलेगी।

भारतीय क्रिकेट टीम डब्ल्यूटीसी चक्र की शुरुआत जुलाई में वेस्टइंडीज दौरे से करेगी। भारतीय टीम को अगले दो साल में ऑस्ट्रेलिया और इंग्लैंड के खिलाफ सीरीज भी खेलनी हैं। भारतीय टीम अगले महीने वेस्टइंडीज दौरे पर दो टेस्ट डोमिनिका (12 से 16 जुलाई) और त्रिनिदाद (20 से 24 जुलाई) में खेलेगी।

भारतीय टीम को ऑस्ट्रेलिया में 5 मैचों बॉर्डर गावस्कर ट्रॉफी खेलनी है। हालांकि, पिछले दो मौके पर भारत ने ऑस्ट्रेलिया को उसके ही घर में 2-1 से हराया है, लेकिन इस बार भी ऐसा हो ऐसा कह नहीं सकते। अगर यहां भारत हार मिलती है तो उसकी फाइनल की राह मुश्किल हो जाएगी, क्योंकि भारत को दक्षिण अफ्रीका में भी दो मैचों की सीरीज खेलनी है। दक्षिण अफ्रीका में भारत का रिकॉर्ड अच्छा नहीं है। अब तक उसने कोई सीरीज नहीं जीती है।

अगला चक्र इंग्लैंड और ऑस्ट्रेलिया के बीच एशेज सीरीज के साथ शुरू होगा जिसमें शुक्रवार को पहला टेस्ट खेला जाएगा। वेस्टइंडीज दौरे के बाद भारतीय टीम दिसंबर 2023 से जनवरी 2024 के बीच दक्षिण अफ्रीका से खेलेगी। इसके बाद जनवरी फरवरी 2024 में इंग्लैंड के खिलाफ पांच टेस्ट मैचों की सीरीज की मेजबानी करेगा। फिर बांग्लादेश से सितंबर अक्टूबर 2024 में अपनी धरती पर खेलना है। इसके बाद न्यूजीलैंड टीम तीन टेस्ट मैचों की सीरीज खेलने आएगी।

विश्व टूर सुपर 1000 बैडमिंटन टूर्नामेंट के क्वार्टर फाइनल में हारे श्रीकांत

जकार्ता ।

भारत के किदांबी श्रीकांत इंडोनेशिया ओपन विश्व टूर सुपर 1000 बैडमिंटन में हार के साथ ही बाहर हो गये हैं। श्रीकांत को पुरुष एकल क्वार्टर फाइनल में चीन के ली शी फेंग ने 14-21 21-14 12-21 से हराया। श्रीकांत और फेंग के बीच कड़ा मुकाबला हुआ। एक घंटे और नौ मिनट तक चले इस मुकाबले के अंत में भारतीय खिलाड़ी को हार का सामना करना पड़ा। इस जीत के साथ ही फेंग ने श्रीकांत से मिली पिछली हार का हिसाब भी बराबर कर लिया है। दोनों खिलाड़ियों के बीच दो मुकाबलों में दोनों ने एक-एक जीत दर्ज की है।

विश्व रैंकिंग में 22वें स्थान पर कायम श्रीकांत और फेंग दोनों इस स्पर्धा में गैरवरीयता प्राप्त खिलाड़ी हैं। श्रीकांत ने इस मैच में अच्छी शुरुआत करते हुए शुरुआती सेट में 2-0 की बढ़त हासिल की पर इसके बाद उन्हें लगातार कई गलतियों से नुकसान हुआ। चीन के खिलाड़ी ने पहले गेम में ही ब्रेक के समय 11-7 की बढ़त हासिल कर ली।

फेंग ने इसके बाद अपनी बढ़त बनाये रखी और पहला गेम आसानी से जीत लिया। दूसरे गेम की शुरुआत में दोनों खिलाड़ियों के बीच बराबरी का मुकाबला हुआ पर श्रीकांत ने शीघ्र ही लय हासिल कर ब्रेक तक 11-6 की बढत हासिल कर ली। उन्होंने आक्रामक रुख अपनाते हुए यह गेम अपने नाम किया। तीसरे गेम में वह लय को बनाये नहीं रख पाये और फेंग ने 11-6 से बढ़त हासिल कर ली। फेंग ने तीसरा गेम 21-12 के बड़े अंतर से जीत के साथ ही सेमीफाइनल में जगह बनायी।

एशियाई खेलों से पहले स्पेन दौरे से अच्छा अनुभव मिलेगा : सविता

नई दिल्ली । भारतीय महिला हॉकी टीम की कप्तान सविता का मानना है कि एशियाई खेलों से पहले स्पेन दौरे से टीम को अपनी कमजोरियों के बारे में जानने का मौका मिलेगा और जूनियर खिलाड़ी भी खुद को साबित करके एशियाई खेलों के लिए टीम में चयन का दावा पुख्ता कर पाएंगे। भारतीय टीम स्पेनिश हॉकी महासंघ अंतरराष्ट्रीय टूर्नामेंट की 100वीं वर्षगांठ पर स्पेन खेलने जाएगी। यह टूर्नामेंट 25 से 30 जुलाई के बीच खेला जाएगा। सविता ने हॉकी इंडिया द्वारा जारी विज्ञप्ति में कहा, 'हमारे लिए यह अहम टूर्नामेंट है क्योंकि इससे उन पहलुओं के बारे में पता चलेगा जिनमें सुधार करना है। चार देशों के टूर्नामेंट में भारत का सामना दक्षिण अफ्रीका, इंग्लैंड और मेजबान स्पेन से होगा। सविता ने कहा, 'हम टूर्नामेंट में शीर्ष टीमों के खिलाफ खेलेंगे लिहाजा एशियाई खेलों से पहले खुद को आंकने का अच्छा मौका है। एशियाई खेल सितंबर अक्टूबर में चीन के हांगझोउ में खेले जाएंगे। इसमें स्वर्ण पदक जीतने वाली टीम अगले साल पेरिस ओलंपिक के लिये सीधे क्वालीफाई करेगी। जूनियर टीम ने पिछले सप्ताह जापान में चार बार की चैम्पियन कोरिया को 2.1 से हराकर महिलाओं का जूनियर एशिया कप जीता। सुनेलिटा टोप्पो जैसी जूनियर खिलाड़ियों को एशियाई खेलों के लिए 33 सदस्यीय कोर ग्रुप में रखा गया है जो बेंगलुरू में 11 जुलाई तक राष्ट्रीय कोचिंग शिविर में भाग लेंगी। सविता ने कहा, 'जूनियर टीम में कई प्रतिभाशाली खिलाड़ी हैं जिन्होंने हाल ही में एशिया कप जीता। वे अब सीनियर टीम में जगह बनाने को बेताब होंगे इसलिए कोई खिलाड़ी टीम में अपनी जगह को हलके में नहीं ले सकता। एशियाई खेलों की टीम में जगह बनाने के लिए सबके पास मौका है।

27 जून को हो सकती वेस्टइंडीज दौरे के लिए टीम की घोषणा

मुम्बई ।

वेस्टइंडीज दौरे के लिए भारतीय टीम की घोषण इसी माह 27 जून को हो सकती है। भारतीय टीम अगले माह जुलाई में वेस्टइंडीज के खिलाफ सीरीज खेलेगी। इस दौरे पर अनभवी खिलाड़ियों की जगह पर युवा खिलाड़ियों यशस्वी जायसवाल और मुकेश कुमार को अवसर मिल सकता है।

माना जा रहा है कि कप्तान रोहित शर्मा को वेस्टइंडीज दौरे पर रेड बॉल क्रिकेट या लिमिटेड ओवर क्रिकेट किसी एक प्रारुप में आराम मिल सकता है। आईपीएल के साथ डब्ल्यूटीसी के खिताबी मुकाबले में भी वह रन नहीं बना पाये। ऐसे में टीम में वापसी कर रहे अजिक्य रहाणे को वेस्टइंडीज दौरे पर टेस्ट टीम की कप्तानी मिल सकती है। एक रिपोर्ट के अनुसार रोहित आईपीएल और इंग्लैंड में विश्व टेस्ट चैंपियनशिप के फाइनल के दौरान कुछ थके हुए लग रहे थे। चयनकर्ता चाहते थे कि वह वेस्टइंडीज दौरे के कुछ समय तक आराम करें। उसके टेस्ट या आठ मैचों की व्हाइट-बॉल सीरीज (तीन वनडे और पांच टी20 अंतरराष्ट्रीय) से बाहर रहने की भी संभावनाएं हैं। चयनकर्ता अब रोहित से बात कर इस मामले में फैसला लेंगे। आईपीएल 2023 में रोहित के बल्ले से 16 मैचों में 20.75 की औसत के साथ 332

रन निकले से, वहीं डब्ल्यूटीसी की दोनों पारियों में उन्होंने 15 और 43 रन बनाए थे। रोहित शर्मा के अलावा टीम इंडिया के दो मुख्य तेज गेंदबाज मोहम्मद सिराज और मोहम्मद शमी भी पिछले कुछ समय से लगातार खेल रहे हैं। ऐसे में इन्हें भी आराम दिया जा सकता है। तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह की गैरमौजूदगी में इन दोनों ने तेज गेंदबाजी का दारोमदार संभाला और लगातार पिछले कुछ महीनों से इन दोनों गेंदबाजों ने क्रिकेट के मैदान पर काफी समय बिताया है। ऐसे में इस दौरे से इन्हें आराम दिया जा सकता है।

संक्षिप्त समाचार

मंजू रानी, जुनैद जीत के बाद भी एशियाई खेलों के लिए क्वालीफाई नहीं कर पाये

भुवनेश्वर । मंजू रानी ने राष्ट्रीय अंतर प्रांत एथलेटिक्स चैम्पियनशिप में महिलाओं की 35 किलोमीटर पैदल चाल स्पर्धा जीती है पर वह एशियाई खेलों के लिए प्रवेश हासिल नहीं कर पायी। मंजू इस स्पर्धा के दौरान एशियाई खेलों के लिए जरुरी क्वालीफाइंग स्तर हासिल नहीं कर पायीं। मंजू ने तीन घंटे 21 मिनट और 31 सेकंड में यह दौड़ पूरी की। गौरतलब है कि एशियाई खेलों का क्वालीफाइंग स्तर 2ः58.30 का है। मंजू ने इससे पहले फरवरी में रांची में पैदल चाल चैम्पियनशिप में 2ः58.30 का समय निकाल था। वहीं पुरुष वर्ग में हरियाणा के जुनैद खान ने तीन घंटे 37 सेकंड का समय निकालकर जीत हासिल पर ह भी एशियाई खेलों का दो घंटे 35 मिनट का क्वालीफाइंग स्तर हासिल नहीं कर पाये। राष्ट्रीय रिकॉर्डधारी राम बाबू इस टूर्नामेंट में शामिल नहीं हुए। वहीं महिलाओं की 400 मीटर दौड़ सेमीफाइनल में चार खिलाड़ियों ने 52.96 सेकंड का एशियाई खेल क्वालीफाइंग मार्क पार किया। हरियाणा की अंजलि देवी ने 52.03 सेकंड का समय निकाला। तमिलनाडु की विद्या राज (52.43) दूसरे, हरियाणा की हिमांशी मलिक (52.46) तीसरे और महाराष्ट्र की ऐश्वर्या मिश्रा (52.73) चौथे स्थान पर रही। पुरूष वर्ग में केरल के मुहम्मद अजमल (45.51) ने टूर्नामेंट का रिकॉर्ड तोड़ा। इसके अलावा केरल के ही राष्ट्रीय रिकॉर्डधारी मुहम्मद अनस 45.63 सेकंड का समय निकालकर सेमीफाइनल हीट में दूसरे स्थान पर रहे।

घमंडी हो गयी है भारतीय टीम : रॉबर्ट्स

जमैका । विंडीज के पूर्व क्रिकेटर एंडी रॉबर्ट्स ने भारतीय टीम की आलोचना करते हुए कहा है कि वह घमंडी हो गयी है। इसी कारण उसे ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप (डब्ल्यूटीसी) फाइनल में भी हार का सामना करना पड़ा। रॉबर्ट्स ने भारतीय टीम की आलोचना करते हुए कहा , यह घमंड है जो भारतीय क्रिकेट में शामिल हो गया है और इससे भारतीय टीम अन्य टीमों को कम समझती है। अब भारतीय टीम को यह तय करना होगा कि उनका ध्यान टेस्ट क्रिकेट या सीमित ओवरों के क्रिकेट पर है या फिर टी20 क्रिकेट से उसका काम चल जाएगा, जिसमें बल्ले और गेंद का कोई मुकाबला नहीं है। उन्होंने साथ ही कहा, मुझे उम्मीद थी कि भारतीय टीम अपनी बल्लेबाजी की ताकत दिखायेगी। मैंने फाइनल में उससे कोई अच्छा प्रदर्शन नहीं देखा केवल अजिंक्य रहाणे ने कुछ संघर्ष किया, उनके हाथ में चोट लग गई। शुभमन गिल जब वह शॉट खेलते हैं तो अच्छा लगता है पर वह लेग स्टंप पर खड़ा होता है और अक्सर आउट हो जाता है। उसके हाथ अच्छे मूमेंट करते हैं, लेकिन उसे गेंद के पीछे जाना चाहिए। विराट कोहली पहली पारी में मिचेल स्टार्क की गेंद पर कैच हो गये। भारत के पास कुछ बहुत अच्छे खिलाड़ी हैं, लेकिन उन्होंने घर से दूर अच्छा प्रदर्शन नहीं किया।महान क्रिकेटर ने इतने महत्वपूर्ण मैच में अश्विन को बाहर करने के भारत के फैसले को हास्यास्पद करार दिया और कहा कि आप अपना सर्वश्रेष्ठ स्पिनर को कैसे हटा सकते हैं।

चयनकर्ता रोहित से करेंगे बात, वेस्टइंडीज दौरे के लिए मिल सकता हैं आराम

नई दिल्ली।

भारतीय टीम के कप्तान रोहित शर्मा को 12 जुलाई से शुरू हो रहे वेस्टइंडीज के आगामी दौरे के एक हिस्से के लिए आराम मिल सकता है। राष्ट्रीय टीम एक बहु-प्रारूप श्रृंखला खेलेगी जिसमें दो टेस्ट, तीन एकदिवसीय और पांच टी20ई शामिल हैं। टेस्ट मैच विश्व टेस्ट चैंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) 2023-25 चक्र के लिए पहली श्रृंखला है। रोहित की कप्तानी टीम इंडिया को ओवल में संपन्न हुई आईसीसी डब्ल्यूटीसी 2021-23 के फाइनल में ऑस्ट्रेलिया के हाथों करारी हार का सामना करना पड़ा। 209 रन की अपमानजनक हार का सामना करते हुए, रोहित और प्रबंधन को शिखर मुकाबले में प्रदर्शन के लिए काफी आलोचना का सामना करना पड़ा। विशेष रूप से सभी प्रारूपों में जिम्मेदारियों को निभाने के बाद से कप्तान ने व्यस्त कार्यभार का सामना किया है। ताजा घटनाक्रम के अनुसार रोहित को वेस्टइंडीज के आगामी दौरे में कुछ मैचों के लिए आराम मिल सकता है। एक सूत्र ने कहा कि कप्तान को टेस्ट या आठ मैचों की सीमित ओवरों की श्रृंखला के लिए आराम दिया जा सकता है। सूत्र के मुताबिक, रोहित (शर्मा) आईपीएल और इंग्लैंड में विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप फाइनल के दौरान थोड़े थके हुए लग रहे थे। इसकारण चयनकर्ता चाहते हैं कि वह वेस्टइंडीज दौरे के कुछ समय तक आराम करें। उसके टेस्ट या आठ मैचों की व्हाइट-बॉल श्रृंखला (तीन वनडे और पांच टी20 अंतरराष्ट्रीय) से चूकने की संभावना है। सूत्र ने बताया कि चयनकर्ता रोहित से बात कर फिर फैसला लेने वाले हैं।

विशेष रूप से रोहित बल्ले से आउट ऑफ फॉर्म लग रहे थे क्योंकि वह ऑस्ट्रेलियाई टीम के खिलाफ मैच में 15 और 43 के स्कोर ही बना सके। आईपीएल में भी रोहित का निराशाजनक अभियान था क्योंकि उन्होंने 16 मैचों में 20.75 की औसत से 332 रन बनाए थे।

वेस्टइंडीज दौरे में यूवाओं को शामिल करें : हरभजन

मुम्बई । भारतीय टीम अब अगले माह वेस्टइंडीज दौरे में टेस्ट , एकदिवसीय और टी20 सीरीज खेलेगी। माना जा रहा है कि इस दौरे में कुछ युवा क्रिकेटरों को अवसर मिल सकता है। वहीं पूर्व दिग्गज क्रिकेटर हरभजन सिंह ने कहा है कि इस दौरे में अनुभवी खिलाड़ियों को आराम देकर युवाओं को शामिल करें। हरभजन ने कहा, अनुभवी खिलाडियों ने काफी क्रिकेट खेली है और उन्हें आराम दिया जाना चाहिए। मैं बीसीसीआई से अपील करता हूं कि इसमें और देरी न करें और वेस्टइंडीज में एक युवा टीम भेजें। इस पूर्व स्पिनर के अनुसार टीम इंडिया को हाल ही में हुए आईपीएल 2023 में अच्छा प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों को अवसर देना चाहिए। हरभजन ने कहा, मैं अक्षर को ऑलराउंडर के रूप में शामिल करुं और फिर रवि बिश्नोई और युजवेंद्र चहल के रूप में दो स्पिनरों को जगह दूंगा। इसके साथ ही युवा तेज गेंदबाज आकाश मधवाल का आईपीएल अच्छा रहा था और मुझे लगता है कि उन्हें टीम में भी होना चाहिए। शुभमन गिल निश्चित रूप से सलामी बल्लेबाजों में से एक होंगे। मैं उन्हें दूसरे सलामी बल्लेबाज के रूप में यशस्वी जायसवाल को आजमाते हुए देखना चाहूंगा। उनका आईपीएल का एक अविश्वसनीय सीजन रहा है और जहां भी उन्हें अवसर मिला है, उन्होंने अच्छा प्रदर्शन किया है। मुझे लगता है कि वह इस बड़े मंच के लिए तैयार हैं। रुतुराज गायकवाड़ मेरे तीसरे सलामी बल्लेबाज होंगे।

रणतुंगा वाली टीम से प्रेरणा लें : तीक्षणा

कोलंबो । श्रीलंकाई टीम के स्पिनर महेश तीक्षणा ने कहा कि उनकी टीम को 1996 की विश्व कप विजेता टीम से प्रेरणा लेते हुए विश्व कप क्वालीफायर में जीत दर्ज करनी होगी। महेश के अनुसार उनकी टीम को इस साल भारत में होने वाले आईसीसी पुरुष क्रिकेट विश्व कप के लिए लंबा रास्ता तय करना है। श्रीलंकाई टीम ने साल 1996 में अर्जुन रणतुंगा की कप्तानी में खिलाब जीता था पर इस बार टीम को आईसीसी पुरुष क्रिकेट विश्व कप क्वालीफायर खेलना है। ऑफ स्पिनर महेश तीक्षणा ने आईसीसी से कहा, किसी ने नहीं सोचा था कि श्रीलंका 1996 में विश्व कप जीतेगा। उन्होंने कहा, हमें अपनी पुरानी पीढ़ी से प्रेरणा लेनी होगी। जिस तरह रणतुंगा ने कप्तान के रूप में काम किया, वहां सभी के लिए बहुत सारी सुनहरी यादें हैं। एक टीम के रूप में हमें कुछ चीजें करनी हैं जैसा उन्होंने उस समय की अवधि में किया था, पर यह एक नई पीढ़ी भी है, इसलिए हमें चीजों को अलग तरह से देखना होगा। उन्होंने कहा, जिस तरह से क्रिकेट चल रहा है वह बहुत अलग है, इसलिए मुझे लगता है कि यह हमारा सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने और विश्व कप जीतने का प्रयास करने का समय है। गौरतलब है कि ग्रुप चरण में श्रीलंका का मुकाबला आयरलैंड, स्कॉटलैंड और संयुक्त अरब अमीरात की टीमों से होगा।

गुलाटी मारते हुए मैदान में पहुंचा प्रशंसक

ऋतुराज के पैर छूकर वापस लौट गया

नई दिल्ली । प्रशंसक अपने पंसदीदा खिलाड़ी से मिलने के लिए कितने क्रेजी होते हैं। हम सभी ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट मैचों और आईपीएल में पूर्व कप्तान एमएस धोनी से मिलने के लिए सुरक्षा घेरा तोड़कर कई प्रशंसकों के वीडियो देख चुके हैं। अब कुछ ऐसा ही महाराष्ट्र प्रीमियर लीग 2023 टूर्नामेंट के ओपनिंग मैच में देखने को मिला, जब एक फैन सुरक्षा घेरा तोड़कर ऋतुराज गायकवाड़ से मिलने के लिए मैदान में घुस गया, जिसका वीडियो सोशल मीडिया पर खूब वायरल हो रहा है। एमपीएल 2023 के उद्घाटन मैच में पुनेरी बप्पा बनाम कोल्हापुर टस्कर्स टीमों का आमना-सामना हुआ। मैच में पुनेरी बप्पा टीम के कप्तान रुतुराज गायकवाड़ ने टॉस जीतकर गेंदबाजी करने का फैसला किया। कोल्हापुर टस्कर्स ने पहले बल्लेबाजी करते हुए निर्धारित 20 ओवर में 7 विकेट खोकर 144 रन बनाए। दिलचस्प बात यह है कि पहली पारी में एक भी दर्शक मैदान में नहीं उतरा। इसके बाद पुनेरी बप्पा के लिए गायकवाड़ और पवन शाह ने पारी की शुरुआत की। ऋतुराज ने इस बार कड़ी टक्कर दी। उन्होंने महज 22 गेंदों में अपना अर्धशतक पूरा किया। साथ ही पूरे मैच में उन्होंने 27 गेंदों पर 64 रनों की तूफानी पारी खेली। उन्होंने 5 चौके और 5 छक्के लगाकर दर्शकों का दिल जीत लिया। इस बार उन्होंने 237.04 की स्ट्राइक रेट से रन बनाए। जब ऋतुराज बैटिंग कर रहे थे, तभी एक फैन ने सुरक्षा घेरा तोड़कर मैच में खलल डाला। वह गुलाटी मारते हुए मैदान पर पहुंचता हुआ नजर आ रहा है। फैन ने ऋतुराज के पैर छूए, फिर खुद आराम से वापिस आ गया। पुनेरी बप्पा के सलामी बल्लेबाजों ऋतुराज और पवन ने तूफानी बल्लेबाजी कर टीम को चुनौती के करीब पहुंचाया। पवन ने 48 गेंदों पर 57 रन बनाए, जबकि रितुराज ने 64 रनों की पारी खेली। दोनों ने पहले विकेट के लिए 110 रन की पार्टनरशिप की। साथ ही मैच हमारे पक्ष में रहा। इसी के चलते अंत में पुनेरी बप्पा की टीम ने 14.1 ओवर में 8 विकेट रहते मैच अपने नाम कर लिया।

एशिया कप से होगी अय्यर व बुमराह की वापसी

पाक की मुश्किलें बढ़ेंगी

मुम्बई । तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह और बल्लेबाज श्रेयस अय्यर की अगस्त में होने वाले एशिया कप में वापसी की उम्मीदें हैं। एशिया पक 31 अगस्त से शुरु होगा और इसका फाइनल 17 सितंबर को खेला जाएगा। यह टूर्नामेंट पाकिस्तान और श्रीलंका में खेला जाएगा। इस टूर्नामेंट से भारतीय टीम में अय्यर व बुमराह की वापसी होने से टीम की बल्लेबाजी व गेंदबाजी मजबूत होगी। एशिया कप को आगामी एकदिवसीय विश्व कप की तैयारियों के लिए अहम माना जा रहा है, ऐसे में इन दो क्रिकेटरों की अगर टीम में वापसी होती है तो यह एक अच्छा संकेत है। इस बार एशिया कर 50 ओवर के प्रारूप में खेला जाएगा। अय्यर को आईपीएल से पहले चोट लग गई थी और इसी के बाद से ही वह खेल से दूर हैं। उनकी मई में लंदन में उनकी सर्जरी हुई। अभी वह फिजियोथेरेपी से गुजर रहे हैं। वहीं बुमराह भी सितंबर 2022 से ही मैदान से बाहर चल रहे हैं। बुमराह भी आईपीएल से बाहर रहे हालांकि अब वह फिट होते नजर आ रहे हैं। उन्होंने अपने ट्विटर अकाउंट पर भी एक तस्वीर साझा करते हुए वापसी के संकेत दिए थे। बुमराह की पीठ में चोट लगी थी। मार्च में उन्होंने न्यूजीलैंड में सर्जरी करवाई थी, जिसके बाद वह रिकवरी के लिए मैदान से दूर हो गए थे। बुमराह सिर्फ फिजियोथेरेपी कर रहे हैं लेकिन हाल ही में उन्होंने गेंदबाजी शुरू कर दी है। समय के साथ-साथ इसमें इजाफा किया जाएगा। बुमराह के आने से पाकिस्तान की मुश्किलें बढ़ने वाली है। बुमराह ने पाकिस्तान के खिलाफ खेले 5 मैचों में 4 विकेट लिए, लेकिन इस बीच उन्होंने पाक बल्लेबाजों को खूब परेशान करने का काम किया। उन्होंने पाक के खिलाफ केवल 4.98 की ईकोनोमी रेट से ही रन दिये हैं।

बिपरजॉय गुजरात तट से टकराया, 500 से ज्यादा पेड़ उखड़े

200 बिजली के खंभे उखड़े, 940 गांवों की बिजली गुल

कच्छ । अरब सागर से चक्रवाती तूफान बिपारजॉय गुरुवार को शाम को गुजरात तट से टकराया। बिपरजॉय ने गुजरात के कई जिलों में तबाही मचा दी है और इसका असर अब देखने को मिल रहा है। कई इलाको में बिपारजॉय के चलते भारी बारिश हो रही है। राज्य में 115-125 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से हवाएं चलीं। इसके चलते जनजीवन अस्त-व्यस्त हो गया है। गुजरात के कच्छ जिले में 500 से ज्यादा पेड़ उखड़ गए। वहीं 200 बिजली के खंभे उखड़ गए, जिससे 940 गांवों की बत्ती गुल हो गई। समुद्र से लगे निचले इलाकों में पानी भरने से बाढ़ जैसी स्थिति हो गई। अभी तक दो लोगों की मौत की खबर है जबकि 22 लोग घायल हो गए। जिला कलेक्टरों को चक्रवात का प्रभाव पूरा होते ही तुरंत प्राथमिक नुकसान का आकलन करने के निर्देश दे दिए गए हैं। इस दौरान भारी से अति भारी बारिश की चेतावनी जारी की गई है। मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने द्वारका और कच्छ जिले के कलेक्टरों के साथ मोबाइल फोन से बात कर ताजा हालात की जानकारी प्राप्त की। विभाग ने कहा कि चक्रवाती तूफान बिपारजॉय कच्छ, सौराष्ट्र पार करने के बाद 16 जून को इसका असर दक्षिण राजस्थान पर दिखेगा। 17 जून के बाद स्थितियों में सुधार हो सकता है। तूफानी हवाओं की रफ्तार इसके बाद धीरे-धीरे कम हो जाएगी।

गुजरात में बिपारजॉय चक्रवात के कारण हो रही तेज बारिश के बीच भावनगर में गुरुवार को एक उफनते नाले में फंसी अपनी बकरियों को बचाते समय एक व्यक्ति और उसके बेटे की मौत हो गई। अधिकारी ने कहा कि 22 बकरियां और एक भेड़ की भी मौत हो गई। बता दें कि बिपरजॉय दक्षिण-पूर्वी अरब सागर में छह-सात जून को बना था। इसके बाद यह 11 जून को प्रचंड तूफान में बदल गया।

गुजरात में बिपरजॉय चक्रवात के बाद बारिश से कहर बरपाया है। राज्य के 171 तहसीलों में तेज हवाओं के साथ भारी बारिश हुई। कच्छ जिले के गांधीधाम में सबसे अधिक 8 इंच बारिश हुई। जबिक अंजार व मुन्द्रा तहसील में 5 इंच से अधिक पानी गिरा। जूनागढ के खंभालिया व जामनगर में 4 इंच बारिश हुई। भुज में 6 इंच बारिश हुई। राजकोट में भी ढाई इंच बारिश हुई।

राज्य में बिपरजॉय चक्रवात के बाद मौसम विभाग ने भारी बारिश होने की संभावना व्यक्त की है। आज तीन जिलों में भारी बारिश का संभावना जताई है। कच्छ, बनासकांठा और पाटन में भारी बारिश होने की भविष्यवाणी की है। इसके अलावा उत्तर गुजरात, सौराष्ट्र, पाटन, महेसाणा, साबरकांठा, गांधीनगर, अहमदाबाद, द्वारका, सुरेन्द्रनगर, पोरबंदर, जूनागढ, राजकोट, जामनगर, अमरेली, मोरबी व गीरसोमनाथ में तेज हवा के साथ बारिश होने की संभावना जताई है। बिपरजॉय चक्रवात के चलते राज्य के 940 गांव में बिजली के पोल व 524 से अधिक पेड़ गिर गए है। बिजली गिरने व पेड गिरने से 22 लोग जख्मी हुए है। हालांकि किसी बड़ी जानहानि की घटना सामने नहीं आई है। बिपरजॉय चक्रवाती तूफान में 23 पशुओं की मौत हो गई। 17 जून प्रशासन द्वारा नुकसान को सरवे शुरु किया जाए। राज्य में बिपरजॉय चक्रवात से कच्छ के गांधीधाम में 8 इंच, भूज में 6 इंच, अंजार में 5 इंच, मुन्द्रा में 5 इंच, खंभालिया में 4 इंच, जामजोधपुर में 3.5 इंच, द्वारका में 3.5 इंच, कल्याणपुर में 3.5 इंच, वाव में 3.5 इंच, कालावड में 2.75 इंच, मांडवी में 2.75 इंच, भचाउ में 2.75 इंच, भावनगर में 2 इंच, नखत्राणा में 2 इंच बारिश हुई। बिपरजॉय चक्रवात के बाद कई इलाकों में भयानक दृश्य देखने को मिले। चक्रवाती तूफान के कारणे 940 गांव में बिजली आपूर्ति ठप हो गई। अब तक चक्रवाती तूफान में 22 लोग जख्मी होने की घटनाएं सामने आई है। 23 पशुओं के मौत की घटना सामने आई है। हालांकि महासंकट चक्रवाती तूफान में किसी भी व्यक्ति की मौत की खबर सामने नहीं आई है।

चक्रवाती तूफान में तहस नहस हुआ कच्छ का जखौ, भारी बारिश से नदी-नालों में उफान

कच्छ। चक्रवाती तूफान बिपरजॉय का सबसे ज्यादा असर कच्छ पर हुआ है। जहां चक्रवाती तूफान टकराया उस जखौ में चारों ओर तबाही का मंजर सामने आया है। राहत की बात यह है कि चक्रवाती तूफान में कोई जनहानि नहीं हुई। लेकिन कई पशुओं की मौत हो गई। जगह जगह पेड़ और बिजली खंबे उखड़ गए हैं। कहीं तो कच्चे घरों और ओफिसों की छतें हवा हो गईं। तूफान के बाद अब भी कच्छ समेत तटीय इलाकों में भारी बारिश हो रही है। कच्छ के गांधीधाम में पिछले 24 घंटों में 8 ईंच से भी ज्यादा बारिश हो चुकी है, जिससे लोग भी तौबा करने लगे हैं। कच्छ में अब भी तेज हवा के साथ भारी बारिश हो रही है, जिसकी वजह से ज्यादातर ग्रामीण इलाके जलमग्न हो गए हैं। नदी और नाले उफान मार रहे हैं। तेज हवा से अनेकों पेड़ धराशायी हो गए हैं। बिजली के खंभे गिरने से बिजली आपूर्ति ठप हो गई है। खासकर जहां कल चक्रवाती तूफान टकराया था वह जखौ पोर्ट में सबस कुछ तहस नहस हो चुका है। कच्छ के नलिया और जखौ के बीच चक्रवात का अब भी असर दिख रहा है। जखौ पोर्ट पर अब भी तेज हवा चल रही है। तेज हवा और भारी बारिश के चलते विजिब्लिटी भी घट गई है। जखौ स्थित पेट्रोल के मशीन टूट गए हैं। पेट्रोल पंप का शेड भी तेज हवा में उड़ गया और ऑफीस के शीशे चकनाचूर हो गए। पोर्ट स्थित कई ऑफीसों की छते हवा में उड़ गईं।

तूफान से एक दिन के नवाजात शिशु को महिला पुलिस ने बचाया

गांधीनगर। गुजरात में साइक्लोन बिपरजॉय के कारण मची भीषण तबाही के बीच सुरक्षा और बचाव के काम में लगी एजेंसियों के लोगों की जान पर खेलकर आम लोगों को सुरक्षित जगहों पर पहुंचाने की घटनाएं भी देखने को मिल रही हैं। गुजरात के बरदा डूंगर में केवल चार दिन पहले एक बच्चे को जन्म देने वाली मां को राज्य की पुलिस ने सुरक्षित जगह पर भेजा। इस दौरान महिला पुलिस कर्मी को उस नवजात शिशु को अपने हाथों में संभालकर ले जाते देखा गया।

गुजरात के वन और पर्यावरण मंत्री मुलु अयर बेरा ने घटना के वीडियो को ट्वीट किया। वीडियो में महिला पुलिसकर्मी को एक नवजात शिशु को गोद में लिए देखा जा सकता है। जबकि बच्चे की मां और कई अन्य महिलाओं को उनके साथ सुरक्षित जगह पर जाते देखा जा सकता है। विधायक बेरा ने वीडियो के साथ ट्वीट किया कि 'भंवड़ का प्रशासन सेवा के जरिये सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए सतर्क है। जबकि गुजरात पुलिस महानिदेशक के ऑफिशियल ट्विटर हैंडल ने वीडियो को रीट्वीट कर कहा कि 'अगर आप सगुजरात पुलिस के साथ हैं, तब आप बिल्कुल सुरक्षित हाथों में हैं।

गौरतलब है कि चक्रवात बिपरजॉय के कारण गुजरात में कम से कम दो की मौत हो गई और 22 लोग घायल हो गए। जबकि तूफान के कारण बिजली के कई खंभे और पेड़ उखड़ गए।

गुजरात में तट से टकराने के बावजूद चक्रवात बिपरजॉय बहुत धीमी गति से चलने वाले बहुत बड़े तूफान में बदल गया है। करीब छह घंटे के बाद भी बिपरजॉय के असर से बारिश हो रही है। जबकि तूफान सामान्य रूप से जल्दी कमजोर हो जाते हैं।

चक्रवाती तूफान बिपरजोय के कमजोर होने की उम्मीद

कच्छ। उत्तर-पूर्व की ओर बढ़ रहे चक्रवाती तूफान बिपरजोय, जो वर्तमान में सौराष्ट्र और कच्छ के ऊपर है, अब कमजोर हो जाएगा। यह वर्तमान में जखाऊ बंदरगाह से लगभग 40 किमी उत्तर पूर्व और नलिया से 30 किमी उत्तर में स्थित है। चक्रवात की तीव्रता कम हो गई है क्योंकि और शुक्रवार शाम तक इसके पूरे उत्तर गुजरात में उत्तर-पूर्व की ओर बढ़ने की संभावना है। पूवार्नुमान के अनुसार, सुबह 9 बजे तक बिपरजॉय 50-60 किमी प्रति घंटे की अधिकतम हवा की गति के साथ एक गहरे दबाव में बदल गया है, जो 70 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से चल रहा है। शुक्रवार की शाम 5.30 बजे तक 35-45 किमी प्रति घंटे के बीच हवा की गति के साथ कमजोर पड़ने की उम्मीद है। इस बीच शुक्रवार को सौराष्ट्र और कच्छ, उत्तर गुजरात और दक्षिण राजस्थान में अलग-अलग स्थानों पर भारी से अत्यधिक भारी वर्षा की चेतावनी बनी हुई है। दक्षिण पूर्व राजस्थान और आसपास के उत्तर गुजरात क्षेत्र में भी शनिवार को भारी बारिश की उम्मीद है।उत्तर पूर्व और पूर्व मध्य अरब सागर के लिए हवा की चेतावनी अभी भी सक्रिय है। 50-60 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से 70 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से चलने वाली तेज हवाओं के धीरे-धीरे कम होने की उम्मीद है। शुक्रवार दोपहर तक 40-50 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से हवा चलने की संभावना है। कच्छ, देवभूमि द्वारका, पोरबंदर, जामनगर, मोरबी, जूनागढ़ और राजकोट जिलों में व्यापक नुकसान की आशंका है। मछुआरों की चेतावनी अभी भी प्रभावी है, शनिवार की सुबह तक पूर्वोत्तर और आसपास के पूर्व-मध्य अरब सागर में मछली पकड़ने पर रोक लगा दी गई है। साथ ही प्रभावित क्षेत्रों के लोगों को भी घर के अंदर रहने की सलाह दी गई है। तूफान से सौराष्ट्र और उत्तरी गुजरात क्षेत्र के आंतरिक जिलों में भी नुकसान होने की संभावना है, इसमें सड़कों को नुकसान, जल भराव और निचले इलाकों में बाढ़ और पेड़ों का उखड़ना शामिल है।

गांधीधाम में स्थिति का जायजा लेने पहुंचे गुजरात प्रदेश प्रमुख शक्तिसिंह गोहिल

कच्छ। चक्रवाती तूफान बिपरजॉय गुजरात से टकराने के बाद आगे बढ़ चला है और अब प्रभावित क्षेत्रों में राहत कार्य युद्धस्तर पर किए जा रहे हैं। चक्रवाती तूफान से सबसे अधिक प्रभावित कच्छ जिला रहा। कच्छ जिले के जखौ के निकट चक्रवात टकराया था। चक्रवात के बाद उत्पन्न स्थिति का जायजा लेने गुजरात के नवनियुक्त प्रदेश प्रमुख शक्तिसिंह गोहिल कच्छ जिले के गांधीधाम पहुंचे। शक्तिसिंह गोहिल ने कहा कि मौजूदा हालात का शब्दो में बयां करना काफि मुश्किल है। बिपरज़ॉय चक्रवाती तूफान से काफी नुकसान पहुंचा है। लोगों के पुनर्स्थापन के लिए बड़ी मदद की आवश्यकता है। शक्तिसिंह गोहिल ने स्वैच्छिक संस्थाएं व कांग्रेस के मित्रों के प्रति आभार प्रकट करते हुए कहा कि उन्होंने मुझे सुरक्षित स्थानों पर ले जाने में मदद की।

राज्य सरकार के अग्रिम आयोजन और संयुक्त प्रयासों से गुजरात में बड़ी जनहानि टली: राहत आयुक्त

गांधीनगर । मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल गुरुवार की रात गुजरात के तट से टकराए चक्रवाती तूफान 'बिपरजॉय'से प्रभावित ज़िलों में स्थिति का जायजा लेने के लिए शुक्रवार स्टेट इमरजेंसी ऑपरेशन सेंटर पहुंचे। मुख्यमंत्री ने एसईओसी (एसईओसी) में विभिन्न विभागों के उच्चाधिकारियों सहित मुख्य सचिव के साथ बैठक कर विस्तृत जानकारी ली। राहत आयुक्त आलोक पांडे ने इस बैठक का विवरण देते हुए बताया कि राज्य सरकार के अग्रिम आयोजन, मुख्यमंत्री के निरंतर मार्गदर्शन और सभी के संयुक्त प्रयासों से गुजरात में बड़ी जनहानि से बचा जा सका है। राज्य में तूफान के कारण एक भी व्यक्ति की मृत्यु नहीं हुई है।अग्रिम आयोजन के परिणामस्वरुप राज्य सरकार ने एक लाख से अधिक नागरिकों को प्रभावित क्षेत्रों से सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया, जो कि गुजरात के इतिहास में सबसे बड़े निस्तारण में से एक है। लगभग पांच दिनों तक प्राकृतिक आपदा झेलने के बाद आज हम हजारों लोगों की जान बचा सके हैं। राहत आयुक्त ने आगे कहा कि मुख्यमंत्री ने बैठक में उपस्थित विभिन्न विभागों के उच्च अधिकारियों से ज़िले की स्थिति के बारे में विस्तृत जानकारी प्राप्त की। चक्रवात के परिणामस्वरूप प्रभावित ज़िलों में जल, संचार व्यवस्था, बिजली तथा सड़कों को यथाशीघ्र बहाल करने के निर्देश दिये गये।इसके अलावा मुख्यमंत्री ने उच्चाधिकारियों को प्राथमिक नुकसान का आकलन करने, प्रभावितों को केशडोल, घरेलू सामान, झोपड़पट्टी सहायता तथा पशु सहायता जैसी व्यवस्था करने के भी निर्देश दिए। पांडे ने कहा कि चक्रवात प्रभावित ज़िलों में आर्थिक नुकसान हुआ है, लेकिन हम इससे जल्दी बाहर निकलेंगे। उन्होंने कहा कि चक्रवात के परिणामस्वरुप राज्य में 1137 वृक्ष धराशायी हो गए थे तथा 263 रास्ते बंद हो गए थे। इन सभी पेड़ों को हटा दिया गया है और 260 रास्तों को पुन शुरू कर दिया गया है, जबकि 3 सड़कों में नुकसान होने के कारण उनका मरम्मत कार्य चल रहा है। उन्होंने कहा कि तेज हवाओं के कारण प्रभावित जिलों में 5,120 बिजली के खंभे गिर गए, जिससे 4,600 से अधिक गांवों में बिजली व्यवस्था का मार्ग अवरुद्ध हो गया था, जिनमें से 3,580 गांवों में बिजली बहाल कर दी गई है। पीजीवीसीएल की टीमों द्वारा बारिश में भी बाकी के गांवों में बिजली बहाल करने के लिए लगातार काम किया जा रहा है। उन्होंने नुकसान के बारे में जानकारी देते हुए बताया कि प्रभावित जिलों में 20 कच्चे मकान, 9 पक्के मकान और करीब 65 झोपड़ियां पूरी तरह से धराशायी हो गयी हैं. जबकि 474 कच्चे मकानों और 2 पक्के मकानों को आंशिक रूप से नुकसान हुआ है। मौसम विभाग के पूर्वानुमान के मुताबिक तूफान शाम को गुजरात को पार करेगा, जिसके बाद हवा की गति धीरे-धीरे कम हो जाएगी।प्रभावितज़िलों में हवा की गति अभी भी अधिक होने की वजह से कच्छ, द्वारका, पाटण और बनासकांठा सहित कई जिलों में भारी वर्षा होने की संभावना है। इस समीक्षा बैठक में मुख्य सचिव, मुख्यमंत्री के मुख्य प्रधान सचिव, राजस्व तथा स्वास्थ्य विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिवसहित वरिष्ठ प्रधान सचिव, सचिव एवं अधिकारी उपस्थित रहे।

सिविल अस्पताल के चाइल्ड वार्ड में गैस रिसाव से मची भगदड

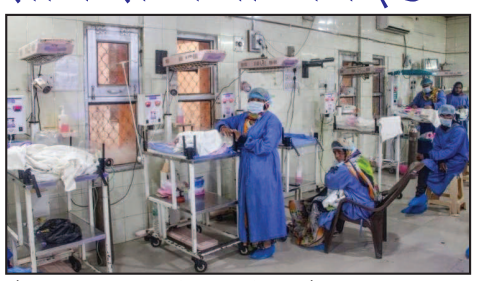

राजकोट । शहर के सिविल अस्पताल में आज सुबह अचानक ऑक्सिजन के प्लान्ट से गैस रिसाव की घटना से भगदड़ मच गई। अस्पताल के चिल्ड्रन वार्ड में गैस रिसाव से मरिजों में हडकंप मच गया। हालांकि सिक्युरिटी स्टाफ ने तत्काल ऑक्सिजन प्लान्ट बंद कर देने से बड़ी जानहानि टल गई। प्राप्त जानकारी के मुताबिक राजकोट शहर में स्थित सिविल अस्पताल के के.टी.चिल्ड्रन वार्ड में आज सुबह ऑक्सिजन प्लान्ट में गैस रिसाव की घटना सामने आई। वार्ड में नवजात बच्चे समेत कई बाल मरिज भर्ती थे। अचानक गैस रिसाव से मरिजों में हडकम्प मच गया। हालांकि अस्पताल में मौजूद सिक्युरिटी गार्ड ने तुरंत सतर्कता बरतते हुए अस्पचाल के संचालको को सुचित किया। अस्पताल प्रशासन द्वारा तत्काल रूप से ऑक्सिजन प्लान्ट बंद कर देने से बड़ी जानहानि टल गई। गैस रिसाव बंद होने से मरिजों व प्रशासन ने राहत की सांस ली। एक और बिपरजॉय चक्रवात की असर से राजकोट में भारी पवन के साथ बारिश हो रही है। बिपरजॉय चक्रवात से सौराष्ट्र कच्छ में काफी कहर बरपाया है। चक्रवात प्रभावित लोगों को राजकोट अस्पताल में भी लाया गया है, ऐसे में गैस रिसाव की घटना से सिविल प्रशासन में हडकंप मच गया। हालांकि तत्कालरूप से कदम उठाए जाने पर बड़ी जानहानि टल गई। गैस रिसाव की घटना से कोई जानहानि नहीं हुई।

Jio MAMI को अब तक पूरे दक्षिण एशिया से 300 से अधिक फिल्म प्रविष्टियां प्राप्त हुई हैं

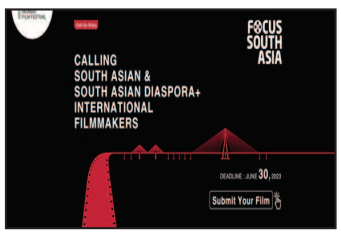

सूरत भूमि, राष्ट्रीय भारत के सबसे प्रिय और प्रसिद्ध फिल्म समारोहों में से एक जियो मामी (मुंबई एकेडमी ऑफ मूविंग इमेज) - मुंबई फिल्म फेस्टिवल-2023 मुंबई में 27 अक्टूबर से 5 नवंबर 2023 तक अपने ऑन-ग्राउंड संस्करण के साथ वापस आ गया है। जियो मामी का लक्ष्य दक्षिण एशियाई सिनेमा और प्रतिभा का केंद्र बनना है। यह उत्सव स्वतंत्र और उभरते फिल्म निर्माताओं को समर्थन और बढ़ावा देने पर ध्यान देने के साथ दक्षिण एशियाई, दक्षिण एशियाई डायस्पोरा और अंतरराष्ट्रीय सिनेमा का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने के लिए समर्पित है। जियो मामी मुंबई फिल्म फेस्टिवल का उद्देश्य नई सिनेमाई आवाजों के लिए एक पारिस्थितिकी तंत्र बनाना है जो विचारों, सहयोग और व्यावसायिक अवसरों का आदान-प्रदान करते हुए विश्व सिनेमा का सर्वश्रेष्ठ मुंबई में लाएगा।

भारत में सबसे प्रत्याशित फिल्म समारोहों में से एक, जियो मामी दुनिया भर से प्रतिभा और सिनेमा प्रेमियों को आकर्षित करती है। जबकि प्रारंभिक प्रस्तुतियाँ की समय सीमा 31 मई को समाप्त हो गई थी, आयोजकों ने समय सीमा को एक और महीने यानी 30 जून 2023 तक बढ़ाने का फैसला किया है। अब तक 294 से अधिक प्रविष्टियां की जा चुकी हैं और कई और आने की उम्मीद है। इन सबमिशन में व्यापक रेंज विविध सांस्कृतिक, दृष्टिकोण और कथाओं का प्रतिनिधित्व करने वाली फिल्मों के आकर्षक चयन को प्रस्तुत करने के लिए उत्सव की प्रतिबद्धता को प्रदर्शित करती है। जियो मामी मुंबई फिल्म फेस्टिवल- 2023 सिनेप्रेमियों, उद्योग के पेशेवरों और फिल्म निर्माताओं के लिए जीवन भर का अनुभव है।

इस बारे में फेस्टिवल डायरेक्टर अनुपमा चोपड़ा ने कहा, हम अपने कॉल फॉर एंट्री अभियान के लॉन्च के पहले 15 दिनों के भीतर इस तरह की प्रतिक्रिया पाकर बहुत उत्साहित हैं. जब फेस्टिवल में असली सितारे होते हैं तो जबरदस्त भागीदारी होती है और यही बात फिल्म फेस्टिवल को वास्तव में खास बनाती है। भारत के बहुप्रतीक्षित फिल्म समारोहों में से एक, यह महोत्सव कहानी कहने, सांस्कृतिक बारीकियों और प्रतिनिधित्व का जश्न मनाता है। हम दक्षिण एशियाई, दक्षिण एशियाई प्रवासी और अंतर्राष्ट्रीय फिल्म निर्माताओं को अपनी फिल्में प्रस्तुत करने के लिए आमंत्रित करने के लिए उत्साहित हैं क्योंकि हम स्वतंत्र फिल्मों और फिल्म निर्माताओं को उनके काम, नेटवर्क और अंतत: उनकी फिल्म के साथ यात्रा को प्रदर्शित करने के लिए एक मंच प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध हैं।

सूरत। जब खिलाड़ी आगामी त्योहारों और विशेष रूप से नवरात्रि के दौरान गरबा, डोढ़िया खेलने के लिए उमड़ते हैं, ऐसे समय में सूरत शहर के प्रसिद्ध समूह भवीन मिलेनियम गरबा ग्रुप द्वारा अल्थान कम्युनिटी हॉल में गरबा प्रशिक्षण कक्षाएं शुरू की गई हैं। भाविन मिलेनियम गरबा ग्रुप के हिस्से के रूप में अगले 4 महीनों के दौरान प्रत्येक त्योहार को अलग-अलग तरीके से मनाते हुए, इस बार उद्घाटन के अवसर पर अयोध्या में राम मंदिर का काम भी उनके द्वारा बनाया गया था, जो खिलाड़ियों के बीच विशेष ध्यान आकर्षित कर रहा था।

स्वात्वाधिकारी, प्रकाशक, सम्पादक: संजय रमाशंकर मिश्रा द्वारा ११४, न्यू प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेन्ट, डिंडोली, उधना, सुरत (गुजरात) प्रिन्टर्स- भूनेश्वरा प्रिन्टर्स, प्लाट नं. 29, परमानन्द इण्डस्ट्रीयल सोसायटी, चौकसी मील के पास, उधना मगदल्ला रोड़ (गुजरात) से मुद्रित एवं ११४, न्यू प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेन्ट, डिंडोली, उधना, सूरत (गुजरात) से प्रकाशित। कार्यालय फोन: 0261-2274271, (न्यायिक क्षेत्र सूरत रहेगा)